कोटद्वार, गुरूवार
23 अप्रैल 2026
वर्षः 49
अंकः 5 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

लेंसकार्ट में तिलक विवाद

एमपी-यूपी, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईवियर कंपनी लेंसकार्ट के ड्रेस कोड को लेकर विवाद बढ़ गया है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों में प्रदर्शन हो रहे हैं। हिंदू संगठनों से जुड़े लोग 4 दिनों से कई शहरों के लेंसकार्ट स्टोर में जाकर कर्मचारियों को तिलक लगा रहे और कलावा बांध रहे हैं। इस बीच बागेश्वर बाबा धीरेंद्र शास्त्री ने कंपनी के प्रमोटर्स से कहा, 'तू अपनी कंपनी लाहौर में खोल ले, भारत में काहे को मर रहा है। तेरो कक्का का भारत है क्या, हां! हमारे तो बाप का भारत है।' पिछले सप्ताह सोशल मीडिया पर

कंपनी का एक पॉलिसी डॉक्यूमेंट वायरल हुआ था। इसमें कर्मचारियों को बिंदी, तिलक और बुर्का पहनने पर रोक की बात थी। हिजाब और पगड़ी को कुछ शर्तों के साथ अनुमति दी गई थी। कंपनी के फाउंडर पीयूष बंसल ने 15 अप्रैल को एक्स पर पोस्ट कर बताया कि वायरल डॉक्यूमेंट पुराना है। यह कंपनी की मौजूदा गाइडलाइन नहीं दर्शाता। कंपनी सभी धर्मों का सम्मान करती है। देश में हमारे हजारों टीम मेंबर्स हैं, जो हर दिन अपने विश्वास और संस्कृति को गर्व के साथ अपनाते हैं। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए ग्रूमिंग गाइड के मुताबिक, महिला कर्मचारियों को स्टोर में बिंदी या क्लचर लगाने की अनुमति नहीं है। इसी डॉक्यूमेंट में बुर्का पहनकर स्टोर में काम करने की मनाही की गई है। अगर कोई कर्मचारी हिजाब या पगड़ी पहनता है, तो वह काले रंग का होना चाहिए।

नीतिश कुमार ने बनाई जेडीयू की नई टीम

राष्ट्रीय कार्यकारिणी में 24 नेता, निशांत नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिश कुमार ने पार्टी की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी घोषित की है। इसमें उनके बेटे निशांत कुमार को जगह फिलहाल नहीं मिली है। जेडीयू राष्ट्रीय कार्यकारिणी में 24 नेताओं को रखा गया है। राज्यसभा सांसद संजय झा जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बने रहेंगे। वहीं, पार्टी के वरीय नेता एवं जहानाबाद से पूर्व सांसद चंद्रेश्वर

प्रसाद चंद्रवंशी को पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। आलोक कुमार सुमन कोषाध्यक्ष होंगे। वहीं, 12 नेताओं को जेडीयू का राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है। इसमें मनीष कुमार वर्मा, आफाक अहमद खान, श्याम रजक, अशोक चौधरी, रमेश सिंह कुशवाहा, राम सेवक सिंह, कहकशां परवीन, कपिल हरिशचंद्र पाटिल, राज सिंह मान, सुनील कुमार उर्फ इंजीनियर, हर्षवर्धन सिंह, मौलाना गुलाम रसूल और बलियावी का नाम शामिल है। राजीव रंजन सिंह जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता बने रहेंगे। वहीं, रविंद्र प्रसाद सिंह, विद्या सागर निषाद, दयानंद राय, संजय कुमार, मोहम्मद निसार, रूही तागुंग और निवेदिता कुमारी को राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया गया है।

केदारनाथ धाम के कपाट विधि-विधान के साथ खुले

-हर हर महादेव, जय श्री केदार के उदघोष से गूंजी बाबा केदार की नगरी -मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी बनें कपाट खुलने के दिव्य क्षणों के साक्षी

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : श्रद्धा, आस्था और दिव्यता की अद्भुत त्रिवेणी, ग्यारहवें ज्योर्तिलिंग श्री केदारनाथ धाम के कपाट बुधवार को विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए हैं। प्रातः 8 बजे शुभ मुहूर्त में कपाट खुलते ही पूरा धाम ह्रहर-हर महादेवह्व और ह्रजय श्री केदारह्व के उद्घोष से गूंज उठा। धाम में पहली पूजा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम से की गई। इस पावन अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी उपस्थित रहे। उन्होंने बाबा केदारनाथ के दर्शन कर प्रदेश एवं देश की सुख, समृद्धि और शांति की कामना की। सिख रेजीमेंट के बैंड की भक्तिमय धुनों के बीच कपाट उद्घाटन का यह दिव्य क्षण और भी अलौकिक बन गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने समस्त देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि केदारनाथ धाम न केवल सनातन धर्मावलंबियों की आस्था का प्रमुख केंद्र है, बल्कि यह भारत की समृद्ध आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा हर वर्ष नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है और इस वर्ष भी बाबा केदार के आशीर्वाद से यात्रा ऐतिहासिक होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा चारधाम यात्रा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं सुगम बनाने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने सभी उत्तराखंडवासियों से देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के प्रति सेवा और आतिथ्य भाव बनाए रखने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बाबा केदारनाथ का अनन्य भक्त बताते हुए कहा कि वर्ष 2013 की आपदा के बाद उनके मार्गदर्शन में केदारनाथ धाम का भव्य एवं दिव्य पुनर्निर्माण हुआ है, जो आज विश्वभर के श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रहा है। इस अवसर पर श्रीमती गीता धामी, बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी, विधायक केदारनाथ आशा नौटियाल, जिला पंचायत अध्यक्ष रूद्रप्रयाग पूनम कठैत, ब्लॉक प्रमुख ऊखीमठ पंकज शुक्ला, जिला पंचायत सदस्य अमित मैखंडी, पूर्व जिलाध्यक्ष महावीर पंवार, तीर्थ पुरोहित उमेश चंद्र पोस्ती, जिलाधिकारी रूद्रप्रयाग/मुख्य कार्याधिकारी बीकेटीसी विशाल मिश्रा, पुलिस अधीक्षक नीहारिका तोमर, सहित बड़ी संख्या में तीर्थ पुरोहितगण, हकहकूकधारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

फूलों से सजा बाबा केदार का धाम

भगवान केदारनाथ की पंचमुखी उत्सव डोली शीतकालीन गद्दीस्थल श्री ओंकारेश्वर मंदिर, ऊखीमठ से गुप्तकाशी, फाटा और गौरीकुंड होते हुए मंगलवार शाम ही धाम पहुंच चुकी थी। इसी क्रम में कपाट खुलने की प्रक्रिया बुधवार को प्रातः 5 बजे से प्रारंभ हुई। इसके बाद प्रातः 8 बजे रावल भीमाशंकर लिंग, पुजारी टी गंगाधर, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, विधायक केदारनाथ आशा नौटियाल, तीर्थ पुरोहित उमेश चंद्र पोस्ती सहित धर्माचार्यों एवं वेदपाठियों ने मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश कर विधिवत पूजा-अर्चना की। देव आवाहन एवं लोककल्याण के संकल्प के साथ ठीक 8 बजे कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। कपाट उद्घाटन के अवसर पर श्री केदारनाथ मंदिर को 51 क्विंटल से अधिक फूलों से भव्य स्वरूप से सजाया गया। कपाट खुलते ही हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई, जिससे श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे।

पाकिस्तान तो फेल रहा भारत कर दिखाएगा

राजनाथ सिंह ने दिए ईरान-यूएस के बीच मध्यस्थता के संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच 28 फरवरी से तनाव की स्थिति बनी हुई है। कई दिनों तक हुए हमलों के बाद दोनों देशों के बीच सीजफायर हुआ, लेकिन अभी तक शांति स्थापित नहीं हो सकी है। दोनों देश अपनी-अपनी शर्तों पर अड़े हुए हैं। पाकिस्तान ने इस मध्यस्थता की कोशिश की है, लेकिन वह अभी तक पूर्ण रूप से सफल नहीं हो सका है। इस सबके बीच भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बर्लिन में एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कल ऐसा समय भी आ सकता है जब भारत अपनी भूमिका निभाए और इसमें सफलता भी हासिल करे। राजनाथ सिंह के इस बयान के बाद से भारत के द्वारा मध्यस्थता की अटकलें तेज हो गई हैं। ईरान और अमेरिका के रिश्तों परराजनाथ सिंह ने कहा,भारत ने कोशिश की है, लेकिन हर चीज का एक समय होता है। हो सकता है कि कल ऐसा समय आए जब भारत इसमें अपनी भूमिका निभाए और सफलता भी हासिल करे।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर भी राजनाथ ने रखी बात

राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में व्यवधान कोई दूर की घटना नहीं बल्कि यह एक कड़वी सच्चाई है जिसका भारत की सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता पर सीधा असर पड़ता है। उन्होंने जर्मनी की तीन दिवसीय यात्रा के पहले दिन रक्षा एवं सुरक्षा संबंधी संसदीय स्थायी समिति को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि आज दुनिया नए सुरक्षा खतरों का सामना कर रही है और तकनीकी परिवर्तन ने स्थिति को बेहद जटिल एवं परस्पर संबंधित बना दिया है। बदलते परिवेश के अनुकूल ढलने की तत्परता के साथ एक नए दृष्टिकोण की आवश्यकता है। आपको बता दें कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की जर्मनी यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब पश्चिम एशिया में 50 दिनों से अधिक समय से संघर्ष जारी है और इसके वैश्विक परिणाम सामने आ रहे हैं।

दंतेवाड़ा में आदिवासी बच्चों से मिले सचिन तेंदुलकर

● कहा- बस्तर में डायमंड बहुत, सही पॉलिश की जरूरत

जगदलपुर/दंतेवाड़ा (एजेंसी)। सचिन तेंदुलकर बुधवार को छत्तीसगढ़ दौरे पर हैं। वे प्राइवेट जेट से अपने परिवार के साथ जगदलपुर एयरपोर्ट पर उतरे। यहां से वे सीधे दंतेवाड़ा के छिंदनार पहुंचे, जहां सिहाड़ी बीज से बनी माला से उनका स्वागत हुआ। इस दौरान उन्होंने आदिवासी बच्चों से मुलाकात की। सचिन तेंदुलकर ने कहा कि, बस्तर में 50 स्कूल मैदानों को विकसित किया जाएगा, जहां बच्चों को बेहतर खेल सुविधाएं मिलेंगी। 'मैदान कप' प्रतियोगिता के जरिए हजारों बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच मिलेगा। इस पहल को मांदेशी और सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन का सहयोग मिल रहा है। करीब 5 हजार से ज्यादा बच्चों को इस अभियान से सीधा लाभ मिलेगा। कबड्डी, खो-खो, एथलेटिक्स और वॉलीबॉल जैसे खेलों के जरिए बस्तर के युवाओं को नई पहचान देने की तैयारी है। उन्होंने कहा कि बस्तर में डायमंड बहुत है बस सही तरीके से पॉलिश की जरुरत है। वहीं, कार्यक्रम के लिए स्कूली बच्चे सुबह 9 बजे से पहुंच गए थे।

अच्छे इंसान बनो ताकि लोग आपको याद रखें:सचिन

कार्यक्रम में सचिन तेंदुलकर ने कहा कि हमें पता चला कि बस्तर में बच्चों के लिए ग्राउंड ही नहीं है। मेरी जिंदगी की शुरुआत मैदान से हुई थी। मैं बच्चों को देखता हूं जैसे मेरी जर्नी स्टार्ट हुई, हम मैदान में जाते हैं अच्छे कोच की जरूरत होती है। हमने सोचा था कि हम अपने कोच को यहां भेजेंगे ताकि वे 100 टीचर्स को ट्रेनिंग दें। यहां डायमंड बहुत हैं, बस सही तरीके से पॉलिश करना जरूरी है। यही उम्र है खेलने कूदने की। यही उम्र है दोस्त बनाने की।

बंगाल की पहचान काबा नहीं मां काली से है

योगी बोले-ममता दीदी को रामनाम से चिढ़ है

● कोलकाता के मेयर कहते हैं-यहां तो उर्दू चलेगी

लखनऊ (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सीएम योगी ने कहा- जब भारत आजाद हुआ तो तब पूरा देश रोजगार के लिए बंगाल आता था। उसके बाद पहले कांग्रेस ने लूटा, फिर कम्युनिस्टों ने नोचा, अब 15 साल से टीएमसी कंगाल कर रही है। सीएम ने कहा- बुआ-भतीजा मिलकर बंगाल के अस्तित्व को खत्म करना चाहते हैं। कोलकाता का मेयर कहता है यहां उर्दू चलेगी। मैं कहता हूं कोई माई का लाल बंगाली अस्मिता के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता। बंगाल की पहचान काबा से नहीं मां काली बाड़ी से है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को

पश्चिम बंगाल की जोरासांको और चकदहा विधानसभा सीट पर चुनावी रैली की। भाजपा प्रत्याशियों को जिताने की अपील करते हुए सीएम योगी ने ममता सरकार पर जमकर निशाना साधा। रैली में एक बच्चा पोस्टर लेकर पहुंचा था जिस पर लिखा था- योगी जी बुलडोजर लाओ, हम तुम्हारे साथ हैं। सीएम योगी ने कहा- बंगाल में धड़ल्ले से गोहत्या होती है।

बुलडोजर माफिया-गुंडों की हड्डियों का हाईवे बना देता

सीएम योगी ने कहा- यूपी में माफिया और गुंडा सिर उठाता है तो बुलडोजर उनकी हड्डी-पसली को हाईवे बनाने में उपयोग करता है। कांग्रेस और सपा के समय जो गुंडों ने सरकारी संपत्ति पर कब्जा किए उसमें गरीब की भूमि गरीब को दी। सरकार की जमीन सरकार के पास आई और उनकी खुद की कमाई से अर्जित जमीन पर गरीबों के लिए घर बन रहे हैं। काशी, प्रयागराज में पूरी दुनिया आ रही है। ये तभी होता है जब भाजपा की डबल इंजन की सरकार होती है। हमने अयोध्या-काशी को संवारा है और बंगाल में गुरुदेव रविंद्र की पैतृक संपत्ति पर टीएमसी का कब्जा है।

रिजल्ट आते ही बंगाल फिर सोनार बांग्ला बनेगा

सीएम योगी ने कहा- यूपी में कब्जा नहीं होता। वहां गुंडा जानता है कि अगर कब्जा किया तो सरकार उनकी 7 पुश्तों की जमीन निकालकर गरीबों के लिए घर बनवा देगी। मैं जानता हूं 4 मई को जब रिजल्ट आएगा तो बंगाल सोनार बांग्ला बनके अपनी अस्मिता को पहचानेगा। उन्होंने कहा- हमें बंगाल की अस्मिता को बचाना। अभी जो कठमुल्लापन को बढ़ावा दिया जा रहा है, उसे हर हाल में रोकना होगा। इसके लिए भारत के लोकतंत्र ने जो ताकत दी है उसका इस्तेमाल कीजिए। सीएम योगी ने नादिया जिले की चकदहा सीट पर रैली की। वहां उन्होंने कहा- में बंगाल में आज उपद्रव का माहौल है। ममता दीदी दुर्गा पूजा नहीं होने देती। उत्सव से पहले कर्फ्यू लग जाता है। जिस बंगाल ने भारत को राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत दिया। रविंद्रनाथ ठाकुर की पैतृक संपत्ति पर टीएमसी के गुंडों ने कब्जा कर लिया। वहां ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी का फोटो लगा दिया। न बेटी सुरक्षित है, न बहन सुरक्षित है, न किसान-व्यापारी सुरक्षित है। इससे भी बुरा हाल 2017 से पहले यूपी का था। फिर यूपी की जनता ने भाजपा की डबल इंजन की सरकार बनाने में योगदान दिया। उसके बाद यूपी में 9 साल से कोई दंगा नहीं हुआ। नो कर्फ्यू नो दंगा, यूपी में है सब चंगा।

3 राज्यों में कितनी सीट पाएगी कांग्रेस, अमित शाह ने बताया!

गृहमंत्री की बड़ी भविष्यवाणी, एक में तो जीरो का अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार करते हुए अमित शाह ने कांग्रेस को लेकर भी बड़ी भविष्यवाणी कर दी है। बंगाल की सत्ता पर काबिज होने का दावा करने वाली भाजपा के नेता ने कहा कि मैं राहुल गांधी को बताना चाहती हूं कि कांग्रेस यहां खाता भी नहीं खोल पाएगी। दमदम में एक रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि मैं राहुल गांधी को बता दूं कि बंगाल में कांग्रेस का खाता भी नहीं खुल सकेगा। इसके अलावा उन्होंने दो और राज्यों तमिलनाडु और पुदुचेरी को लेकर भी कांग्रेस के बारे में भविष्यवाणी की।

अमित शाह ने कहा कि पुदुचेरी और तमिलनाडु में कांग्रेस का आंकड़ा दहाई तक नहीं पहुंचेगा यानी वह 10 या उससे ज्यादा सीटें नहीं हासिल कर सकेगी। बंगाल के दमदम में अमित शाह ने वोटरों से देश के नाम वोट करने करने की अपील की। उन्होंने कहा कि आप लोग अपना वोट घुसपैठिया मुक्त बंगाल के लिए करें। आप किसी विधायक या फिर भाजपा की सरकार बनाने के लिए मतदान ना करें बल्कि बंगाल को घुसपैठ से फ्री कराने के लिए वोट डालें। इस बीच पश्चिम बंगाल में पहले राउंड की वोटिंग की तैयारियां तेज हो गई हैं। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को मतदान स्थलों पर पहुंचाने की तैयारी चल रही है। इसके अलावा सुरक्षा के दस्ते भी लगातार मतदान स्थलों पर पहुंच रहे हैं। फिलहाल चुनाव में जुड़ा स्टाफ मतदान स्थलों पर पहुंचना शुरू है।

तृतीय केदार तुंगनाथ के कपाट खुले, सैकड़ों श्रद्धालु बनें साक्षी

रुद्रप्रयाग : तृतीय केदार भगवान तुंगनाथ मंदिर के कपाट आज बुधवार को तय मुहूर्त पर श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। कपाटोद्घाटन के साढ़े सात सौ से अधिक श्रद्धालु साक्षी बने। इस मौके पर मंदिर को करीब आठ कुंतल फूलों से भव्य रूप से सजाया गया। भगवान तुंगनाथ की चल उत्सव विग्रह डोली अपने अंतिम रात्रि प्रवास चोपता से बुधवार सुबह नौ बजे धाम के लिए रवाना हुई। साढ़े तीन किलोमीटर की खड़ी चढ़ाई तय करते हुए डोली साढ़े दस बजे मंदिर परिसर पहुंची। इस दौरान बाबा भोलेनाथ के जयकारों के बीच श्रद्धालुओं ने डोली का स्वागत कर आशीर्वाद लिया। वहीं मंदिर की परिक्रमा के बाद डोली को पार्वती मंदिर में विराजमान किया गया। इसके बाद मक्कू के हक-हकूकधारी ब्राह्मणों ने भोग मूर्तियों को उतारकर गर्भगृह में विधिवत पूजा-अर्चना की। परंपरा के अनुसार स्वयंभू लिंग को पुष्प और अक्षत अर्पित कर जागृत किया गया। मंदिर के मठाधीश राम प्रसाद मैठाणी ने पूजा संपन्न कराई, जिसके बाद श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक कर बाबा तुंगनाथ का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर पूर्व विधायक मनोज रावत, जिला पंचायत सदस्य प्रीति पुष्पवाण, डोली प्रभारी प्रकाश पुरोहित, आचार्य लंबोदर प्रसाद मैठाणी, नव निर्वाचित मठाधीश मुकेश मैठाणी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। (एजेंसी)

ये है भारत की ताकत!

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर गरजे जगुआर और सुखोई

सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर फिर भारतीय वायु सेना के विमान गरते। एयरफोर्स के फाइटर विमानों ने पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर विमान की टेकऑफ और लैंडिंग का अभ्यास किया। यह अभ्यास युद्ध या राष्ट्रीय आपातकाल जैसी परिस्थितियों में एक्सप्रेस वे को वैकल्पिक रनवे के रूप में इस्तेमाल करने की क्षमता को परखने के लिए आयोजित किया गया। दोपहर बाद एयर शो की शुरुआत हुई। इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे। एयर शो को लेकर मंगलवार को ही देश की

सेना के जांबाज और फाइटर प्लेन सुल्तानपुर आए। वहीं, बुधवार को जगुआर, सुखोई, एमआई 17वी-5 और तेजस की गड़गड़ाहट से पूरा इलाका गूंज उठा। पड़ोसी मुल्क के पाकिस्तान के तो होश ही इस एयर शो से उड़ने तय हैं। दरअसल, पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान में अभी डीजल-पेट्रोल की बढ़ती कीमतों को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। लोगों को जरूरी कामों के लिए बाहर जाने में परेशानी हो रही है। ऑफिसों को वर्क फ्रॉम होम कराया गया है। पाकिस्तान सुपर लीग का आयोजन बिना दर्शकों के हो रहा है।

एयरफोर्स के विमान आए नजर

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर सुल्तानपुर में बनी एयरस्ट्रिप पर सुखोई 30, जैगुआर, मिराज गरजते हुए टच डाउन किया। इसके साथ ही वायुसेना के एमआई 17 हैलीकॉप्टर, ट्रांसपोर्टर सी 295, एएन 32 भी देखने को मिले। सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर बने एयरस्ट्रिप की लंबाई करीब 3.2 किलोमीटर है। यहां एयरस्ट्रिप की सतह की मोटाई लगभग 320 मिलीमीटर है।

मुख्यमंत्री धामी पहुंचे भारत के प्रथम सीमांत गांव माणा, विकास कार्यों का लिया जायजा

चारधाम यात्रा को सुरक्षित, स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त बनाने की अपील

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को भारत के प्रथम सीमांत गांव माणा पहुंचकर क्षेत्र का भ्रमण किया तथा वहां आए श्रद्धालुओं एवं स्थानीय जनता से आत्मीय संवाद किया। इस अवसर पर उन्होंने चारधाम यात्रा को सुरक्षित, सुखद एवं प्लास्टिक मुक्त हरित यात्रा बनाने की अपील करते हुए सभी से पर्यावरण संरक्षण में सहयोग देने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री के आगमन पर माणा गांव की महिलाओं ने पारंपरिक मांगलगीत गाकर एवं स्थानीय उत्पाद भेंट कर उनका भव्य स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने इस आत्मीय स्वागत के लिए ग्रामीण महिलाओं का आभार व्यक्त किया और उनकी परंपराओं एवं संस्कृति की सराहना की। माणा गांव आज महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और सीमांत क्षेत्र के समग्र विकास का एक उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरा है, जहां सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और स्थानीय महिलाओं के परिश्रम ने विकास की एक नई मिसाल प्रस्तुत की है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने गांव की शत-प्रतिशत ह्लखपति दीदियोंह्व से मुलाकात कर उनके कार्यों की सराहना की। उन्होंने महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे स्थानीय उत्पादों को गुणवत्तापूर्ण बताते हुए कहा कि ये उत्पाद न केवल स्थानीय आजीविका को सशक्त कर रहे हैं, बल्कि उत्तराखंड की पहचान को भी मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं से अपील की कि वे स्थानीय उत्पादों की खरीद कर क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में सीमांत गांवों के विकास को नई दिशा मिली है और जो गांव पहले ह्लअंतिम गांवह्व कहे जाते थे, उन्हें अब ह्लप्रथम गांवह्व की संज्ञा देकर उनके समग्र विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि वाइब्रेंट विलेज योजना के तहत उत्तराखंड के सीमांत गांवों में आधारभूत सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है, जिससे इन क्षेत्रों में रोजगार, पर्यटन और आजीविका के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। माणा गांव सहित अन्य सीमांत क्षेत्रों में हो रहे विकास कार्य प्रदेश के संतुलित और समावेशी विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

विश्व पृथ्वी दिवस पर झाझरा रेंज में पर्यावरणीय रैली और जन संवाद

देहरादून। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर झाझरा रेंज अंतर्गत खराखेत नमक सत्याग्रह स्थल पर पहाड़ी पेडलर संस्था, संयुक्त नागरिक संगठन और महावीर सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में एक विशाल रैली एवं जन संवाद का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य विषय था झ "पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों में जन सहयोग की भूमिका"। कार्यक्रम में मैती अभियान के प्रणेता पद्मश्री कल्याण सिंह रावत जी की गरिमामय उपस्थिति रही। इस अवसर पर नून नदी की महत्ता पर विशेष चर्चा की गई। खराखेत स्थित नून नदी से जल कलश लेकर देहरादून के गांधी पार्क में महात्मा गांधी की प्रतिमा का जलाभिषेक किया गया, जो पर्यावरण और जल संरक्षण के महत्व का प्रतीकात्मक संदेश था। वन क्षेत्राधिकारी झाझरा रेंज सोनल पनेरू ने अपने वक्तव्य में पर्यावरण की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए वनाग्नि काल के दौरान वनों और वन्यजीवों की सुरक्षा हेतु जन सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा संभव है। इस अवसर पर कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे जिनमें ले. क. श्री बी. एम. थापा, श्री अर्जुन कोहली, श्री सुशील त्यागी, श्री गजेंद्र रमोला, वन दरोगा श्री खेमराज सिंह और वन आरक्षी श्री गोविंदा स्नेह शामिल थे।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेसवे पर अब इलेक्ट्रिक बसें दौड़ाएगा रोडवेज, सफर होगा सस्ता और हाईटेक

देहरादून। उत्तराखंड परिवहन निगम (रोडवेज) दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेसवे पर इलेक्ट्रिक बसों के संचालन की तैयारी में है। प्रदूषण मुक्त और हाईटेक यात्रा को बढ़ावा देने के लिए प्रबंधन की ओर से 25 नई इलेक्ट्रिक बसों की खरीद का प्रस्ताव शासन को भेजा जा रहा है। इस कदम से राजधानी दिल्ली और देहरादून के बीच का सफर न केवल सुगम होगा, बल्कि पर्यावरण के अनुकूल भी बनेगा। एक इलेक्ट्रिक बस फुल चार्ज होने पर लगभग 250 किमी तक की दूरी तय कर सकती है। दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेस–वे के माध्यम से दोनों शहरों के बीच की दूरी घटकर मात्र 210 किमी रह गई है। ऐसे में बसों को बीच रास्ते में चार्ज करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। रोडवेज महाप्रबंधक संचालन क्रांति सिंह ने कहा कि इलेक्ट्रिक बसों के संचालन को लेकर शासन स्तर पर प्रक्रिया गतिमान है। शासन की ओर से इस संबंध में प्रस्ताव मांगा गया था, जिसे निगम ने तैयार कर लिया है और शीघ्र ही शासन को भेजा जाएगा।

परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

देहरादून। परिवहन विभाग में कर चोरी के गंभीर आरोपों पर प्रधानमंत्री कार्यालय और केंद्रीय वित्त मंत्रालय के निर्देशों के बावजूद कार्रवाई न होने पर महानगर सिटी बस सेवा सोसाइटी के अध्यक्ष विजय वर्धन डंडरियाल ने रोष जताया है। आरोप लगाया कि विभाग जांच की फाइल को 'फुटबॉल' की तरह इधर–उधर घुमा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब मामला मुख्य सचिव और लोकायुक्त के स्तर का है, तो उसे आरटीओ जैसे निचले स्तर के अधिकारियों को क्यों सौंपा जा रहा है? पीएमओ और वित्त मंत्रालय के स्पष्ट आदेशों के बावजूद विभाग जांच को लटकाने का काम कर रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ, तो वह उच्च न्यायालय की शरण लेने को बाध्य होंगे।

दूरसंचार नेटवर्क खराब रहने पर डीएम ने 30 अप्रैल तक मांगी रिपोर्ट

नई टिहरी। जिले के दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क एवं कनेक्टिविटी की समस्या को गंभीरता से लेते हुए डीएम नितिका खंडेलवाल ने कड़ा आक्रोश जताया है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में डीएम ने दूरसंचार सेवाओं की स्थिति पर नाराजगी जताते हुए बीएसएनएल के अधिकारियों को 30 अप्रैल तक विस्तृत रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि दूरसंचार व्यवस्था का सुदृढ़ होना आपदा प्रबंधन, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के साथ–साथ समग्र विकास के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जहां नए मोबाइल टावरों की आवश्यकता है वहां प्रस्ताव तैयार कर अगली बैठक में प्रस्तुत किए करें। बैठक में सेंदुल केमरा के प्रधान अमित जोशी, सेमल्थ के अमित गौड़, पिनस्वाड़ के दिनेश बिष्ट, अनुसूया देवी, कुसुम नौटियाल, धर्म सिंह जखेड़ी, सुरेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

धरती बचाओ का दिया संदेश

देहरादून। संस्कार भारती महानगर ईकाई देहरादून और स्व. हरबंस कपूर मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से बुधवार को श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल पटेलनगर में भू अलंकरण दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें छात्राओं ने रंगोली और चित्रकला, नुक्कड़ नाटक के माध्यम से धरती बचाओ का संदेश दिया। अध्यक्ष तनवीर सिंह ने सभी का स्वागत किया। संचालन महामंत्री कुलदीप विनायक ने किया। कार्यक्रम में कैंट विधायक सविता कपूर, प्राचार्य डीबीएस पीजी कॉलेज डॉ ओपी कुलश्रेष्ठ ने शिरकत की। प्रतियोगिताओं के विजेतओं को सम्मानित किया गया।

कैंट विधायक ने किया सौंदर्यकरण कार्य का निरीक्षण

देहरादून। कैंट विधायक सविता कपूर ने बुधवार को वार्ड 33 कुम्हार मंडी स्थित शिव पार्वती मंदिर के सौंदर्यकरण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान मंदिर परिसर को और अधिक सुंदर एवं सुव्यवस्थित बनाने के लिए चल रहे कार्यों की प्रगति को देखा। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्य निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से किया जाए, ताकि श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। इन स्थलों के सौंदर्यीकरण से न केवल श्रद्धालुओं को सुविधा मिलेगी, बल्कि आसपास का वातावरण भी स्वच्छ, आकर्षक एवं सकारात्मक बनेगा।

दून गर्ल्स स्कूल में म्यूजिक ऑफ स्फीयर्स का किया आयोजन

देहरादून। द दून गर्ल्स स्कूल में बुधवार को म्यूजिक ऑफ स्फीयर्स के 8वें संस्करण का सफल आयोजन किया गया। यह अंतर्विद्यालयी संगीत कार्यक्रम संगीत की सार्वभौमिक भाषा और उसकी दिलों को जोड़ने की क्षमता का उत्सव था। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों और सहभागी विद्यालयों के स्वागत के साथ हुई। इसके बाद दून गर्ल्स स्कूल की ओर से एक विशेष प्रस्तुति दी गई। पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर रहने के महत्व को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम में ज्योति स्कूल, रोजमाउंट स्कूल, कैम्ब्रियन हॉल स्कूल, दून प्रेसीडेंसी स्कूल, द माउंटेसरी स्कूल और कर्नल ब्राउन ने भाग लिया।

दून में तेल, मावा, पनीर से लेकर सूजी और रस्क तक में मिलावट, कोर्ट ने ठोका जुर्माना

देहरादून। एडीएम केके मिश्रा की कोर्ट ने मिलावटखोरों और खाद्य पदार्थों के अधोमानक मिलने पर जुर्माने की कार्रवाई की है। एडीएम कोर्ट ने कच्ची घनी तेल, लूज मावा–पनीर, सूजी और केक रस्क के सैंपल की रिपोर्ट के आधार पर विक्रेताओं, सामग्री निर्माण करने वाली कंपनियों पर जुर्माना लगाया है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने 2020, 2021, 2023 में देहरादून शहर, विकासनगर, ऋषिकेश में छापेमारी कर खाद्य पदार्थों के सैंपल भरे थे। केस वन– हेल्थ मार्क सूजी का सैंपल भरा था, अधोमानक था सैंपल18 मार्च को वरिष्ठ बाद्य सुरक्षा अधिकारी तहसील ऋषिकेश ने मैसर्स मोन्स ग्रोसरी मार्ट श्यामपुर ऋषिकेश से हेल्थ मार्क सूजी का सैंपल भरा था।इसे जांच के लिए रुद्रपुर लेबोरेटरीभेजा गया। सैंपल की रिपोर्ट के अनुसार 22 जून 2021 को उत्पाद को अधोमानक घोषित किया गया। वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी की आख्या के आधार पर वाद दायर किया गया। एडीएम कोर्ट ने सरकार बनाम नितेश पुत्र प्रमोद सिंह रंगधार मैसर्स मोमस ग्रोसरी मार्ट श्यामपुर ऋषिकेश, मै. अंश ट्रेडर्स गली नं–08 मालविया नगर हरिद्वार रोड दुर्गा मंदिर ऋषिकेश, प्रोसेस्ड एवं पैक्ड द्वारा कन्जयूमर मार्ट इंडस्ट्रियल एरिया भटोलीकलां तहसील बड्डी जिला सोलन हिमाचल प्रदेश पर खाद्य सुरक्षा अधिनियम दर्ज कर पक्षकारों को नोटिस जारी कियागया। एडीएम कोर्ट ने विपक्षी संख्या एक पर 5,000/, विपक्षी संख्या–02 पर 10,000 और विपक्षी संख्या–03 पर 15,000 का जुर्माना लगाया गया।केस टू– मैसर्स गैलोड एक्सप्रेस का केक रस्क का सैंपल मिथ्या छाप था06 जनवरी 2023 की वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी ग्रामीण देहरादून ने मैसर्स गैलोड एक्सप्रेस दिलदार सिंह पुत्र बलदेव सिंह पलटन बाजार से केक रस्क का सैंपल लिया था। सैंपल को जांच के लिए रुद्रपुर भेजा गया। 28 जनवरी 2023 को आई रिपोर्ट में इसे मिथ्याछाप घोषित किया गया। वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी की आख्या के आधार पर वाद सरकार बनाम मैसर्स गैलोड एक्सप्रेस व 51 खाद्य सुरक्षा अधिनियम दर्ज किया गया। पक्षकारों को कोर्ट में उपस्थित होने के लिए नोटिस जारी किया गया। 11 फरवरी को एडीएम कोर्ट ने विपक्षी पर 10,000 हजार रुपये का जुर्माना लगाया।केस थ्री–तेज कच्ची घनी मस्टर्ड ऑयल का नमूना मिला था अधोमानक2 दिसंबर 2020 को वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी विकासनगर ने मैसर्स गृह संग्रह 13 तेग बहादुर रोड से तेज कच्ची घनी मस्टर्ड ऑयल का नमूना लिया था। इस सैंपल को रुद्रपुर लेबोरेटरी भेजा गया। 23 जुलाई को मिली रिपोर्ट में अधोमानक घोषित किया गया। वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी की आख्या के आधार पर वाद सरकार बनाम मै. गृह संग्रह 13 तेग बहादुर रोड अजय गांधी पुत्र वीके गांधी निवास 86 तेग बहादुर रोड, सप्लायर मै. श्री बालाजी एजेन्सीज 79 रीठा मंडी, निर्माण मै. रिकॉल ऑयल इंडस्ट्रीज प्रा.लिमि. 05 चूनावाला एस्टेट कोंडविट्टा रोड जीबी नगर अन्धेरी ईस्ट मुम्बई, निर्माण यूनिट मै. रिकॉन ऑयल इंडस्ट्रीज प्रा.लिमि. प्लॉट 20 निवाई टॉक राजस्थान दर्ज किया गया।

12 घंटे में साधु की हत्या का खुलासा, नेपाली युवक गिरफ्तार

हरिद्वार(। कोतवाली नगर क्षेत्र में साधु की हत्या का पुलिस ने महज 12 घंटे के भीतर ही खुलासा कर नेपाल के आरोपी दीपक थापा (43) को गिरफ्तार कर लिया है। हमलावर ने बाबा के सिर पर डंडे और पत्थर से वार कर मौत के घाट उतार दिया था। मंगलवार को नगर कोतवाली क्षेत्र के रोड़ीबेलवाला स्थित दीनदयाल पार्किंग के पास बाबा पर हमले की सूचना मिली थी। पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची तो वहां करीब 40 से 45 वर्षीय अज्ञात बाबा गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़े थे। उनके सिर और माथे पर गहरी चोटें थीं। पुलिस ने उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था। इसके बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विक्रम भुल्लर के निर्देश पर मामले की जांच तेज करते हुए पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया और फोरेंसिक टीम से साक्ष्य जुटाए।

सुबह के समय गुरुद्वारा चौक पर जाम, स्कूली बच्चे जाम में फंस रहे

देहरादून। पर्यटन नगरी में सीजन शुरू होते ही जाम की समस्या से लोग परेशान हैं। लंढौर क्षेत्र में सुबह के समय सप्लाई वाले वाहनों से जाम लग जाता है। इससे स्कूली बच्चों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है व उन्हें जाम लग जाने के कारण स्कूल पहुंचने में देरी हो जाती है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि मसूरी में स्कूली बच्चों के जाने का समय सुबह साढ़े सात बजे से सवा आठ बजे तक होता है। बच्चे वाहनों से स्कूल जाते हैं। लेकिन उसी समय टिहरी की ओर से दूध सब्जी लाने वाले वाहनों व देहरादून से दूध व अन्य सामान लाने वाले वाहनों के आमने सामने आ जाने से जाम लग जाता है। स्कूली बच्चों के वाहन इस जाम में फंस जाते है। कई बार तो आपस में विवाद हो जाता है व अभद्रता की जाती है। ऐसे में स्कूली बच्चों को जहां स्कूल जाने में देरी होती है। स्थानीय निवासी व शिक्षक परविंद रावत ने बताया कि सुबह के समय लंढौर क्षेत्र से करीब दो सौ बच्चे स्कूल विभिन्न वाहनों के माध्यम से जाते हैं, लेकिन वहां पर सप्लाई वाहनों के गलत तरीके से खड़ा करने से स्कूली बच्चों के वाहन जाम में फंस जाते हैं। आपसी झगड़े के चलते बच्चों पर बुरा प्रभाव पड़ता है व कभी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। उन्होंने कहा कि इस समय पर यहां पर पुलिस की कोई व्यवस्था नहीं होती जिसके कारण परेशानी बढ़ जाती है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी ध्यान देना चाहिए व सुबह के समय स्कूल के बच्चों को हो रही परेशानी से निजात दिलाने के लिए पुलिस का प्रबंध किया जाना चाहिए। मसूरी कोतवाल देवेंद्र चौहान ने कहा कि पुलिस की कमी के कारण व्यवस्था बनाने में परेशानी हो रही है लेकिन उसके बावजूद सुबह के समय एक पुलिसकर्मी को वहां पर तैनात किया जाएगा।

युवक ने विषाक्त पदार्थ खाकर दी जान

विकासनगर। विकासनगर क्षेत्र के डाक्टरगंज निवासी एक युवक ने बुधवार को विषाक्त पदार्थ खाकर जान दे दी। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। कोतवाल राजीव रौथाण ने बताया कि बुधवार को उप जिला चिकित्सालय से नरेश 25 वर्ष पुत्र चेतरात निवासी डॉक्टरगंज पुल नंबर एक का डेथ मैमो प्राप्त हुआ। जिसके बाद चौकी प्रभारी बाजार ने अस्पताल पहुंचकर शव को कब्जे मे लिया। बताया कि पूछताछ करने पर परिजनों और आसपास के लोगों ने बताया कि मृतक नरेश 25 वर्ष पुत्र चेतरात निवासी डॉक्टरगंज पुल नंबर एक भगानी हिमाचल में एक कंपनी में काम करता था। वह आज घर से नाराज होकर सुबह नौ बजे घर से कंपनी के लिए निकला था।

पृथ्वी को हरा भरा रखने का लिया संकल्प

ऋषिकेश। तीर्थनगरी और आसपास के क्षेत्रों में बुधवार को पृथ्वी दिवस धूमधाम से मनाया गया। पृथ्वी दिवस पर विभिन्न संगठनों ने कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें पौधरोपण के जरिए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया और पृथ्वी को हरा भरा बनाए रखने का संकल्प लिया गया। ढालवाला स्थित ऋषिकेश इंटरनेशनल स्कूल में पृथ्वी दिवस के उपलक्ष में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें शिक्षकों और छात्र छात्राओं ने मिलकर विद्यालय परिसर में पौधे रोपे। विद्यालय सचिव कैप्टन सुमंत डंग ने कहा कि बिन अर्थ, सब व्यर्थ। यह सम्पूर्ण जीवन का शाश्वत सत्य है। यदि पृथ्वी न हो, तो न जीवन होगा, न जल होगा, न वायु होगी, न अन्न होगा और न ही यह सुंदर संसार होगा। हमारी हर सांस, हर धड़कन, हर आशा और हर भविष्य पृथ्वी पर ही आधारित है। इसलिए पृथ्वी का संरक्षण केवल पर्यावरण की बात नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। इस दौरान कला, फेंस पेंटिंग आदि प्रतियोगिताएं भी हुई। मौके पर विद्यालय प्रबंधक मोहन डंग, पूजा डंग, महिमा डंग, प्रधानाचार्य बिंदु शर्मा, आरती कुरियाल, ज्योति कोठियाल, दीपा शर्मा आदि उपस्थित रहे।

स्वच्छता कर्मियों के हितों की रक्षा हमारी प्राथमिकता: मकवान

देहरादून। उपाध्यक्ष राज्य सफाई कर्मचारी आयोग भगवत प्रसाद मकवाना ने बुधवार को आपदा निवारण एवं प्रबंधन केंद्र (डीएमएमसी) सभागार, सचिवालय में स्वच्छता कर्मचारियों की समस्याओं पर चर्चा कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिये। उन्होंने स्वच्छता कर्मचारियों के जोखिम भरे कार्य को देखते हुए उनके बीमा कवर को 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये किए जाने के साथ ही स्वच्छता कर्मचारियों का वेतन उपनल एवं पीआरडी कर्मचारियों के समान सुनिश्चित किये जाने पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि स्वच्छता कर्मचारी समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, उनके हितों की रक्षा एवं सुविधाओं पर ध्यान देना हमारी प्राथमिकता है। उपाध्यक्ष मकवाना ने शासनादेश के अनुसार निकायों में कार्यरत मोहल्ला स्वच्छता समिति के कर्मचारियों के नियमितीकरण तथा स्वच्छता कर्मचारियों को भी श्रम विभाग के अंतर्गत टूल्स के माध्यम से कार्य करने वाले कर्मचारियों की भांति कुशल एवं अर्ध–कुशल श्रेणी में रखे जाने का प्रस्ताव तैयार किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने मैन्युअल स्कैवेंजिंग से जुड़े कर्मचारियों के सर्वेक्षण को पारदर्शिता एवं गंभीरता के साथ कराये जाने की भी बात कही। उन्होंने सीवर लाइन की सफाई के लिए रोबोटिक तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देने हेतु जल संस्थान को रोबोट का प्रदर्शन (डेमो) कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने नगर निगम देहरादून द्वारा 715 आउटसोर्स कर्मचारियों के संबंध में शासन को भेजे गए प्रस्ताव पर शीघ्र स्वीकृति हेतु अनुरोध किये जाने तथा स्वच्छता कर्मचारियों के एक लाख रुपये तक के ऋण माफी के संबंध में भी कार्यवाही करने को कहा। उपनल कर्मचारियों के लिए ह्लसमान कार्य के लिए समान वेतन के आदेशों के अनुपालन के संबंध में उपाध्यक्ष मकवाना ने मेडिकल कॉलेज एवं दून अस्पताल के उपनल कर्मचारियों को शीघ्र लाभ प्रदान करने के निर्देश दिए।

जाम से निपटने को स्कूलों की छुट्टी का समय बदलने की मांग

देहरादून। शहर के ब्रह्मपुरी वार्ड नंबर 74 के पार्षद सतीश कश्यप ने छात्रों की सुरक्षा, ट्रैफिक जाम और कानून व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति को लेकर जिला प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने डीएम को पत्र भेजकर क्षेत्र के दो प्रमुख स्कूलों की छुट्टी का समय अलग–अलग करने की मांग उठाई है। पार्षद के अनुसार एसजीआरआर पब्लिक स्कूल पटेलनगर और जीआरडी एकेडमी की छुट्टी दोपहर में एक साथ होती है। जिससे सहारनपुर रोड में लालपुल के आासपास काफी जाम लग जाता है। कई बार लोगों को एक घंटे तक जाम में फंसे रहना पड़ता है, जिससे आमजन, अभिभावकों और राहगीरों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है।उन्होंने पत्र में यह भी कहा कि छुट्टी के दौरान दोनों स्कूलों के छात्रों की भीड़ एक साथ निकलने से कई बार आपसी झगड़े और समूहों में मारपीट जैसी घटनाएं सामने आती हैं। इससे क्षेत्र में कानून व्यवस्था की स्थिति भी प्रभावित हो रही है।सबसे गंभीर चिंता छात्राओं की सुरक्षा को लेकर जताई गई है। पार्षद ने कहा कि भीड़भाड़ और अव्यवस्था के कारण छेड़छाड़ और उत्पीड़न जैसी घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।पार्षद सतीश कश्यप ने प्रशासन से मांग की है कि दोनों स्कूलों की छुट्टी के समय में कम से कम 30 मिनट का अंतर तय किया जाए।

रंगाई–पुताई के बाद भी गोजियाणा का हैंडपंप बेकार

नई टिहरी। भिलंगना ब्लॉक के कोटी फैगुल क्षेत्र के गोजियाणा गांव में एक हैंडपंप लंबे समय से खराब पड़ा है। हाल ही में विभाग ने इसकी रंगाई–पुताई कर इसे बाहर से चकाचक कर दिया। हालांकि, इसे ठीक करने का कोई प्रयास नहीं किया गया जिससे यह केवल एक मात्र सजावट की वस्तु बनकर रह गया है। गोजियाणा के समीप टिहरी–घनसाली–ढुंगमंदार सड़क किनारे स्थित यह खराब हैंडपंप ग्रामीणों और राहगीरों को परेशान कर रहा है। बाहर से चमचमाता दिखने वाला यह हैंडपंप पीने के पानी की सुविधा प्रदान नहीं कर पा रहा है। स्थानीय निवासी जयप्रकाश कंसवाल के अनुसार, तिराहे पर होने के कारण दिनभर लोग वाहनों का इंतजार करते हैं। गांव के अधिकांश परिवार भी पीने के लिए इसी हैंडपंप पर निर्भर थे। हैंडपंप खराब होने से ग्रामीणों और यात्रियों को गंभीर पेयजल समस्या का सामना करना पड़ रहा है। गांव में जल जीवन मिशन के तहत पेयजल लाइन बिछी है, लेकिन उसमें पर्याप्त पानी नहीं आता। योजना ग्राम सभा को हस्तांतरित होने के बाद विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। शिकायतें करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। गर्मी के मौसम में लोग पेयजल स्रोतों से पानी ढोने को मजबूर हैं। पेयजल संकट के कारणः हैंडपंप की मरम्मत न होना मुख्य समस्या है, जबकि इसे बाहर से सुंदर बना दिया गया है।

जल जीवन मिशन के तहत बिछाई गई पेयजल लाइन में भी पर्याप्त पानी की आपूर्ति नहीं हो रही है। पेयजल योजना के ग्राम सभा को हस्तांतरित होने के बाद विभाग की उदासीनता भी एक बड़ा कारण है।

केदारनाथ धाम के कपाट खुलते ही ऋषिकेश में रजिस्ट्रेशन को उमड़ी भीड़

ऋषिकेश। गंगोत्री–यमुनोत्री धाम के बाद अब बुधवार को केदारनाथ धाम के कपाट खुलते ही ऋषिकेश में भी ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए यात्रियों की भीड़ उमड़ पड़ी। बाबा के दर्शन के लिए तड़के से ही यात्री रजिस्ट्रेशन के लिए काउंटरों पर जुटे दिखे। सुबह से लेकर शाम तक आस्थापथ पर रवाना होने से पूर्व 3,456 यात्रियों ने पंजीकरण कराया। चारधाम ट्रांजिट केंद्र में 24 काउंटर तड़के से लेकर सुबह आठ बजे यात्रियों की कतारों से फुल दिखे। महाराष्ट्र, यूपी, मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात समेत देश के विभिन्न राज्यों से यात्री ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए पहुंचे। केंद्र में जय बदरी, जय केदार के जयकारों के बीच यात्रियों ने रजिस्ट्रेशन कराकर धामों का रुख किया। यात्रा पर जाने से पूर्व ट्रांजिट केंद्र में ही उनकी हेल्थ स्क्रीनिंग भी की गई।

एक नजर

आज खुलेंगे बदरीनाथ मंदिर के कपाट

चमोली : बदरीनाथ धाम के कपाट बृहस्पतिवार को सुबह सवा छह बजे बैसाख मास शुक्ल पक्ष पुनर्वसु नक्षत्र तथा सर्वार्थ सिद्ध योग में श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे। बुधवार को उद्धव, तेल कलश और आदि गुरु शंकराचार्य की गद्दी बदरीनाथ धाम पहुंच गई जबकि कुबेर की डोली रात्रि प्रवास के लिए बामणी गांव पहुंची। बुधवार को सुबह दस बजे योग मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद देव डोलियां बदरीनाथ धाम के लिए रवाना हुईं। डोलियों के साथ बदरीनाथ के रावल (मुख्य पुजारी) अमरनाथ नंबूदरी, बीकेटीसी उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती, धर्माधिकारी स्वयंबर सेमवाल, वेदपाठी आचार्य रविंद्र भट्ट, नायब रावल सूर्यराग नंबूदरी और कुबेर देवरा समिति के पदाधिकारी भी बदरीनाथ धाम के लिए रवाना हुए। दोपहर बाद कुबेर की डोली बामणी गांव पहुंची। यहां श्रद्धालुओं ने डोलियों का फूल मालाओं से स्वागत किया। महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में बदरीनाथ की स्तुति की। अब बृहस्पतिवार को सुबह बदरीनाथ मंदिर के कपाट खुल जाएंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी भी मौजूद रहेंगे। मुख्यमंत्री बुधवार को ही रात्रि प्रवास के लिए बदरीनाथ पहुंच गए थे। (एजेंसी)

शिविर में संस्थागत प्रसव का महत्व बताया

चमोली : स्वास्थ्य उपकेंद्र ईराणी के ग्राम पंचायत दुर्मी में स्वास्थ्य विभाग की ओर से जन-जागरूकता एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ क्षेत्र पंचायत सदस्य करण सिंह, ग्राम प्रधान दुर्मी माहेश्वरी देवी और ग्राम प्रधान पगना देवकी देवी ने संयुक्त रूप से किया। शिविर का मुख्य उद्देश्य गर्भवती की जांच, खून जांच, स्वास्थ्य स्क्रीनिंग तथा ग्रामीणों को मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना रहा। स्वास्थ्य टीम ने गर्भवती एवं धात्री माताओं, पात्र दंपतियों और महिला मंगल दल के सदस्यों को संस्थागत प्रसव के महत्व की जानकारी दी और घर पर प्रसव से जुड़े जोखिमों के बारे में बताया। इस दौरान 'इजाबोई शगुन' योजना, जननी सुरक्षा योजना और जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम सहित विभिन्न कई योजनाओं की जानकारी दी। शिविर में कुल 86 ओपीडी आईं जिनमें 13 गर्भवती, 8 धात्री माताएं, 25 पात्र दंपती और 42 अन्य मरीज शामिल रहे। उन्हें दवा भी दी गईं। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ ही स्वास्थ्य विभाग की टीम के सदस्य मौजूद रहे। (एजेंसी)

गुजरात के यात्री की हृदय गति रुकने से मौत

रुद्रप्रयाग : केदारनाथ दर्शन के लिए आए गुजरात के एक बुजुर्ग यात्री की तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। हृदय गति रुकने से मौत की आशंका है। बड़ोदरा (गुजरात) निवासी दिलीप भाई मनु माली (69) की बुधवार सुबह केदारनाथ में अचानक तबीयत बिगड़ गई। परिजन उन्हें तुरंत केदारनाथ अस्पताल ले गए जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव हेलिकॉप्टर से गुलाबराय मैदान लाया गया और यहां एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा गया। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि प्राथमिक तौर पर मौत का कारण हृदय गति रुकना बताया गया है। (एजेंसी)

भाजयुमो ने फूंका कांग्रेस का पुतला

रुद्रप्रयाग : नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं और छात्रों ने महाविद्यालय के सामने कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन कर पुतला दहन किया। वहीं भाजयुमो ने कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी कर विरोध जताया। भाजयुमो नगर अध्यक्ष नीरज मलासी ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने वाले इस महत्वपूर्ण विधेयक का विरोध करना कांग्रेस का गलत फैसला है। उन्होंने इसे महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को मजबूत करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया। प्रदर्शन में जिला महामंत्री ऋतिक नौटियाल, सपना गुसाईं, लक्की राणा सहित कई कार्यकर्ता और छात्र मौजूद रहे। (एजेंसी)

कांग्रेस प्रदेश प्रभारी के दौरे से कांग्रेसियों में उत्साह

चमोली : कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी सेलजा के मई माह के प्रथम सप्ताह में सीमांत जिलों में दौरे से पार्टी कार्यकर्ता उत्साहित हैं। कार्यकर्ता सम्मेलन के लिए जिलों में पहुंच रहीं प्रदेश प्रभारी इस दौरान बूथ स्तर तक के कार्यकर्ता से मुलाकात करेंगी। इसके लिए तैयारियों में कांग्रेस के नेता जुटे हैं। कांग्रेस जिलाध्यक्ष चमोली सुरेश डिमरी का कहना कि प्रदेश प्रभारी का दौरान मई प्रथम सप्ताह में प्रस्तावित है। इसमें कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित होना है। सम्मेलन में जिलास्तर से लेकर बूथ स्तर तक के कार्यकर्ता शामिल होंगे। (एजेंसी)

वन विभाग और ग्रामीणों के सहयोग से बंजर भूमि में उगा हरा—भरा जंगल

उत्तरकाशी। मताड़ी गांव में जिस सिविल भूमि पर ग्रामीणों ने पहले चरान चुगान के लिए वनीकरण का प्रस्ताव ठुकराया था वही भूमि आज गांव की पहचान बन गई है। यह प्रयास ग्रामीणों और वन विभाग के सहयोग का परिणाम है। मताड़ी तोक में 3.25 हेक्टेयर भूमि पर लगे बांज, देवदार, कचनार जैसे पौधों से भविष्य में काफी फायदा मिलेगा।वर्ष 2020 में वन प्रभाग ने मातला गांव की बंजर भूमि पर वनीकरण की योजना बनाई। ग्रामीणों ने इसे मवेशियों की चरान चुगान भूमि बताकर प्रस्ताव ठुकराया। वन विभाग ने ग्रामीणों को भविष्य के फायदे समझाकर मनाने में सफलता पाई। फिर मताड़ी तोक में ग्रामीणों की मांग पर फलदार और चारापत्ती के पौधे रोपे गए। वनीकरण भूमि को बंधान घोषित कर एक महिला को चौकीदारी दी गई। महज छह साल में मताड़ी तोक एक लहलहाता छोटा जंगल बन गया है। यह जंगल अब पक्षियों के लिए भी सुरक्षित प्रजनन स्थान बन रहा है। उप प्रभागीय वनाधिकारी साधु लाल पलियाल ने आज पृथ्वी दिवस पर क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि जिस भूमि पर ग्रामीणों ने वनीकरण से मना किया था वह आज गांव की पर्यावरणीय पहचान है। यह सफलता विभाग और ग्रामीणों के आपसी सहयोग से ही संभव हो पाई है।

दुष्कर्म का आरोपित देहरादून से गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोतवाली पुलिस ने एक युवती को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने व धमकी देने वाले आरोपी को देहरादून से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारशुदा आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। युवती ने आरोपी पर गाली गलौच करने का आरोप भी लगाया है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 20 मार्च 2026 को स्थानीय निवासी एक युवती द्वारा कोतवाली में शिकायती प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसमें बताया था कि राहुल कुमार निवासी आमपडाव द्वारा उन्हें शादी का झांसा देकर शारीरिक सम्बन्ध बनाये गये तथा किसी को बताने पर गाली गलौच करने सहित जान से मारने की धमकी दी गयी। इस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए जांच आरंभ कर दी। मामले की जांच के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी द्वारा निर्गत निर्देशों के क्रम में प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने साक्ष्यों एवं प्राप्त सूचनाओं के आधार पर प्रकरण में आरोपी राहुल कुमार पुत्र छुट्टन सिंह, निवासी आमपडाव को मंगलवार को देहरादून से गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस की गिरफ्त में दुष्कर्म व धमकी देने वाला आरोपी

पूर्णा गांव में शराब बंद करने का लिया निर्णय

चमोली : ग्राम पंचायत पूर्णा की महिला मंगल दल की बैठक में गांव में शराब के प्रचलन को प्रतिबंधित करने का निर्णय लिया गया। साथ ही शादी, समारोह समेत सभी शुभ कार्य में एक पौधा लगाने का प्रस्ताव पारित हुआ। कनिष्ठ उपप्रमुख पिंकी देवी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में बढ़ते शराब के चलन पर चिंता जताई गई।

महिलाओं ने गांव में शराब परोसने व शराब पीकर गांव में हुड़दंग करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का प्रस्ताव पारित किया। बैठक में जंगलों को आग से बचाने, हर शुभ कार्य में एक पेड़ लगाकर उसकी स्वयं देखभाल करने, गांव के पुराने जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने, अपने आसपास स्वच्छता बनाने व महिला मंगल दल व युवक मंगल दल को खेलकूद सामग्री प्रदान करने पर चर्चा हुई।

सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने को लेकर गंभीर नहीं सरकार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : उत्तराखण्ड विकास समिति के अध्यक्ष जानकी बल्लभ मैंदोला की अध्यक्षता में जौनपुर में आयोजित की गई। इस दौरान समिति के सदस्यों ने कहा कि प्रदेश सरकार सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने में लगातार उदासीनता अपना रही है। हाईकोर्ट के आदेशों के बावजूद भी सरकार किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं कर रही है। कहा कि जनहित में सरकारी भूमि से जल्द से जल्द अतिक्रमण हटाया जाना चाहिए।

बुधवार को आयोजित बैठक में संसद में महिला आरक्षण बिल पास न होने पर निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि गुलामियत की सोच रखने वाले विपक्ष के लोगों ने महिला आरक्षण बिल पास नहीं होने दिया, जिस कारण देश एवं समस्त ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को अपमानित किया गया है। बैठक में सीवरेज लाइन का पुनः सर्वे कर लाइन की क्षमता बढ़ाने का प्रस्ताव पास किया गया। इस दौरान सदस्यों ने कहा कि गर्मी मौसम के प्रारम्भ में ही जल आपूर्ति लगातार बाधित हो रही है, जिस कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कहा कि कालाबड़, जौनपुर और बैंक कॉलोनी में पेयजल की समस्या विगत दो माह से निरंतर बनी हुई है। कहा कि प्रशासन को पेयजल की समस्या का जल्द से जल्द निराकरण करना चाहिए। बैठक में गोपाल कृष्ण बड़थ्वाल, शशि मोहन उनियाल, कलावती बिष्ट, बृजमोहन ममगांई आदि मौजूद थे।

रोवर्स रेंजर्स राष्ट्र निर्माण में निभाते हैं अहम भूमिका

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में चल रहे रोवर्स रेंजर्स के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन बुधवार के प्रथम सत्र में जिला आयुक्त शांति रतूड़ी द्वारा रोवर्स व रेंजर्स को बेडन पावेल के छः व्यायाम करवाये गये। साथ ही विभिन्न प्रकार के स्ट्रेचर निर्माण सहित विभिन्न प्रकार की गांठों की जानकारी दी गयी। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के विकास में रोवर्स रेंजर्स अहम भूमिका निभाते हैं।

इस मौके पर प्रशिक्षक रूप चंद्र लखेड़ा द्वारा रोवर्स व रेंजर्स को मेंटल और फिजिकल बैलेस के लिए ताड़ासन, वृक्षासन, गरुड़ासन, मंडूकासन व ब्रजआसन आदि का अभ्यास कराया गया। प्रशिक्षण के दौरान रोबर्स रेंजर्स को वर्तमान समय में बिगनर्स कोर्स की भूमिका से भी अवगत कराया गया। इस मौके पर प्रशिक्षकों ने कहा कि शिविर से प्राप्त अनुभवों को जीवन में उतारने पर ही उसकी वास्तविक सफलता निर्भर करती है।

सेवा, समर्पण और त्याग की भावना से परोपकार के कार्य करने पर ही शिविर का उद्देश्य सार्थक होगा। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के शिविर युवाओं में राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करने के लिए आयोजित किए जाते हैं। रोवर्स-रेंजर्स युवाओं में सेवा, नेतृत्व और आत्मनिर्भरता का सशक्त माध्यम है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में रेंजर्स प्रभारी डा. सुषमा भट्ट, रोवर्स प्रभारी डा. जुनिश कुमार, डा. भगवत सिंह रावत, डा. सुरभि मिश्रा, डा. सुनीता नौटियाल, अरविन्द दुदपुड़ी आदि मौजूद रहे।

कमजोर एवं वंचित वर्गों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराना सभी का दायित्व

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : माननीय राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल एवं माननीय जिला जज/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पौड़ी गढ़वाल के आदेशानुसार, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पौड़ी गढ़वाल के सिविल जज (सीनियर डिवीजन)/सचिव श्रीमती नाजिश कलीम द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पौड़ी गढ़वाल में नवनियुक्त प्राविधिक स्वयंसेवकगण/अधिकार मित्रों हेतु एक दिवसीय भौतिक एवं वर्चुअल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान स्थायी लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित किए जाने वाले प्रकरणों के विषय में भी विस्तार से जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ जिला जज/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पौड़ी गढ़वाल धर्म सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने नवनियुक्त प्राविधिक स्वयं सेवक/अधिकार मित्रों को उनके दायित्वों के प्रभावी निर्वहन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने

नवनियुक्त प्राविधिक स्वयं सेवक/अधिकार मित्रों को संबोधित करते हुए कहा कि वे विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। कहा कि समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराना हम सभी का दायित्व है, जिसमें प्राविधिक स्वयं सेवक/अधिकार मित्र एक सशक्त कड़ी के रूप में कार्य करते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को अपने कर्तव्यों का निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ निर्वहन करने तथा आमजन को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने हेतु प्रेरित किया। इस मौके पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शहजाद ए. वाहिद, सिविल जज (सीनियर डिवीजन) अमित भट्ट, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल कमल प्रसाद बमराड़ा, डिप्टी लीगल एड डिफेंस काउंसिल महेश बलूनी, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल विनोद कुमार, रिटेनर अधिवक्ता गजेन्द्र सिंह रावत, कुलदीप नेगी, पीएलवी जगमोहन डांगी आदि मौजूद थे।

चित्रकला प्रतियोगिता में अमीषा ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण नमामि गंगे, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं रसायन विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर हमारी शक्ति हमारा ग्रह विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने अपनी अद्भुत कला का प्रदर्शन किया और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपने दृष्टिकोण और रचनात्मकता को खूबसूरती से उजागर किया। इस अवसर पर रसायन विज्ञान प्रभारी डॉ. विवेक रावत ने कहा कि पृथ्वी दिवस का उद्देश्य लोगों को पर्यावरणीय प्रभाव के प्रति जागरूक करना है एवं छोटी-छोटी कोशिशों से हम पर्यावरण संरक्षण में बड़ा योगदान दे सकते है, जैसे प्लास्टिक के थैले के स्थान पर कपड़े से बनें थैले का प्रयोग करना, जल और ऊर्जा बचाना, पौधा रोपण करना आदि। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका डॉ. छाया सिंह, डॉ. सुधीर सिंह रावत ने निभाई। चित्रकला प्रतियोगिता में बीए द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा अमीषा ने प्रथम, बीए चतुर्थ सेमेस्टर का छात्र सूरज सिंह ने द्वितीय स्थान एवं छात्रा पूजा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर प्राचार्य डॉ. योगेन्द्र चन्द्र सिंह ने कहा कि छात्रों को प्रतियोगिता में भाग अवश्य लेना चाहिए। कहा कि प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्रों का मानसिक विकास होता है।

ड्रोन और कैमरों की नजर में आएंगे वनाग्नि के दोषी

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : रुद्रप्रयाग वन प्रभाग ने जंगलों में बढ़ती आग की घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। तापमान में लगातार वृद्धि के चलते वनाग्नि की संभावनाओं को देखते हुए विभाग ने अब हाईटेक निगरानी शुरू कर दी है। ड्रोन और कैमरा ट्रैप की मदद से जंगल में आग लगाने वालों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। उप प्रभागीय वनाधिकारी डीएस पुंडीर ने जानकारी देते हुए बताया कि वन प्रभाग की सभी छह रेंजों में संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर वहां विशेष निगरानी की जा रही है। आधुनिक तकनीक के जरिए आग लगाने वाले असामाजिक तत्वों को चिन्हित कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वन विभाग ने आम जनता से भी अपील की है कि बढ़ते तापमान के मद्देनजर जंगलों के आसपास आग न लगाएं और वन संपदा की सुरक्षा में सहयोग करें।

28 अप्रैल को लैंसडौन बाजार बंद और प्रदर्शन का किया ऐलान

जयन्त प्रतिनिधि।

लैंसडौन : लैंसडौन का नाम बदलकर जसवंत गढ़ छावनी करने के प्रस्ताव का विरोध थम नहीं रहा है। स्थानीय संगठनों ने आगामी 28 अप्रैल को सांकेतिक बाजार बंदी के साथ ही धरना-प्रदर्शन व जुलूस निकालने का निर्णय लिया है। लैंसडौन होटल एसोसिएशन, कैंट होटल एसोसिएशन, व्यापार मंडल, होटल एसोसिएशन जीएम ग्रुप और नागरिक मंच के पदाधिकारियों की बैठक में यह निर्णय लिया गया। संगठनों ने सुझाव दिया कि वीर योद्धा हीरो ऑफ द नेफा राइफलमैन जसवंत सिंह रावत की स्मृति में युवाओं को रोजगार देने वाला संस्थान या आधुनिक चिकित्सालय स्थापित किया जाना चाहिए, जिसका लाभ आमजनों को मिल सके। बता दें कि केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों के तहत छावनी परिषद ने लैंसडौन का नाम जसवंत गढ़ करने के संबंध में बीती 10 अप्रैल को आयोजित बोर्ड बैठक में प्रस्ताव पारित किया था। इस बारे में आम जनता से 30 दिन के भीतर आपत्तियां और सुझाव मांगे गए हैं। बैठक में लैंसडौन होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय सतीजा, कैंट होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष सलीम रहमान, नागरिक मंच के अध्यक्ष महिपाल रावत, व्यापार मंडल अध्यक्ष राजेश अग्रवाल, होटल एसोसिएशन जीएम ग्रुप के अध्यक्ष सक्षम खंडेलवाल आदि उपस्थित रहे।

पृथ्वी दिवस पर धरती के संरक्षण का लिया संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर निगम के अंतर्गत बीईएल रोड़ स्थित महर्षि विद्या मंदिर पब्लिक स्कूल में बुधवार को पृथ्वी दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओं आयोजन किया गया। इस मौके पर छात्रों को पृथ्वी के संरक्षण के लिए आगे आने को प्रेरित किया गया। साथ ही छात्रों को पृथ्वी के संरक्षण के लिए आगे आने को कहा।

प्रतियोगिताओं का शुभारंभ करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य रविंद्र सिंह गुसांई ने छात्रों को पृथ्वी पर हो रहे परिवर्तनों पर जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को पृथ्वी के संरक्षण के लिए जल संरक्षण व प्रदूषण रोकने को प्रेरित किया। कहा कि आधुनिक जीवन शैली से धरा को नुकसान पहुंच रहा है। इस मौके पर कक्षा एक और कक्षा दो के छात्रों के लिए रंग भरो व कक्षा तीन से इंटरमीडिएट के छात्रों के लिए पर्यावरण जागरूकता विषय पर पोस्टर एवं स्लोगन लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिताओं में सभी छात्रों ने अपनी प्रतिभा का बखूबी प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं का परिणाम विद्यालय में आयोजित होने वाले आगामी कार्यक्रमों के दौरान जारी किया जायेगा। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक व शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

राजस्थान से दंडवत यात्रा करते हुए बदरीनाथ पहुंचे हरिकेश

चमोली : बदरीविशाल के प्रति श्रद्धालुओं की अटूट आस्था ही है कि करीब एक हजार किमी की दंडवत यात्रा कर एक श्रद्धालु बदरीनाथ धाम पहुंचा। राजस्थान के जिला किरोली तहसील हिंडौन निवासी हरिकेश साल (55) वर्ष 2023 में परिवार सहित मनोती लेकर दंडवत यात्रा करते हुए बदरीनाथ आए थे। उनकी मनोकामना पूरी हो गई तो उन्होंने फिर से भगवान बदरीविशाल की शरण में उसी तरह आने का निश्चत किया जैसे पहले आए थे। हरिकेश ने बताया कि उन्होंने 16 जनवरी को अपनी दंडवत यात्रा शुरू की।

पूर्व सैनिकों की पेंशन विसंगतियों का किया निस्तारण

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास पौड़ी द्वारा सैनिक विश्राम गृह थलीसैंण में शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान पूर्व सैनिकों एवं आश्रितों की पेंशन सम्बंधी विसंगतियों का निराकरण किया गया।

मेजर करन सिंह, सुबेदार मेजर त्रिलोक सिंह, हवलदार सुरेन्द्र सिंह ने शिविर में पेंशन सम्बंधित विसंगतियों का निवारण किया। मेजर करन सिंह ने सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। कहा कि पूर्व सैनिकों को सरकार की ओर से चलाई जा रही योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा किसी भी पूर्व सैनिकों एवं आश्रितों की पेंशन से सम्बंधित कोई भी समस्या हो तो वह अपने दस्तावेज सैनिक कल्याण ब्लाक प्रतिनिधि फतेह सिंह भण्डारी से सम्पर्क करें। कहा कि जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास पौड़ी द्वारा समय-समय पर शिविर आयोजित किये जाते है। इस अवसर पर सैनिक संगठन के उपाध्यक्ष नरेन्द्र सिंह नेगी, हवलदार श्याम सिंह, कृपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

पर्यावरण स्वच्छता में व्यक्तिगत प्रयासों पर दिया जोर

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : बुधवार को भक्त दर्शन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा विभागीय परिषद के अन्तर्गत विश्व पृथ्वी दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं द्वारा तैयार किए गए पोस्टर एवं मॉडल प्रदर्शनी में छात्रों ने स्वच्छ ऊर्जा, सतत विकास एवं पर्यावरण संरक्षण पर रचनाएं प्रस्तुत की।

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. एल.आर. राजवंशी ने कहा कि पृथ्वी हमारा एकमात्र घर है। थीम अवर पॉवर अवर प्लांट के माध्यम से हम अपनी ऊर्जा को ग्रह संरक्षण के लिए समर्पित करें, ताकि भावी पीढ़ियों के लिए हरा-भरा पर्यावरण सुनिश्चित हो। भूगोल विभाग की प्राध्यापक डॉ. अर्चना नौटियाल ने थीम अवर पॉवर अवर प्लांट पर व्याख्यान दिया, जिसमें इतिहास, महत्व एवं आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

वाणिज्य विभाग के डॉ. वरुण कुमार ने पर्यावरण स्वच्छता में व्यक्तिगत प्रयासों पर जोर दिया। डॉ. वसीम अहमद ने जल, जंगल, जमीन के संरक्षण पर बल दिया, जबकि डॉ. मोहम्मद शहजाद ने उद्योग अवशिष्टों के दुष्प्रभाव बताए। इस अवसर पर डॉ. नेहा शर्मा, डॉ. सुमन कुकरेती, डॉ. शिप्रा शर्मा, डॉ. अभिषेक कुकरेती, डॉ. दुर्गा रजक, डॉ. अजय रावत, डॉ. वन्दना ध्यानी आदि उपस्थित रहे।

बाबा साहब से प्रेरणा लेने के लिए किया प्रेरित

उत्तरकाशी। नगर पालिका स्थित डॉ. आंबेडकर पुस्तकालय एवं वाचनालय में बुधवार को प्रेरणा, सकारात्मक ऊर्जा और लक्ष्य साधने का संदेश गूंजा। चंडीगढ़ दिव्यांग स्कूल के सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य व कंडियाल गांव निवासी जगरनाथ जयाड़ा ने सभी को बाबा साहब से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया।

जयाड़ा ने कहा कि असफलता जीवन का अंत नहीं, बल्कि सफलता की ओर बढ़ने का पहला और सबसे मजबूत कदम है। उन्होंने विद्यार्थियों को स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने, निरंतर मेहनत करने और हर परिस्थिति में आत्मविश्वास बनाए रखने की सीख दी।

आने वाले समय में फॉरेंसिक साइंस का बढ़ेगा दायरा : डॉ राजेश

उत्तरकाशी। श्रीमती मंजीरा देवी विश्वविद्यालय में फॉरेंसिक साइंस और कॅरिअर के अवसरों में इसकी संभावनाओं पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य वक्ता व फॉरेंसिक साइंस के पूर्व अतिरिक्त निदेशक डॉ. राजेश सिंह ने कहा कि आने वाले समय में फॉरेंसिक साइंस का दायरा और अधिक व्यापक होगा। उन्होंने बताया कि यह क्षेत्र युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसरों के द्वार खोल रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलाधिपति डॉ. हरिशंकर नौटियाल, गढ़वाल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं विश्वविद्यालय के एडवाइजर प्रो. डॉ. जेपी पचौरी, शिक्षाविद डॉ. योगेश कुमार शर्मा व मैनेजिंग डायरेक्टर अधिवक्ता पवन नौटियाल ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम की शुरुआत में कुलपति डॉ. भगवन नौटियाल ने कहा कि ऐसे सेमिनार विद्यार्थियों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक करियर क्षेत्रों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मुख्य वक्ता डॉ. राजेश सिंह ने कहा कि सरकारी फॉरेंसिक प्रयोगशालाओं, पुलिस विभाग, न्यायालयों, केंद्रीय जांच एजेंसियों, अनुसंधान संस्थानों एवं निजी क्षेत्र में प्रशिक्षित विशेषज्ञों की मांग लगातार बढ़ रही है। साथ ही साइबर अपराधों में वृद्धि के कारण साइबर फॉरेंसिक विशेषज्ञों की आवश्यकता तेजी से बढ़ी है।

संपादकीय

इलाज का बोझ

किसी लोक कल्याणकारी सरकार का पहला दायित्व बनता है कि वो अपने नागरिकों के लिए सस्ती व प्रभावी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराये। दुनिया के तमाम देशों में सरकारों के स्तर पर ऐसी नीतियां बनी हैं कि लोगों को स्वास्थ्य संकट आने पर उपचार खर्च के तनाव का रोग अलग से नहीं लेना पड़ता है। विशेषकर बुजुर्ग आबादी का विशेष ख्याल रखा जाता है। जिस उम्र में उनका शरीर क्षीण हो रहा होता है और आय के साधन न के बराबर होते हैं, सरकारी चिकित्सा का सुरक्षा कवच बड़ा संबल होता है। विडंबना यह है कि भारत में स्वास्थ्य सेवाएं गहरे विरोधाभास से जूझ रही हैं। हमारी सरकारी चिकित्सा व्यवस्था खुद बीमार है। देश में कम स्वास्थ्य बजट, राजनीतिक हस्तक्षेप और भ्रष्टाचार के चलते सरकारी अस्पतालों में सब कुछ होते हुए भी गरीब व कमजोर वर्ग के लोगों को गुणवत्ता का उपचार नहीं मिल पाता है। हाल ही में सामने आए सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के एक नये सर्वेक्षण में बताया गया है कि देश की लगभग आधी आबादी के पास किसी न किसी प्रकार का स्वास्थ्य बीमा कवर है। लेकिन विडंबना यह है कि स्वास्थ्य बीमा कवर होने के बावजूद उनकी जेब से खर्च होने वाला चिकित्सा व्यय अधिक बना हुआ है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि सरकार द्वारा समर्थित योजनाओं ने बीमा कवरेज के विस्तार को गति दी है। उल्लेखनीय है कि देश के ग्रामीण इलाकों में अब शहरी क्षेत्रों के मुकाबले बीमा कवरेज अधिक है। इसके बावजूद दुखद स्थिति यह है कि देश के करोड़ों परिवारों के लिए आज भी बीमार पड़ना गंभीर आर्थिक संकट पैदा कर देता है। वहीं दूसरी ओर, इस सर्वेक्षण ने एक स्पष्ट खामी को भी उजागर किया है कि आज भी अस्पताल में भर्ती होने के प्रत्येक मामले के लिए मरीज के जेब से होने वाले खर्च के औसत बिल 34,000 रुपये से अधिक हैं। यह हकीकत है कि बीमा कवरेज के बाद भी मरीजों के उपचार पर होने वाला खर्च भारत के अधिकांश आम परिवारों की वहन क्षमता से कहीं अधिक है। आखिर देश में बीमा दायरा बढ़ने के बावजूद, मरीजों पर चिकित्सा उपचार का आर्थिक बोझ लगातार क्यों बढ़ रहा है? क्या बीमा कवरेज कारोबार के लिए उत्साहित रहने वाली बीमा कंपनियों और बड़े अस्पतालों की कमाई का ही जरिया बनकर रह गया? हाल के वर्षों में इस अपवित्र गठबंधन के कई मामलों का खुलासा भी हुआ है। लेकिन नियामक तंत्र की सख्ती के अभाव में मरीजों के दोहन का यह खेल बदस्तूर जारी है। जानकार बताते हैं कि चिकित्सा उपचार की बढ़ती दर अक्सर मुद्रास्फीति से भी अधिक होती है। निस्संदेह, यह अपवित्र कारोबार मरीजों से मुनाफा कमाने वालों के मानवीय सरोकारों पर सवालिया निशान लगाता है। वैसे चिकित्सा सेवा में मुनाफा बढ़ते देख निजी स्वास्थ्य सेवाओं का दबदबा भी बढ़ा है।

चिंतन-मनन

कर्म का फल हैं योनियां

जीवों में शरीर तथा इन्द्रियों की विभिन्न अभिव्यक्तियां प्रकृति के कारण हैं। कुल मिलाकर 84 लाख भिन्न-भिन्न योनियां हैं और ये सब प्रकृतिजन्य हैं। जीव के विभिन्न इन्द्रिय-सुखों से ये योनिया मिलती हैं जो इस या उस शरीर में रहने की इच्छा करता है। जब उसे विभिन्न शरीर प्राप्त होते हैं तो वह विभिन्न प्रकार के सुख तथा दुख भोगता है। उसके भौतिक सुख-दुख शरीर के कारण होते हैं, स्वयं उसके कारण नहीं। उसकी मूल अवस्था में भोग में कोई सन्देह नहीं रहता, अतः वही उसकी वास्तविक स्थिति है। वह प्रकृति पर प्रभुत्व जताने के लिए भौतिक जगत में आता है। वैपुंठ लोक शुद्ध है, किन्तु भौतिक जगत में प्रत्येक व्यक्ति विभिन्न प्रकार के शरीर-सुखों को प्राप्त करने के लिए संघर्षरत रहता है।

यह कहने से बात और स्पष्ट हो जाएगी कि यह शरीर इन्द्रियों का कार्य है। इन्द्रियां इच्छाओं की पूर्ति का साधन हैं। यह शरीर तथा हेतु रूप इन्द्रियां प्रकृति द्वारा प्रदत्त हैं और जीव को पूर्व आकांक्षा तथा कर्म के अनुसार परिस्थितियों के वश वरदान या शाप मिलता है। जीव की इच्छाओं तथा कर्मों के अनुसार प्रकृति उसे विभिन्न स्थानों में पहुंचाती है। जीव स्वयं ऐसे स्थानों में जाने तथा मिलने वाले सुख-दुख का कारण होता है।

एक प्रकार का शरीर प्राप्त होने पर वह प्रकृति के वश में हो जाता है। शरीर, पदार्थ होने के कारण प्रकृति के नियमानुसार कार्य करता है। उस समय शरीर में ऐसी शक्ति नहीं होती कि वह उस नियम को बदल सके। उदाहरण के लिए ज्यों ही वह कुत्ते के शरीर में स्थापित किया जाता है, उसे कुत्ते की भांति आचरण करना होता है। यदि जीव को शूकर का शरीर प्राप्त होता है, तो वह मल खाने तथा शूकर की भांति रहने के लिए बाध्य है। इसी प्रकार यदि जीव को देवता का शरीर प्राप्त होता है, तो उसे अपने शरीर के अनुसार कार्य करना होता है। यही प्रकृति का नियम है। लेकिन समस्त परिस्थितियों में परमात्मा जीव के साथ विद्यमान रहता है।

नारी शक्ति वंदन पर राष्ट्र के नाम रुंदन भरा संबोधन

निर्मल रानी

मध्य एशिया में छिड़े संघर्ष के परिणामस्वरूप पूरे विश्व में मंहगाई व बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। भारत में भी गैस व सिलेंडर के अभाव के कारण लगने वाली लंबी लंबी कतारों के साथ ही हजारों छोटे व मध्यम उद्योगों के बंद होने के समाचार मिल रहे हैं। विभिन्न औद्योगिक नगरियों से कामगारों के ऐसे दर्दनाक दृश्य दिखाई दे रहे हैं जो कोरोना काल के समय हुये प्रवासियों के पलायन की याद दिला रहे हैं। परन्तु हमारे देश की सरकार व यहाँ के नेता इन वास्तविकताओं से मुंह मोड़कर हमेशा की तरह आज भी चुनावी मोड में हैं। प्रायः ऐसा देखा गया है कि चुनावी बेला में कुछ न कुछ ऐसा शगूफा जरूर छोड़ा जाता है जो सत्ता के पक्ष में,चुनाव को प्रभावित करने,विपक्ष को बदनाम करने,चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करने तथा सत्ता का दुरूपयोग करने वाला हो। परन्तु इन चुनावी महारथियों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि चुनाव आयोग सहित अनेक संस्थाओं पर सत्ता ने अपनी पकड़ मजबूत जो कर ली है ?

देश ने पिछले दिनों एक ऐसा ही हाई प्रोफाइल राजनैतिक ड्रामा देखा। केंद्र सरकार ने अचानक 16 से 18 अप्रैल 2026 तक संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र बुला लिया। सरकार की तरफ से पहले तो इस आपात सत्र को बुलाने के कारण को भी सांसदों से गुप्त रखा गया। फिर एन वक़्त पर बताया गया कि इस विशेष सत्र का मुख्य उद्देश्य महिला आरक्षण विधेयक जिसे वर्तमान सरकार ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम का नाम दिया है इसे जल्द लागू करने के लिए लोकसभा की सीटों का परिसीमन करना व इनकी संख्या 543 से बढ़ाकर अधिकतम 850 करने संबंधी संशोधन विधेयक पारित कराना है। सरकार का कहना है कि ऐसा करने से 2029 के आम चुनावों से पहले 33% महिला आरक्षण लागू हो सकेगा। यही बताकर लोकसभा में विगत 17 अप्रैल को 131 वां संविधान संशोधन विधेयक सरकार द्वारा पेश किया गया जो मतदान के बाद पारित नहीं हो सका। क्योंकि इस संविधान संशोधन विधेयक को पारित होने के लिये लोकसभा में विशेष यानी दो तिहाई बहुमत की जरूरत थी। गोया वर्तमान में लोकसभा में कुल 543 सदस्य हैं और कुल सदस्यों का सामान्य बहुमत लगभग 272 होता है जोकि सरकार के गठन के लिये तो पर्याप्त है परन्तु संविधान संशोधन के लिये उपस्थित और मतदान करने वालों सदस्यों में दो-तिहाई बहुमत के लिए सामान्यतः 362 या इससे अधिक वोट चाहिए। परन्तु चूँकि केवल 298 मत विधेयक के पक्ष में और 230 इस के विपक्ष में पड़े इसलिये यह विधेयक पारित नहीं हो सका। वैसे भी इतना महत्वपूर्ण विधेयक सदन की पटल पर लाने से पूर्व जिसपर परिसीमन को लेकर चर्चा की जाने थी, सत्ता पक्ष ने विपक्ष से बात करना,सर्वदलीय बैठक बुलाना या विपक्ष को विश्वास में लेना भी जरूरी नहीं समझा।

अब इस नारी शक्ति वंदन नामक विधेयक के गिरने के बाद सत्ता ने एक बड़ा है हाई वोल्टेज ड्रामा शुरू किया जिस के तहत पहले तो प्रधानमंत्री ने कैबिनेट की बैठक में विधेयक गिरने का ठीकरा विपक्ष पर फोड़ा और बाद में प्रधानमंत्री ने राष्ट्र के नाम संबोधन किया जो कि एक रुन्दन भरा व शत प्रतिशत चुनावी भाषण जैसा सम्बोधन था। जनता के टैक्स के पैसों से संचालित होने वाले दूरदर्शन,संसद टी वी व ऑल इंडिया रेडिओ जैसे चैनल्स पर इसे लाइव प्रसारित किया गया। जबकि सत्ता के गुणगान में लगे गोदी मीडिया के अधिकांश निजी चैनल्स ने भी इसे लाईव प्रसारित किया। यह संबोधन पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित, विपक्षी दलों को बदनाम करने,कई राज्यों में चल रहे चुनावों के बीच चुनाव को प्रभावित करने वाला तथा चुनाव आचार संहिता का खुला उल्लंघन था। सही मायने में सरकार की जितनी फजीहत विधेयक के पारित न होने से हुई थी उससे कहीं ज्यादा इस तथाकथित राष्ट्र संबोधन से हो गयी। 18 अप्रैल को राष्ट्र के नाम सम्बोधन के नाम पर दिये गये इस 29 मिनट के चुनावी भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल चुनाव आचार संहिता का खुला उल्लंघन किया बल्कि अन्य कई विपक्षी दलों के अतिरिक्त 58 बार केवल कांग्रेस पार्टी का नाम लेकर उसे खूब कोसा। इसके बाद देश के 700 से अधिक पूर्व नौकरशाहों व विशिष्ट लोगों ने भारतीय चुनाव आयोग को पत्र लिखकर शिकायत दर्ज कराई कि प्रधानमंत्री के प्रसारण में चुनाव अचार संहिता की धज्जियाँ उड़ाई गयीं और प्रधानमंत्री का भाषण चुनाव अचार संहिता का सरासर उल्लंघन है। क्योंकि चुनाव अचार संहिता के लागू होने के बावजूद सरकारी टी वी प्रसारण के द्वारा चुनाव प्रचार किया गया और पार्टी प्रोपेगैंडा करने के लिए सरकारी मास मीडिया प्लेटफार्म का दुरूपयोग किया गया जोकि चुनाव नियमों का गंभीर उल्लंघन है। निश्चित रूप से देश के इतिहास में यह पहला मौका था जबकि किसी प्रधानमंत्री ने केवल विपक्ष को बदनाम करने व उसकी आलोचना करने के लिए राष्ट्र को संबोधित करने के बहाने इस तरह से सरकारी प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया हो। इसके बाद मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने जिसतरह आंकड़ों व तथ्यों के साथ भाजपा को आइना दिखाना शुरू किया उससे तो भाजपाइयों के लेने के देने पड़ गये। ,सबसे पहले तो कांग्रेस ने कहा कि जो महिला आरक्षण विधेयक पहले ही संसद में पारित हो चुका है उसे पुनः पारित करने का अर्थ क्या है ? नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि ये दरअसल महिला आरक्षण विधेयक नहीं है बल्कि भारत के वर्तमान चुनावी ढांचे को बदलने की साजिश है। राहुल गांधी ने कहा कि यदि प्रधानमंत्री महिला आरक्षण चाहते हैं तो 2023 का पारित हो चुका महिला विधेयक लायें और उसे आज ही लागू करें तो पूरा विपक्ष समर्थन देगा। साथ ही इस विधेयक के गिरने के बाद महिलाओं की हमदर्दी में घड़ियाली आंसू बहाने व विपक्ष पर ही हमलावर होने वाली भाजपा से इसी विपक्ष ने ऐसे सवाल पूछने शुरू कर दिए जिसका भाजपा के लफ़्फाजी नेताओं के पास कोई जवाब नहीं। महिला आरक्षण के इन स्वयंभू सत्ताधारी हमदर्दों से विपक्ष ने यह भी पूछा कि सबसे ज्यादा सांसद होने के बाद भी बीजेपी की महिला सांसदों की संख्या का अनुपात अन्य राजनैतिक दलों की तुलना में सबसे कम क्यों है ? गौरतलब है कि वर्तमान लोकसभा में बीजेपी के 240 लोकसभा सांसदों में केवल 31 महिलाएं हैं अर्थात उनकी संख्या मात्र 12.90% है। जबकि कांग्रेस के 98 सांसदों में 14 यानी 14.30% इसी प्रकार टीएमसी के 29 में 11 महिला सांसद यानी 37.90% महिलाएं हैं। इसी तरह समाजवादी पार्टी में भी 37 में 5 यानी 13.50% महिला सांसद हैं। इसके साथ ही कांग्रेस ने भाजपा का यह चिट्ठा भी खोलकर रख दिया कि भाजपा के शासन में यहाँ तक कि स्वयं अनेक भाजपा नेताओं द्वारा नारियों का किस तरह शोषण व अपमान किया गया है व किया जा रहा है। इसलिये यह कहना गलत नहीं होगा कि नारी शक्ति वंदन विधेयक के गिरने पर प्रधानमंत्री का राष्ट्र के नाम रुन्दन भरा संबोधन कोरी राजनीति,आचार संहिता का उल्लंघन ,जनता के टैक्स के पैसों का दुरूपयोग और भाजपा की हताशा के सिवा और कुछ नहीं था।

ईरान की ताकत बरकरार, अमेरिका के घटे हथियार! क्या इसी वजह से ट्रंप ने बढ़ाया युद्धविराम?

नीरज कुमार दुबे

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ जारी संघर्षविराम को अनिश्चित काल के लिए बढ़ाने का ऐलान किया है। यह फैसला उस समय लिया गया जब संघर्षविराम समाप्त होने में कुछ ही घंटे बाकी थे और हालात तेजी से बिगड़ते नजर आ रहे थे। ट्रंप ने कहा कि यह कदम ईरान को एक साझा और स्पष्ट प्रस्ताव तैयार करने का समय देने के लिए उठाया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि यह निर्णय पाकिस्तान के अनुरोध पर लिया गया है। वहीं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस फैसले के लिए ट्रंप का धन्यवाद किया और इसे क्षेत्रीय शांति के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। ट्रंप ने भी अपने संदेश में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की भूमिका का जिक्र किया।

हालांकि, संघर्षविराम के ऐलान के बावजूद जमीन पर हालात पूरी तरह शांत नहीं हैं। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ समुद्री नाकाबंदी जारी रखी है और अपनी सैन्य तैयारियों को बरकरार रखा है। वहीं ईरान ने साफ कर दिया है कि वह धमकियों और दबाव के माहौल में किसी भी तरह की बातचीत के लिए तैयार नहीं है।

इस बीच, इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में हवाई हमले जारी रखे हैं, जिसमें कई लोग घायल हुए और कई घरों को नुकसान पहुंचा। गाजा में भी हमले जारी हैं, जिससे क्षेत्र में मानवीय संकट और गहरा गया है। इस स्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया है कि संघर्षविराम केवल कागजी राहत है, जबकि वास्तविकता में तनाव बना हुआ है।

राजनयिक स्तर पर भी स्थिति उलझी हुई है। इस्लामाबाद में बातचीत को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है और ईरानी प्रतिनिधिमंडल के नहीं पहुंचने से आंतरिक मतभेदों के संकेत मिल रहे हैं। चीन ने भी स्थिति को गंभीर बताते हुए हस्तक्षेप किया है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने की मांग की है।

अब यदि अमेरिकी रक्षा विभाग की खुफिया शाखा के ताजा आकलन की बात करें, तो यह तस्वीर और जटिल हो जाती है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान अब भी अपनी प्रमुख सैन्य क्षमताएं बनाए हुए है और वह एक मजबूत क्षेत्रीय शक्ति बना हुआ है। यह आकलन उन दावों के विपरीत है, जिनमें कहा गया था कि ईरान की सैन्य ताकत को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया गया है। खुफिया रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की वायु और नौसेना पूरी तरह नष्ट नहीं हुई है और उसकी रणनीतिक क्षमता अभी भी प्रभावी बनी हुई है। इससे यह संकेत मिलता है कि अमेरिका के सार्वजनिक बयान और वास्तविक स्थिति में अंतर है। यह अंतर भविष्य की रणनीति और निर्णयों को प्रभावित कर सकता है।

इसी बीच, एक और महत्वपूर्ण रिपोर्ट सामने आई है, जिसने अमेरिका की सैन्य तैयारियों को लेकर चिंता बढ़ा दी है। रक्षा विश्लेषकों और पेंटागन से जुड़े सूत्रों के अनुसार, ईरान के साथ सात सप्ताह तक चले संघर्ष में अमेरिका ने अपने कई महत्वपूर्ण मिसाइल भंडार का बड़ा हिस्सा खर्च कर दिया है। एक अध्ययन के अनुसार, अमेरिका ने अपने प्रिसिजन स्ट्राइक मिसाइल का लगभग 45 प्रतिशत, थाड इंटरसेप्टर का लगभग आधा और पैट्रियट वायु रक्षा मिसाइलों का करीब 50 प्रतिशत इस्तेमाल कर लिया है। इसके अलावा टॉमहॉक मिसाइल का लगभग 30 प्रतिशत और अन्य लंबी दूरी की मिसाइलों का भी बड़ा हिस्सा खर्च हो चुका है। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका के पास फिलहाल ईरान के खिलाफ अभियान जारी रखने के लिए पर्याप्त हथियार मौजूद हैं, लेकिन यदि उसे चीन जैसे किसी बड़े प्रतिद्वंद्वी के साथ संघर्ष करना पड़ा, तो मौजूदा भंडार पर्याप्त नहीं होगा। इन हथियारों को फिर से तैयार करने में एक से चार साल तक का समय लग सकता है, जबकि पूरी क्षमता हासिल करने में और ज्यादा समय लग सकता है।

रिपोर्ट में यह भी चेतावनी दी गई है कि हथियारों की इस तेजी से खपत ने पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका की रणनीतिक स्थिति को कमजोर किया है। यह स्थिति भविष्य में अमेरिका की सैन्य रणनीति के लिए चुनौती बन सकती है। हालांकि, पेंटागन ने इन चिंताओं को खारिज करते हुए कहा है कि अमेरिकी सेना के पास अपने मिशनों को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं। ट्रंप प्रशासन ने भी हथियारों की कमी से इंकार किया है, हालांकि अतिरिक्त बजट की मांग की गई है। विश्लेषकों का मानना है कि घटते भंडार का असर केवल अमेरिका तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इससे यूक्रेन और अन्य सहयोगी देशों को मिलने वाली सैन्य सहायता भी प्रभावित हो सकती है। अमेरिकी संसद में भी इस मुद्दे को लेकर चिंता जताई गई है।

इन तमाम घटनाक्रमों के बीच एक बड़ा सवाल उभरकर सामने आता है कि क्या ईरान की सैन्य ताकत के बने रहने और अमेरिकी हथियार भंडार में कमी से जुड़ी रिपोर्टों ने ही ट्रंप के फैसले को प्रभावित किया है। जब खुफिया आकलन यह संकेत दे रहे हैं कि ईरान अब भी एक मजबूत शक्ति है और दूसरी ओर अमेरिका को अपने मिसाइल भंडार को फिर से भरने में वर्षों लग सकते हैं, तो ऐसे में संघर्षविराम का ऐलान केवल कूटनीतिक कदम नहीं बल्कि एक रणनीतिक जरूरत भी हो सकता है। यह भी संभव है कि अमेरिका फिलहाल टकराव को टालकर अपनी सैन्य तैयारी को मजबूत करना चाहता हो। ऐसे में यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या यह युद्धविराम वास्तव में शांति की दिशा में कदम है या फिर एक बड़े और लंबे संघर्ष से पहले की रणनीतिक विराम स्थिति है।

बहरहाल, मौजूदा स्थिति कई स्तरों पर अस्थिर बनी हुई है। एक ओर संघर्षविराम ने अस्थायी राहत दी है, लेकिन दूसरी ओर सैन्य तनाव, खुफिया आकलनों में अंतर और हथियारों की कमी से जुड़ी चिंताएं भविष्य में बड़े संकट की ओर इशारा कर रही हैं। आने वाले समय में यह देखना अहम होगा कि क्या कूटनीतिक प्रयास सफल होते हैं या यह संकट एक बड़े युद्ध में बदल जाता है।

पुस्तकें हैं जीवन का दीप, समाधान का सेतु

ललित गर्ग

पुस्तकें केवल कागज और शब्दों का संयोजन नहीं होतीं, वे जीवन का साक्षात अनुभव कराती हैं। वे समय, समाज और संवेदनाओं का जीवंत इतिहास होती हैं। महान कवि रविन्द्रनाथ टैगोर ने कहा था कि उच्च शिक्षा केवल जानकारी प्रदान नहीं करती, बल्कि जीवन को संतुलित और शांतिपूर्ण बनाती है। यही कार्य पुस्तकें करती हैं, वे मनुष्य के भीतर विवेक, करुणा और सहिष्णुता का विकास करती हैं।

हर वर्ष 23 अप्रैल को समूचा विश्व ज्ञान, सृजनशीलता और मानवीय सभ्यता की अमूल्य धरोहर पुस्तकों का उत्सव मनाता है। यूनेस्को द्वारा 1995 में प्रारंभ किया गया यह दिवस केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि लेखकों के सम्मान, सृजनाधिकार की रक्षा और पठन संस्कृति के संवर्धन का वैश्विक संकल्प है। इस तिथि का चयन भी अत्यंत अर्थपूर्ण है, क्योंकि इसी दिन विलियम शेक्सपियर और मिगुएल डी सर्वांटेस जैसे महान साहित्यकारों का अवसान हुआ, जिनकी रचनाओं ने मानव सभ्यता को नई दिशा दी। वर्ष 2026 में इस दिवस का मुख्य संदेश यह है कि व्यक्ति अपनी रुचियों के अनुसार पढ़े और पठन को आनंदमय अनुभव बनाए। आज आवश्यकता इस बात की है कि पढ़ने को बोझ नहीं, बल्कि आत्मविकास और आत्मानंद का माध्यम माना जाए। इसी क्रम में मोरक्को की राजधानी रबात को वर्ष 2026 के लिए विश्व पुस्तक राजधानी घोषित किया गया है, जो इस तथ्य को रेखांकित करता है कि पुस्तक संस्कृति किसी एक देश की नहीं, बल्कि समूची मानवता की साझा धरोहर है।

पुस्तकें केवल कागज और शब्दों का संयोजन नहीं होतीं, वे जीवन का साक्षात अनुभव कराती हैं। वे समय, समाज और संवेदनाओं का जीवंत इतिहास होती हैं। महान कवि रविन्द्रनाथ टैगोर ने कहा था कि उच्च शिक्षा केवल जानकारी प्रदान नहीं करती, बल्कि जीवन को संतुलित और शांतिपूर्ण बनाती है। यही कार्य पुस्तकें करती हैं, वे मनुष्य के भीतर विवेक, करुणा और सहिष्णुता का विकास करती हैं। संकट के समय में पुस्तकें सच्चे मित्र की तरह साथ निभाती हैं, यह तथ्य वैश्विक महामारी के दौर में स्पष्ट रूप से देखने को मिला, जब लोगों ने अकेलेपन और अनिश्चितता के बीच पुस्तकों में ही आश्रय पाया। भारत में पुस्तक संस्कृति का इतिहास अत्यंत प्राचीन और गौरवपूर्ण रहा है। वेद, उपनिषद, रामायण और महाभारत जैसे ग्रंथों ने न केवल भारतीय समाज को दिशा दी, बल्कि समूचे विश्व को ज्ञान का प्रकाश प्रदान किया। नालंदा विश्वविद्यालय और तक्षशिला विश्वविद्यालय जैसे प्राचीन विश्वविद्यालय ज्ञान के ऐसे केंद्र थे, जहाँ दूर-दूर से विद्यार्थी अध्ययन हेतु आते थे। ताड़पत्रों और भोजपत्रों पर लिखी गई पांडुलिपियों ने भारतीय ज्ञान परंपरा को पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुरक्षित रखा। यह परंपरा केवल धार्मिक ग्रंथों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसमें विज्ञान, चिकित्सा, साहित्य और दर्शन के विविध आयाम समाहित थे।

जीवन के अंधकारमय क्षणों में पुस्तकें सचमुच एक दीपक की तरह मार्ग को प्रकाशित करती हैं। जब मनुष्य समस्याओं, तनाव और द्वंद्व से घिर जाता है, तब पुस्तकें उसे नया दृष्टिकोण प्रदान करती हैं। वे केवल ज्ञान का भंडार नहीं, बल्कि एक सच्चे मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक के रूप में उसकी चेतना को जागृत करती हैं। पुस्तकें हमें यह सिखाती हैं कि हर समस्या का समाधान बाहर नहीं, भीतर की समझ और दृष्टि में छिपा होता है। चीनी दार्शनिक कन्फ्यूशियस ने भी कहा था कि ह्लअज्ञानता मन का अंधकार है और ज्ञान ही उसका प्रकाश।ह्व इसी प्रकार महान दार्शनिक आचार्य महाप्रज्ञ ने जीवन की सरलता और संतुलन पर बल देते हुए बताया कि सच्चा ज्ञान वही है जो मन को शांत और संतुलित बनाए। पुस्तकें इसी संतुलन की साधना कराती हैं-वे हमें सोचने, समझने और धैर्यपूर्वक निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करती हैं। आधुनिक भारत में भी पुस्तक संस्कृति को सशक्त बनाने के लिए अनेक प्रयास किए गए हैं। आचार्य विनोबा भावे द्वारा स्थापित सर्वोदय साहित्य भंडार तथा आचार्य तुलसी द्वारा स्थापित आदर्श साहित्य संघ जैसे संस्थानों ने नैतिक और प्रेरणादायक साहित्य को जन-जन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन प्रयासों का उद्देश्य केवल ज्ञान का प्रसार नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और मानवीय मूल्यों का संवर्धन भी रहा है। वर्तमान समय में जब तकनीकी साधनों का विस्तार हुआ है, तब भी पुस्तकों की उपयोगिता और महत्ता में कोई कमी नहीं आई है। यद्यपि अध्ययन के अनेक नए माध्यम विकसित हुए हैं, फिर भी मुद्रित पुस्तकों का आत्मीय स्पर्श और उनकी गहराई अद्वितीय है। पुस्तकें मनुष्य के विचारों को विस्तार देती हैं, उसे सही और गलत का बोध कराती हैं तथा जीवन के प्रति एक संतुलित दृष्टिकोण प्रदान करती हैं।

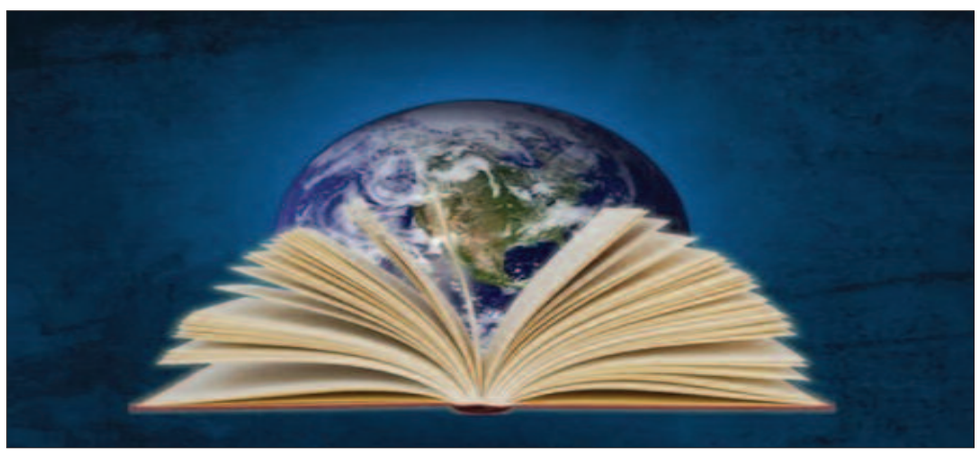

भारत में पुस्तक संस्कृति को प्रोत्साहित करने में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कई उल्लेखनीय पहलें हुई हैं। उन्होंने उपहार के रूप में पुष्पगुच्छ के स्थान पर पुस्तक देने का संदेश देकर समाज में ज्ञान के प्रति सम्मान की भावना को प्रबल किया है। इसके साथ ही देशभर में पठन-पाठन और पुस्तकालयों के विकास को लेकर विभिन्न अभियान चलाए गए हैं, जिनका उद्देश्य युवाओं में अध्ययन के प्रति रुचि जागृत करना है। यह प्रयास केवल साक्षरता बढ़ाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि एक जागरूक, संवेदनशील और सशक्त समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। महान वैज्ञानिक एवं पूर्व राष्ट्रपति ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने कहा था कि एक अच्छी पुस्तक अनेक मित्रों के समान होती है। वास्तव में पुस्तकें मनुष्य के मानसिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक विकास में अत्यंत सहायक होती हैं। वे व्यक्ति को आत्मचिंतन के लिए प्रेरित करती हैं, समाज की विसंगतियों को समझने का दृष्टिकोण देती हैं और सकारात्मक परिवर्तन के लिए प्रेरित करती हैं। प्रसिद्ध लेखिका टोनी मोरिसन का यह कथन भी उल्लेखनीय है कि यदि वह पुस्तक उपलब्ध नहीं है जिसे आप पढ़ना चाहते हैं, तो आपको स्वयं उसे लिखना चाहिए। यह विचार सृजनशीलता और आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करता है। आज के त्वरित सूचना युग में जब ध्यान भटकाने वाले साधनों की भरमार है, तब गहन अध्ययन और मनन की आवश्यकता और भी बढ़ गई है। पुस्तकें ही वह माध्यम हैं जो मनुष्य को एकाग्रता, धैर्य और गहराई प्रदान करती हैं। वे केवल जानकारी नहीं देतीं, बल्कि जीवन को दिशा देती हैं और व्यक्ति को बेहतर मनुष्य बनने के लिए प्रेरित करती हैं। पुस्तकें मानसिक शांति और भावनात्मक स्थिरता का आधार भी हैं। जब जीवन की भागदौड़ मन को विचलित करती है, तब एक अच्छी पुस्तक ध्यान के समान कार्य करती है, जो मन को एकाग्र और शांत बनाती है। महान चीनी चिंतक मेन्शियस ने कहा था कि मनुष्य का स्वभाव मूलतः शुभ होता है, उसे केवल सही दिशा की आवश्यकता होती है। पुस्तकें वही दिशा प्रदान करती हैं। वे अकेलेपन में सच्चा साथी बनती हैं, दुःख में सहारा देती हैं और निराशा में आशा का संचार करती हैं। पुस्तक के माध्यम से हम अनेक महापुरुषों के अनुभवों से जुड़ते हैं, उनके संघर्षों को समझते हैं और अपने जीवन के लिए प्रेरणा प्राप्त करते हैं। वास्तव में पुस्तकें जीवन-निर्माण का कल्पवृक्ष और कामधेनु हैं। उनकी छाया में बैठकर मनुष्य ज्ञान, विवेक, शांति और समाधान सब कुछ प्राप्त कर सकता है। वे हमारे भीतर ऐसी मानसिकता का विकास करती हैं, जिसमें हम हर परिस्थिति में समाधान खोजने लगते हैं। पुस्तकें हमारे विचारों को व्यापक बनाती हैं, हमारी संवेदनाओं को परिष्कृत करती हैं और हमें एक बेहतर मनुष्य बनने की दिशा में अग्रसर करती हैं। इसलिए कहा जा सकता है कि पुस्तकें केवल जीवन को प्रकाशित ही नहीं करतीं, बल्कि उसे सार्थक, संतुलित और समृद्ध भी बनाती हैं।

विश्व पुस्तक दिवस मनाते हुए यह स्पष्ट है कि पुस्तकें केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य की आधारशिला हैं। वे समाज में स्थायी और सकारात्मक परिवर्तन लाने की क्षमता रखती हैं। ऐसा परिवर्तन जो किसी बाहरी दबाव से नहीं, बल्कि आंतरिक चेतना से उत्पन्न होता है। इसलिए आवश्यक है कि हम पुस्तक संस्कृति को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं, घर-घर में अध्ययन का वातावरण निर्मित करें और आने वाली पीढ़ियों को ज्ञान के इस अमूल्य स्रोत से जोड़ें। विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस हमें यही प्रेरणा देता है कि हम पढ़ने की आदत को विकसित करें, पुस्तकों के प्रति सम्मान की भावना को जागृत करें और एक ऐसे समाज के निर्माण में योगदान दें, जो ज्ञान, संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों पर आधारित हो।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संक्षिप्त समाचार

इस्राइल-लेबनान के बीच वाशिंगटन में होगी दूसरे दौर की बातचीत, संघर्ष खत्म करने पर होगी चर्चा

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइल और लेबनान के अधिकारी शांति वार्ता के दूसरे दौर के लिए गुरुवार को बैठक करेंगे। एक इस्राइली अधिकारी ने सोमवार को इसकी पुष्टि की है। दोनों देशों के प्रतिनिधि वाशिंगटन में सीधी बातचीत के लिए इकट्ठा होंगे। यह बैठक अमेरिकी विदेश विभाग में आयोजित होगी। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और अन्य अमेरिकी राजनयिक इस बातचीत में मध्यस्थ की भूमिका निभाएंगे। इस्राइल की ओर से वाशिंगटन में उनके राजदूत येचिएल लीटर चर्चा में शामिल होंगे। वहीं, लेबनान के राष्ट्रपति कार्यालय ने जानकारी दी है कि उनके प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व पूर्व राजदूत साइमन करम करेंगे। इस महत्वपूर्ण बैठक में इस्राइल, लेबनान और अमेरिका के कर्मचारी मौजूद रहेंगे। इस्राइल और हिजबुल्लाह के बीच हफ्तों तक चली लड़ाई के बाद यह पहली सीधी बातचीत है। हाल ही में दोनों देशों के बीच 10 दिनों का संघर्ष विराम लागू हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा के बाद यह संघर्ष विराम 16 और 17 अप्रैल की आधी रात से शुरू हुआ था। लेबनान ने सोशल मीडिया पर अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट किया है। उनका मुख्य उद्देश्य युद्ध को पूरी तरह रोकना और दक्षिणी क्षेत्रों से इस्राइली कब्जे को खत्म करना है। वे अपनी सेना को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त दक्षिणी सीमा पर तैनात करना चाहते हैं। लेबनान ने साफ कहा है कि इस मिशन में उनकी जगह कोई और शामिल नहीं होगा। कार्यालय ने कहा कि यह प्रस्तावित वार्ता किसी भी अन्य बातचीत के ट्रैक से अलग है। उसने इस स्थिति को एक ऐसे विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया है जिसमें एक तरफ लंबे समय तक चलने वाला युद्ध है जिसके मानवीय, सामाजिक, आर्थिक और संप्रभुता संबंधी दुष्परिणाम होंगे, और दूसरी तरफ बातचीत के जरिए निकाला गया कोई समाधान है।

अमेरिका की लेबर सेक्रेटरी लोरी चावेज-डीरेमर ने छोड़ा पद, सत्ता के दुरुपयोग के आरोपों के बीच इस्तीफा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की राजनीति में एक और बड़ा बदलाव देखने को मिला है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कैबिनेट की सदस्य लोरी चावेज-डीरेमर ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। व्हाइट हाउस की ओर से सोमवार को इसकी पुष्टि की गई। लोरी चावेज-डीरेमर पर अपने पद के दुरुपयोग से जुड़े कई आरोप लगे थे। इनमें एक अधीनस्थ के साथ संबंध और ड्यूटी के दौरान शराब पीने जैसे आरोप शामिल हैं। हालांकि शुरुआत में इन आरोपों को खारिज किया गया था, लेकिन समय के साथ मामले ने तूल पकड़ लिया। व्हाइट हाउस के संचार निदेशक स्टीवन चेउंग ने जानकारी दी कि लोरी चावेज-डीरेमर अब प्रशासन छोड़कर निजी क्षेत्र में नई जिम्मेदारी संभालेंगी। उनके पद छोड़ने के बाद डिप्टी लेबर सेक्रेटरी कीथ सॉन्डरलिंग को कार्यवाहक लेबर सेक्रेटरी नियुक्त किया गया है, जो फिलहाल इस पद की जिम्मेदारियां संभालेंगे। जांच आगे बढ़ने के साथ श्रम विभाग के कई अधिकारियों पर भी कार्रवाई हुई है। अब तक कम से कम चार अधिकारियों को पद छोड़ना पड़ा है। इनमें चावेज-डीरेमर के पूर्व चीफ ऑफ स्टाफ, डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ और उनकी सुरक्षा टीम का एक सदस्य शामिल है, जिनके साथ उनके संबंधों के आरोप लगे थे। इस बीच, सीनेटर जॉन केनेडी ने उनके इस्तीफे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा मुझे लगता है कि सचिव ने इस्तीफा देने में समझदारी दिखाई है।

यूएस-ईरान के बीच पाक में दूसरे दौर की वार्ता, कुशनर इस्लामाबाद रवाना; वेंस पर संशय बरकरार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका-ईरान तनाव के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर को इस्लामाबाद भेजकर वार्ता को निर्णायक मोड़ देने की कोशिश की है। लेकिन जेडी वेंस के दौरे पर जारी संशय ने इस पहल की गंभीरता और रणनीतिक स्पष्टता पर सवाल खड़े कर दिए हैं, जिससे वार्ता की दिशा अब भी अनिश्चित बनी हुई है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक खतरनाक मोड़ पर खड़ा है, जहां कूटनीति और टकराव के बीच सीधी जंग छिड़ती दिख रही है। इसी तनावपूर्ण माहौल में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान में प्रस्तावित दूसरे दौर की बातचीत के लिए अपने विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर को इस्लामाबाद भेजने का फैसला किया है। हालांकि इस वार्ता को लेकर तस्वीर अभी भी पूरी तरह से साफ नहीं पाई है। कारण है कि इस वार्ता में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के जाने को लेकर संशय अभी तक बरकरार है। ऐसे में जहां एक तरफ ट्रंप ने स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर को इस्लामाबाद भेजकर साफ संकेत दे दिया है कि अब निर्णायक लड़ाई बातचीत की मेज पर लड़ी जाएगी। वहीं दूसरी ओर उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के पाकिस्तान जाने पर छाया संशय इस वार्ता की गंभीरता और रणनीति दोनों पर बड़े सवाल खड़े कर रहा है।

यूएस में वसूले गए टैरिफ का रिफंड शुरू: वॉलमार्ट को 10 बिलियन डॉलर मिल सकते हैं, बाकी कंपनियों को कितना मिलेगा?

अमेरिका, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए गए कुछ आयात शुल्क (टैरिफ) अब अमेरिकी कंपनियों को वापस मिल सकते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने इन टैक्सों को असंवैधानिक बताया है। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन (सीबीपी) इस हफ्ते एक ऑनलाइन सिस्टम शुरू करने जा रहा है। इसके जरिए कंपनियां और आयातक अपना रिफंड क्लेम कर सकेंगी। इस फैसले से उन अमेरिकी कंपनियों को अरबों डॉलर वापस मिल सकते हैं, जिन्होंने विदेशों से सामान मंगाने पर अतिरिक्त टैक्स चुकाया था। वॉलमार्ट जैसी बड़ी कंपनियों को भारी रिफंड मिलने की संभावना है। फोर्ब्स की रिपोर्ट के अनुसार वॉलमार्ट को लगभग 10.2 अरब डॉलर मिल सकते हैं, जबकि टारगेट (2.2 अरब डॉलर) और नाइकी (1 अरब डॉलर) को भी अरबों डॉलर की वापसी की उम्मीद है। अन्य खुदरा विक्रेताओं को कम राशि मिलेगी, जिनमें गैप (400 मिलियन डॉलर), कोहल्स (550 मिलियन डॉलर) और होम डिपो (540 मिलियन डॉलर) शामिल हैं। वॉलमार्ट के मुख्य वित्तीय अधिकारी जॉन रेनी ने कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं है कि वापसी की प्रक्रिया बहुत जल्दी पूरी हो जाएगी, और जब यह राशि प्राप्त होगी, तो इसे कंपनी के वित्तीय विवरणों में दर्शाया जाएगा। सीबीपी के अनुसार, 3.3 लाख से ज्यादा आयातकों ने 5.3 करोड़ से अधिक शिपमेंट पर करीब 166 अरब

डॉलर टैरिफ के रूप में जमा किए थे। 14 अप्रैल तक 56,497 आयातकों ने एजेंसी के इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट सिस्टम में रजिस्ट्रेशन कराया था, जिससे वे ब्याज सहित 127 अरब डॉलर तक के रिफंड के पात्र बन सकते हैं।

कैसे मिलेगा रिफंड : कंपनियों को उन सामानों का पूरा विवरण देना होगा, जिन पर टैरिफ चुकाया गया था। दावा सही पाए जाने पर 60 से 90 दिनों के भीतर रिफंड जारी किया जा सकता है। हालांकि शुरुआत में सभी मामलों को शामिल नहीं किया जाएगा। पहले चरण में उन्हीं मामलों पर कार्रवाई होगी, जहां टैरिफ का अनुमान लगाया गया था लेकिन अंतिम हिसाब नहीं हुआ था, या जिन दावों की समयसीमा अंतिम लेखांकन के 80 दिनों के भीतर है।

विशेषज्ञों ने दी सावधानी बरतने की सलाह : कानूनी विशेषज्ञों ने कंपनियों से आवेदन करते समय सावधानी बरतने को कहा है। विशेषज्ञ मेघन सुपिनो ने कहा कि अगर किसी फाइल में एक भी एंट्री गलत हुई या पात्र नहीं हुई, तो पूरा दावा या संबंधित हिस्सा खारिज हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि सिस्टम शुरू होने के शुरुआती दिनों में तकनीकी दिक्कतें आ सकती हैं, इसलिए कंपनियों को धैर्य रखना चाहिए। विशेषज्ञ न्यी हुइन्ह ने कहा कि कंपनियों को हर आवेदन का रिकॉर्ड रखना होगा, क्योंकि एक फाइल में हजारों एंट्री हो सकती हैं और छोटी गलती से दावा रद्द हो सकता है।

कोर्ट ने क्या कहा था?

20 फरवरी को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 6-3 के फैसले में कहा था कि ट्रंप प्रशासन ने 1977 के इमरजेंसी पावर्स कानून का इस्तेमाल कर टैरिफ लगाकर अपनी सीमा पार कर दी थी। बाद में अमेरिकी कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड ने कहा कि प्रभावित कंपनियों को पैसा वापस मिलना चाहिए।

छोटे कारोबारियों को भी राहत : छोटे कारोबार भी अब रिफंड की तैयारी में हैं। मिनेसोटा की कंपनी आफ्टर एक्शन सिगार्स के सह-संस्थापक ब्रैड जैक्सन ने कहा कि उनकी कंपनी ने पिछले साल 34,000 डॉलर टैरिफ चुकाया था और अब दस्तावेज तैयार किए जा रहे हैं। हालांकि उन्होंने चिंता जताई कि अगर रिफंड आने में कई महीने लगते हैं, तो इससे नकदी संकट की समस्या तुरंत हल नहीं होगी।

ग्राहकों को मिलेगा फायदा या नहीं : रिफंड सीधे कंपनियों को मिलेगा, लेकिन जरूरी नहीं कि आम ग्राहकों को भी फायदा मिले। कई कंपनियों ने टैरिफ का बोझ ग्राहकों पर कीमत बढ़ाकर डाला था, और अब उन्हें वह पैसा लौटाना अनिवार्य नहीं है। हालांकि फेडएक्स और यूपीएस जैसी डिलीवरी कंपनियां, जिन्होंने कुछ मामलों में ग्राहकों से सीधे शुल्क लिया था, रिफंड लौटाने की तैयारी कर रही हैं। धीरे-धीरे जारी होंगे भुगतान सीबीपी ने कहा है कि दावों की जांच के बाद चरणबद्ध तरीके से भुगतान किया जाएगा। यह प्रक्रिया टैरिफ से प्रभावित कारोबारों को आर्थिक राहत देने की दिशा में शुरुआती बड़ा कदम मानी जा रही है।

जापान की नीति में बड़ा बदलाव, घातक हथियार निर्यात पर प्रतिबंध को हटाने को मंजूरी

टोक्यो, एजेंसी। जापान ने मंगलवार को एक बड़ा और ऐतिहासिक फैसला लेते हुए घातक हथियारों के निर्यात पर लगी पुरानी रोक हटाने को मंजूरी दे दी है। यह कदम जापान की द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अपनाई गई शांतिवादी नीति में बड़ा बदलाव माना जा रहा है। प्रधानमंत्री साने ताकाइची की कैबिनेट ने नई गाइडलाइन को मंजूरी दी, जिससे अब जापान अपने हथियार दूसरे देशों को बेच सकेगा। इस फैसले के पीछे मुख्य वजह क्षेत्र में बढ़ते सुरक्षा खतरे बताए जा रहे हैं। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य ताकत और उत्तर कोरिया के मिसाइल परीक्षणों को देखते हुए जापान अपनी रक्षा क्षमता को मजबूत करना चाहता है। इसके साथ ही जापान अपनी रक्षा इंडस्ट्री को भी बढ़ावा देना चाहता है, ताकि वह वैश्विक हथियार बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा सके। जापान के इस कदम का उसके सहयोगी देशों ने स्वागत किया है। खासकर ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों ने इसे सकारात्मक कदम बताया है। इसके अलावा दक्षिण-पूर्व एशिया और यूरोप के कई देशों ने भी जापानी हथियारों में रुचि दिखाई है, जिससे भविष्य में रक्षा सहयोग और मजबूत

हो सकता है।

चीन ने किया जापान के फैसले का विरोध : हालांकि, इस फैसले का विरोध भी हो रहा है। चीन ने इसकी आलोचना करते हुए कहा है कि इससे क्षेत्र में तनाव बढ़ सकता है। जापान के अंदर भी कई लोग इस बदलाव के खिलाफ हैं। उनका कहना है कि यह कदम जापान के शांतिवादी संविधान की भावना के खिलाफ है और इससे देश की सुरक्षा पर खतरा बढ़ सकता है।

बदलते वैश्विक हालात के कारण जापान में बदलाव : द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जापान ने खुद को एक शांतिप्रिय देश के रूप में स्थापित किया था और हथियारों के निर्यात पर कड़ी पाबंदी लगाई थी। लेकिन अब बदलते वैश्विक हालात और सुरक्षा चुनौतियों के बीच जापान अपनी नीति में बदलाव कर रहा है, जो आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय राजनीति और सुरक्षा समीकरणों को प्रभावित कर सकता है।

जर्मनी के गुरुद्वारे में हिंसक झड़प, 11 घायल; बंदूक, कृपाण और पेपर स्प्रे का इस्तेमाल

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी के मोर्स शहर के ड्यूसबर्ग इलाके में स्थित एक गुरुद्वारे में दो गुटों के बीच अचानक हिंसक झड़प हो गई। इस घटना में कम से कम 11 लोग घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, यह झगड़ा इतना बढ़ गया कि इस दौरान चाकू, कृपाण, पेपर स्प्रे और यहां तक कि एक पिस्टल का भी इस्तेमाल किया गया। बताया जा रहा है कि करीब 40 लोग इस झगड़े में शामिल थे। जैसे ही गुरुद्वारे में धार्मिक कार्यक्रम शुरू होने वाला था, अचानक दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया और मामला हाथापाई से होते हुए हिंसा में बदल गया। कुछ वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आए हैं, जिनमें लोग एक-दूसरे पर हमला करते दिखाई दे रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कुछ लोगों ने अचानक पेपर स्प्रे का इस्तेमाल किया, इसके बाद एक व्यक्ति ने पिस्टल से फायरिंग की, जबकि कई लोगों के पास चाकू और किरपान जैसे धारदार हथियार थे। हालांकि पुलिस को अभी तक कोई असली पिस्टल नहीं मिली है। शुरुआती जांच में पता चला है कि यह एक ब्लैंक-फायरिंग पिस्टल हो सकती है (जो असली गोली नहीं चलाती, लेकिन आवाज और धमाका करती है)। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि यह विवाद गुरुद्वारे की कमेटी के चुनाव और फंड (पैसों) को लेकर था। पुराने और नए प्रबंधन के बीच काफी समय से तनाव चल रहा था, दोनों गुट गुरुद्वारे के नियंत्रण और फैसले लेने के अधिकार को लेकर भिड़े हुए थे। एक अधेड़ के प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि हमला पहले से प्लान किया हुआ लग रहा था। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। स्पेशल टैक्टिकल यूनिट भी तैनात की गई। सभी घायलों का मौके पर ही इलाज किया गया। वहीं, एक संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि किसने किस पर हमला किया।

कौन से नए पत्ते खोलने वाला है ईरान?: वार्ता की अटकलों के बीच स्पीकर गालिबाफ ने दिए बड़े संकेत

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच टकराव अब कूटनीति की पतली डोर पर झूल रहा है, जहां शांति के प्रयासों के बीच युद्ध का साया गहराता जा रहा है। ऐसे में पाकिस्तान में प्रस्तावित वार्ता से ठीक पहले ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने एक आग उगलता बयान देकर पूरे माहौल को और विस्फोटक बना दिया है। उन्होंने साफ चेतावनी दी है कि ईरान अब युद्ध के मैदान में नए पत्ते खोलने के लिए तैयार है, यानी जरूरत पड़ने पर कठोर और निर्णायक सैन्य कदम उठाए जा सकते हैं। शांति वार्ता को लेकर तेज हो रही अटकलों के बीच गालिबाफ का यह बयान कई बड़े संकेत देता नजर आ रहा है। सवाल खड़े हो रहे हैं कि आखिर ईरानी संसद अध्यक्ष कौन नए पत्ते को खोलने की बात कह रहे हैं? सवाल यह भी उठ रहे हैं कि आखिर इस

नए पत्ते में वार्ता को लेकर कैसे संकेत हो सकते हैं? इसके साथ ही ये सवाल तो खूब पूछे जा रहे हैं कि ईरान अगर वार्ता को लेकर सकारात्मक संकेत नहीं दे रहा, तो ट्रंप का अगला कदम क्या होगा? धमकी के माहौल में बातचीत स्वीकार नहीं- गालिबाफ सबसे पहले गालिबाफ के बयान पर नजर डालते हैं। उन्होंने अमेरिका पर गंभीर आरोप लगाते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाबंदियां लगाकर और सीजफायर का उल्लंघन कर कूटनीति को कमजोर किया है। उनके मुताबिक अमेरिका बातचीत को समर्पण में बदलना चाहता है या फिर नए युद्ध का बहाना ढूंढ रहा है। गालिबाफ ने दो टूक अंदाज में अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा कि ईरान धमकी के माहौल में बातचीत स्वीकार नहीं करेगा। अब गालिबाफ के बयान के मायने भी समझिए, इस पूरी बात को ऐसे समझिए कि एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने प्रतिनिधियों को शांति वार्ता के लिए पाकिस्तान भेज दिया है। दूसरी ओर अभी तक ईरान की ओर से इस मामले कोई सकारात्मक कदम नहीं देखा गया है। इतना ही नहीं वार्ता के बीच अब ईरान के संसद के स्पीकर गालिबाफ की दो टूक अंदाज में धमकी इस पूरे अटकलों को नया मोड़ दे रही है। गालिबाफ ने कहा है कि अमेरिका के खिलाफ अब ईरान नए पत्ते खोलने जा रहा है। गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान के बीच यह वार्ता 22 अप्रैल को खत्म हो रही युद्धविराम (सीजफायर) की समय सीमा से ठीक पहले हो रही है, इसलिए इसे बेहद अहम माना जा रहा है। हालांकि अभी तक ईरान ने साफ तौर पर यह नहीं कहा है कि वह इन बातचीत में हिस्सा लेगा या नहीं, जिससे स्थिति अनिश्चित बनी हुई है। दूसरी ओर अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के शांति वार्ता में जाने को लेकर अभी तक संशय बरकरार है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में ये दावा किया जा रहा है कि वेंस अभी तक पाकिस्तान के लिए रवाना नहीं हुए हैं। इससे यह सवाल उठ रहा है कि क्या यह वार्ता तय समय पर हो पाएगी या नहीं?

नेपाल में फिर बवाल, बालेन शाह सरकार के खिलाफ प्रदर्शन शुरू

काठमाण्डू, नेपाल में बालेन शाह के नेतृत्व वाली सरकार के कमान संभालने के बाद से ही भारत और नेपाल दोनों देशों के लोग परेशान हो गए हैं। बालेन शाह की सरकार ने एक नियम सख्ती से लागू करना शुरू कर दिया है, जिसके तहत नेपाल के लोगों को भारत से खरीदे जाने वाले 100 नेपाली रुपये (63 भारतीय रुपये) से अधिक के सामान पर 80 प्रतिशत तक कस्टम ड्यूटी चुकानी पड़ेगी।

यह नियम नेपाली लोगों के लिए गले की फांस बन गया है। ऐसा नहीं है कि यह नियम कोई नया है। सामानों पर कस्टम ड्यूटी चुकाने का नियम नेपाल में काफी पुराना है, लेकिन फर्क सिर्फ इतना है कि बालेन शाह के सरकार में आने से बाद से इसे काफी सख्ती से लागू किया जा रहा है।

इस एक नियम की वजह से धारचूला से लेकर दार्जिलिंग तक के सीमावर्ती बाजारों में नेपाली लोगों की आवाजाही कम हो गई है। सिर्फ नेपाल के लोगों को ही नहीं, बल्कि भारतीय व्यापारियों को भी इस एक नियम की वजह से काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस सख्ती के विरोध में नेपाल में जगह-जगह प्रदर्शन शुरू हो गए हैं।

ट्रंप की ईरान को खुली चेतावनी; कहा- संघर्षविराम बढ़ाने की संभावनाएं कम, समझौता नहीं हुआ तो बरसेंगे बम

वॉशिंगटन, एजेंसी। दुनिया भर की नजरें इस समय अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव पर टिकी हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संघर्षविराम की समय सीमा को लेकर बेहद सख्त रुख अपनाया है। इससे युद्ध की आशंका फिर से गहरा गई है। ट्रंप ने साफ कर दिया है कि वह किसी भी दबाव में आकर कमजोर समझौता नहीं करेंगे। इस कूटनीतिक रस्साकशी के बीच ट्रंप की 'गले लगाने वाली कूटनीति' कहीं नजर नहीं आ रही है, बल्कि उसकी जगह अब बमों की बरसात वाली चेतावनी ने ले ली है। राष्ट्रपति के इस तेवर ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को चिंता में डाल दिया है, क्योंकि बुधवार की शाम वाशिंगटन के समय के अनुसार यह शांति की आखिरी समय सीमा हो सकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को एक साक्षात्कार के दौरान घोषणा की कि ईरान के साथ चल रहा दो सप्ताह का संघर्षविराम बुधवार शाम को समाप्त हो जाएगा। उन्होंने बहुत स्पष्ट शब्दों में कहा कि इस बात की अत्यधिक संभावना नहीं है कि वह इस समय सीमा को आगे बढ़ाएंगे। ट्रंप ने ब्लूमबर्ग को दिए फोन इंटरव्यू में बताया कि यह संघर्षविराम सात अप्रैल की शाम को शुरू हुआ था और इसकी मियाद अब खत्म होने वाली है। ट्रंप के इस बयान से साफ है कि वह ईरान पर दबाव बनाने की रणनीति अपना रहे हैं और बिना किसी ठोस नतीजे के इस अस्थायी शांति को जारी रखने के पक्ष में बिल्कुल नहीं हैं।

ट्रंप ने समझौते की जल्दबाजी को लेकर क्या कहा

: राष्ट्रपति ट्रंप ने बातचीत के दौरान साफ किया कि वह किसी भी खराब समझौते के लिए जल्दबाजी नहीं दिखाएंगे। उन्होंने कहा कि मुझ पर किसी समझौते के लिए दबाव नहीं डाला जा सकता। हमारे पास दुनिया भर का समय है। ट्रंप का मानना है कि अमेरिका को ईरान की शर्तों पर झुकने की कोई जरूरत नहीं है। जब उनसे पूछा गया कि क्या समझौता न होने पर क्या युद्ध फिर से शुरू हो जाएगा, तो उन्होंने स्पष्ट उत्तर दिया कि अगर कोई ठोस नतीजा नहीं निकलता है, तो वह निश्चित रूप से संघर्ष के फिर से शुरू होने की उम्मीद कर रहे हैं। उनके इस रुख ने शांति वार्ता की मेज पर बैठे राजनयिकों के लिए चुनौती और बढ़ा दी है। एक तरफ अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल शांति वार्ता के अगले दौर की तैयारी कर रहा है, वहीं दूसरी ओर ट्रंप का गुस्सा सातवें आसमान पर है। पीबीएस न्यूज के मुताबिक, एक फोन कॉल के दौरान ट्रंप ने बेहद खतरनाक चेतावनी देते हुए कहा, 'अगर मंगलवार या बुधवार तक समझौता नहीं हुआ और संघर्षविराम खत्म हुआ, तो फिर ढेर सारे बम फटने शुरू हो जाएंगे।' उनका यह बयान ईरान के लिए एक सीधा अल्टीमेटम माना जा रहा है। ट्रंप यह संकेत दे रहे हैं कि यदि कूटनीति विफल रहती है, तो अमेरिका सैन्य शक्ति का उपयोग करने से पीछे नहीं हटेगा।

चीन से ईरान जा रहे जहाज पर मिसाइल केमिकल का दावा, दक्षिण लेबनान में इस्राइली हमले से छह घायल

अमेरिका, एजेंसी। अमेरिकी रिपब्लिकन पार्टी की नेता और भारतीय मूल की निक्की हेली ने बड़ा दावा किया है कि अमेरिकी नौसेना द्वारा जब्त किए गए ईरानी जहाज में चीन से भेजी गई मिसाइलों से जुड़ी केमिकल सामग्री मौजूद थी। हेली के अनुसार, यह जहाज चीन से ईरान की ओर जा रहा था और बार-बार रुकने के आदेश के बावजूद आगे बढ़ने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने इस घटना को लेकर गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि चीन की भूमिका अब छिपी नहीं रह गई है और वह ईरान को परोक्ष रूप से समर्थन दे रहा है।

एशियाई शेयर बाजारों में शुरुआती कारोबार में मजबूती : वैश्विक बाजारों में अनिश्चितताओं के बावजूद एशियाई शेयर बाजारों ने मंगलवार को मजबूत शुरुआत की। एमएससीआई का एशिया-पैसिफिक शेयरों का व्यापक सूचकांक (जापान को छोड़कर) 0.9% की बढ़त के साथ कारोबार करता दिखा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 2.1% उछलकर रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया, जो ईरान संघर्ष शुरू होने के बाद पहली बार देखा गया। वहीं, जापान का निक्केई 1.2% चढ़ा, जबकि ऑस्ट्रेलिया का प्रमुख स्टॉक इंडेक्स 0.3% की गिरावट के साथ विपरीत रुख में रहा। कमोडिटी बाजार में ब्रेंट क्रूड ऑयल 0.4% गिरकर 95.09 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया, जबकि अमेरिकी एसएंडपी 500 ई-मिनी फ्यूचर्स 0.1% की हल्की बढ़त में रहे।

गाजा के उत्तरी तट पर इस्राइली नौसेना की गोलीबारी में फलस्तीनी महिला की मौत : गाजा पट्टी एक बार फिर हिंसा की चपेट में आ गई है, जहां उत्तरी तट के पास इस्राइली नौसेना की गोलीबारी में एक फलस्तीनी महिला की मौत हो गई। अल जजीरा अरबी की रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना उस समय हुई जब इस्राइली युद्धपोतों ने समुद्री क्षेत्र में मौजूद लोगों को निशाना

बनाया। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी पुष्टि की है कि सोमवार को हुए अलग-अलग इस्राइली हमलों में कुल पांच फलस्तीनियों की जान चली गई, जिससे क्षेत्र में तनाव और अधिक बढ़ गया है।

अमेरिका-ईरान वार्ता में अटकी बड़ी बातें क्या हैं : अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते को लेकर कई अहम मुद्दों पर सहमति नहीं बन पा रही है। बातचीत में प्रमुख विवाद बिंदु लगातार बाधा बने हुए हैं: ईरान का परमाणु कार्यक्रम: अमेरिका चाहता है कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह समाप्त करे, जबकि तेहरान का कहना है कि किसी भी प्रतिबंध की समयसीमा सीमित होनी चाहिए। यूरेनियम भंडार: डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ईरान के लगभग 400 किलोग्राम उच्च संवर्धित यूरेनियम पर नियंत्रण चाहता है, लेकिन ईरान ने इस मांग को सिरे से खारिज कर दिया है। ईरान का कहना है कि वह इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर प्रतिबंध तब तक जारी रखेगा जब तक अमेरिका अपने प्रतिबंध नहीं हटाता, जबकि अमेरिका का रुख सख्त बना हुआ है। ईरान करीब 20 अरब डॉलर की फ्रीज्ड संपत्तियों को जारी करने और प्रतिबंधों में राहत की मांग कर रहा है। तेहरान ने अमेरिका और इस्राइल के हमलों से हुए नुकसान के बदले लगभग 270 अरब डॉलर के मुआवजे की भी मांग उठाई है। पिछले कुछ घंटों में कूटनीतिक स्तर पर तेज गतिविधियां देखी गई हैं, खासकर पाकिस्तान के विदेश मंत्री की ओर से। वह ईरानी अधिकारियों को बातचीत की मेज पर लाने की कोशिश कर रहे हैं।

200 करोड़ मनी लॉन्ड्रिंग केस :

जैकलीन की अप्रूवर बनने की अर्जी पर सुनवाई टली

अब 8 मई को होगा फैसला

200 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एक बार फिर नया मोड़ सामने आया है। दरअसल, बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस की ओर से सरकारी गवाह (अप्रूवर) बनने के लिए दाखिल अर्जी पर पटियाला हाउस कोर्ट में सुनवाई टल गई है। अब इस मामले में अगली सुनवाई 8 मई को होगी। जानकारी के मुताबिक, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोर्ट से जवाब दाखिल करने के लिए और समय मांगा है, साथ ही एजेंसी ने जैकलीन की इस अर्जी का विरोध भी किया है।

सुनवाई के दौरान ईडी ने अदालत के सामने कहा कि जैकलीन की ओर से दायर की गई अर्जी आधारहीन है। साथ ही कोर्ट से अतिरिक्त समय की मांग की, जिसे अदालत ने स्वीकार किया। इससे पहले पिछली सुनवाई में कोर्ट ने जैकलीन की अर्जी पर ईडी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। यह मामला कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़ा हुआ है, जिस पर 200 करोड़ रुपए की ठगी और मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर आरोप हैं। इस हाई-प्रोफाइल केस में जैकलीन फर्नांडिस का नाम तब सामने आया था, जब जांच एजेंसी ने दावा किया कि सुकेश ने ठगी के पैसों से उन्हें कई महंगे गिफ्ट्स दिए थे। इसी आधार पर ईडी ने उन्हें इस मामले में आरोपी बनाया था।

अक्षय के छूटे पसीने!

वामिका गब्बी के 'बेतुके' जोक्स ने खिलाड़ी कुमार को किया परेशान

अभिनेता अक्षय कुमार इंडस्ट्री में अपने प्रैंक्स को लेकर काफी मशहूर हैं। उनके प्रैंक और मजाकिया लहजे को लेकर प्रशंसकों के बीच चर्चा रहती है। अक्सर इंडस्ट्री के सेलेब्स भी उनके इस लहजे से परेशान रहते हैं, लेकिन इस बार अक्षय किसी से परेशान होते नजर आ रहे हैं। दरअसल, अभिनेत्री वामिका गब्बी ने अपने बेतुके जोक्स से अक्षय को परेशान कर दिया है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें अभिनेत्री अक्षय से कुछ पंजाबी जोक्स पूछ रही हैं, और अभिनेता का रिएक्शन देखने लायक है। पहले जोक में वामिका कहती हैं, 'सर, अगर किसी की मौसी दूर रहती है तो उसे इंग्लिश में क्या कहेंगे?' इसका जवाब खुद अभिनेत्री देते हुए कहती हैं, 'फार्मेसी। ' इसके बाद वामिका ने दूसरा सवाल पूछते हुए कहा, 'दो लोग बैडमिंटन खेल रहे थे, पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। क्यों?' जब अक्षय जवाब नहीं दे पाए तो वामिका ने बताया, 'क्योंकि वे रैकेट का इस्तेमाल कर रहे थे। फिर वामिका ने तीसरा जोक मारा - 'ऐसी जगह का नाम बताओ जहां गाना गाने की इजाजत नहीं है?' उन्होंने जवाब दिया, 'नागालैंड '। ये सुनकर अक्षय कुमार हंसते हुए बोले, 'बस करो यार। ' वामिका ने इस क्लिप को इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए कैप्शन लिखा, 'प्रेमिका के पीजे पर हंसी हुई फरार, अक्षय सर बोले, 'बस करो यार।' भूत बंगला अब सिनेमाघरों में है। अपने टिकट अभी बुक करें। ' ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है।

यूजर्स वामिका के जोक्स और अक्षय के रिएक्शन पर खूब हंस रहे हैं। फिल्म 'भूत बंगला' एक हॉरर-कॉमेडी है, जिसमें अक्षय कुमार के साथ वामिका गब्बी, तब्बू और परेश रावल के अलावा, राजपाल यादव और मिथिला पालकर भी अहम रोल में नजर आ रहे हैं। हॉरर- कॉमेडी फिल्म को अक्षय कुमार, शोभा कपूर और एकता आर कपूर ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म प्रियदर्शन की दूसरी हिंदी हॉरर कॉमेडी फिल्म है। इससे पहले उन्होंने 'भूलभुलैया' बनाई थी। यह फिल्म 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म को दर्शकों की तरफ से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है।

जूनियर एनटीआर की अपकमिंग फिल्म की रिलीज टली

साउथ के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर अपने एक्शन अंदाज के लिए जाने जाते हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म का एक धमाकेदार पोस्टर रिलीज हुआ। इसमें फिल्म से जुड़ी जानकारी और बदली हुई रिलीज डेट भी मेकर्स ने साझा की है।

साउथ फिल्म 'आरआरआर' और बॉलीवुड फिल्म 'वॉर 2' में अपने एक्शन से जूनियर एनटीआर ने सबको अपना कायल बना दिया था। आगे भी उनका एक्शन अंदाज फैंस को देखने को मिलेगा। वह अपनी नई एक्शन भी फिल्म की तैयारियों में जुट गए हैं। मंगलवार को मेकर्स ने जूनियर एनटीआर की आगामी फिल्म का एक पोस्टर साझा किया है। साथ ही बताया है कि यह फिल्म कब रिलीज होगी?

एक्टर के जन्मदिन पर मिलेगी फिल्म की पहली झलक

जूनियर एनटीआर की अपकमिंग फिल्म के पोस्टर में उनका इंटेंस लुक नजर आ रहा है। साथ ही इसकी पहली झलक या टीजर दर्शकों को 20 मई को देखने को मिलेगा। यह दिन मेकर्स ने इसलिए चुना है क्योंकि इस दिन जूनियर एनटीआर का जन्मदिन होता है। इस फिल्म को प्रशांत नील निर्देशित करेंगे।

कब रिलीज होगी जूनियर एनटीआर की फिल्म?

जूनियर एनटीआर की आगामी फिल्म पहले 25 जून 2026 को रिलीज होने वाली थी लेकिन अब यह टल गई है। जूनियर एनटीआर की फिल्म की नई रिलीज डेट भी मेकर्स ने शेयर की है। अब यह फिल्म अगले साल तक बनकर तैयार होगी। मेकर्स ने पोस्टर पर ही 11 जून 2027 की तारीख दी है।

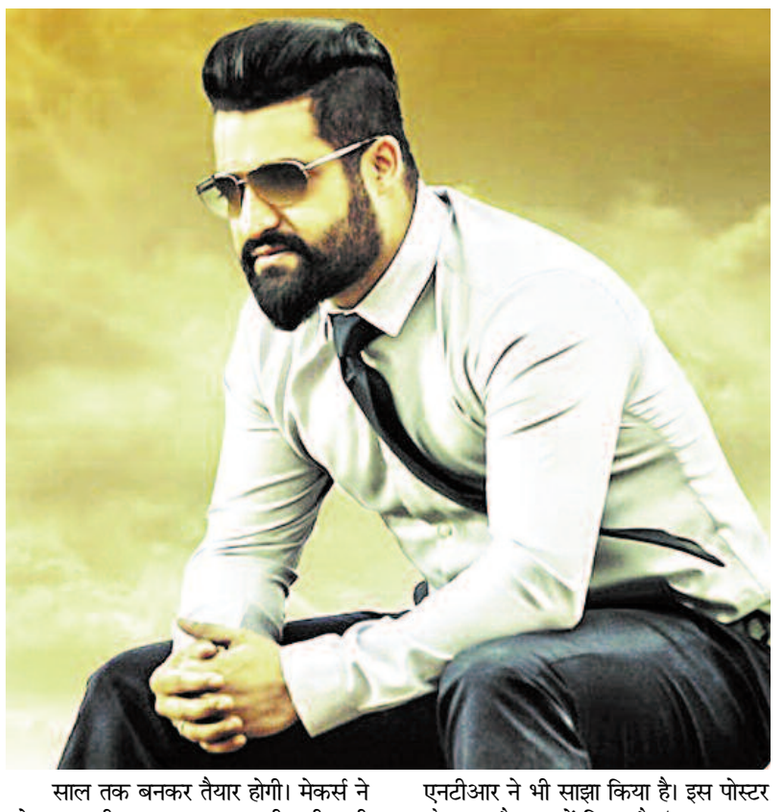

फिल्म की कहानी को लेकर भी दिया हिंट

फिल्म के पोस्टर को इंस्टाग्राम पर जूनियर एनटीआर ने भी साझा किया है। इस पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा है, 'उसका राज, उसकी धरती।' इस एक लाइन से ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह फिल्म में कोई दमदार किरदार करेंगे। साथ ही इस फिल्म में एक्शन की डबल डोज भी दर्शकों को मिल सकती है।

सैयारा फेम एक्ट्रेस अनीत पड्डा पर टूटा दुखों का पहाड़, दादा के निधन से टूटीं अभिनेत्री

यश राज फिल्म्स की फिल्म 'सैयारा' से अपना डेब्यू करने वाली अनीत पड्डा एक बार फिर निर्देशक मोहित सूरी की अपकमिंग फिल्म 'सतरंगा' में अहान पांडे के साथ दिखने वाली हैं, लेकिन इसी बीच अभिनेत्री पर दुखों का पहाड़ टूट चुका है क्योंकि जीवन के सबसे प्यारे इंसान ने उन्हें अलविदा कह दिया है। अनीत पड्डा ने सोशल मीडिया के जरिए अपने दादा जी के निधन की जानकारी दी है, जो काफी समय से अल्जाइमर रोग से जूझ रहे थे। अभिनेत्री ने अपने दादा के हाथ की फोटो शेयर की है और अपने इमोशन को शब्दों के जरिए जाहिर किया। उन्होंने लिखा, 'मेरे जीवन का एकमात्र प्यार। आप मुझसे दूर जा रहे थे, लेकिन मक्खन (अनीत का निकनेम) को नहीं भूले। आपने प्यार को थामे रखा, भले ही आप यादों को थामे नहीं रख सके। मैं दोनों को थामे रहूंगी। मैं हमारे साथ बिताए सभी पलों को संजोकर रखूंगी। मैं एक अच्छा इंसान बनूंगी। मैं आपके चुटकुले याद रखूंगी और जब भी मौका मिलेगा उन्हें दोहराऊंगी। मैं आपकी दयालुता और आपकी रोशनी को हर अंधेरे कमरे में ले जाऊंगी। मैं आपकी कहानियां याद रखूंगी और दुनिया को सुनाऊंगी। मैं आपके प्यार को थामे रहूंगी। आपने मुझे सबसे शुद्ध और सबसे निशर्त प्यार करना सिखाया। ' अनीत पड्डा ने लिखा, 'आज मैंने आकाश में सबसे चमकीला तारा देखा और मैं जान गई कि आप कहां गए। मैं आपसे प्यार करती हूं दादाजी और हमेशा अपनी सीमाओं से परे करती रहूंगी। अभिनेत्री के पोस्ट से साफ है कि वे अपने दादाजी के साथ कितना लगाव रखती थीं। बता दें कि सैयारा रिलीज के समय भी अभिनेत्री के दादाजी की तबीयत खराब होने के वजह से थिएटर नहीं आ पाए थे, लेकिन फोन में कुछ वीडियो को देखकर उन्होंने अनीत को पहचान लिया था और चेहरे पर बड़ी स्माइल आ गई थी। यह पल अभिनेत्री के लिए बहुत खास रहा था।

पहली बार इस एक्टर संग काम करेंगे सूरज बड़जात्या

'हम साथ साथ हैं', 'हम आपके हैं कौन' और 'विवाह' जैसी हिट फिल्मों के डायरेक्टर सूरज बड़जात्या ने अपनी अगली फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। सूरज बड़जात्या ने आखिरी फिल्म 'ऊंचाई' डायरेक्ट की थी। अब इन दिनों वे अपनी अगली फिल्म बनाने में व्यस्त हैं। फिल्म की रिलीज डेट की अनाउंसमेंट भी डायरेक्टर ने कर दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर ये अपडेट शेयर किया, और फिल्म से जुड़ी बाकी जानकारी भी दी।

क्या है फिल्म का नाम?

सूरज बड़जात्या की अगली फिल्म का नाम आधिकारिक तौर पर 'ये प्रेम मोल लिया' रखा गया है। फिल्म के प्रोडक्शन हाउस राजश्री फिल्म्स ने सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की और इसे एक फैमिली एंटरटेनर बताया है।

फिल्म की स्टार कास्ट

इस फिल्म में आयुष्मान खुराना और शरवरी लीड रोल में नजर आएंगे। अब तक इस प्रोजेक्ट की ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई थी, लेकिन मंगलवार सुबह मेकर्स ने फिल्म का टाइटल और रिलीज डेट दोनों अनाउंस कर दिए।

हिमेश रेशमिया देंगे म्यूजिक

फिल्म का म्यूजिक हिमेश रेशमिया तैयार कर रहे हैं। राजश्री फिल्म्स इस फिल्म को महावीर जैन फिल्म्स के साथ मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। आने वाले हफ्तों में फिल्म से जुड़ी और जानकारी सामने आने की उम्मीद है।

'अब मैं बस वरुण का पापा रहूंगा'

डेविड धवन की आखिरी फिल्म होगी 'है जवानी तो इश्क होना है'? डायरेक्टर बोले-

डेविड धवन की आने वाली फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, लेकिन इससे पहले डायरेक्टर ने बड़ा बयान दिया जो चर्चा का विषय बन गया है। हाल ही में 'है जवानी तो इश्क होना है' फिल्म का टीजर रिलीज किया गया था। इस फिल्म को डेविड धवन ने डायरेक्ट किया है। फिल्म जल्द ही थिएटर्स में रिलीज होगी, लेकिन इससे पहले डेविड ने अपने करियर से जुड़ा एक बड़ा बयान दिया है, जो अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। जानिए उन्होंने क्या कहा।

एएनआई को दिए एक इंटरव्यू में डेविड धवन ने कहा कि 'है जवानी तो इश्क होना है' फिल्म उनकी आखिरी फिल्म हो सकती है। अपने स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि अब मुझे और फिल्में करना चाहिए।

राजा शिवाजी' के ट्रेलर लॉन्च पर छलके रितेश के आंसू

अभिनेता रितेश देशमुख की बहुप्रतीक्षित पीरियड ड्रामा फिल्म 'राजा शिवाजी' का ट्रेलर सोमवार को जारी कर दिया गया। यह फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित ऐतिहासिक पीरियड ड्रामा है, जो मई 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। ट्रेलर लॉन्च के लिए मुंबई में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान फिल्म की पूरी टीम मौजूद नजर आई। इस दौरान रितेश और जेनेलिया काफी भावुक नजर आए। दोनों की आंखों में आंसू साफ नजर आ रहे थे। भावुक रितेश ने कहा, 'मैंने पहले सभी से कहा था कि अपने रुपए संभालकर रखिए। हमारे सिर पर छत्रपति शिवाजी महाराज का हाथ है। मुझे अच्छे से याद है कि स्कूल के समय एनुअल डे के दौरान बांसुरी बजाई थी और एक राजा का रोल भी किया था। वही मेरा घर था। आज वही शिवाजी महाराज का सैनिक इस मंच पर खड़ा है। महाराज की कृपा से मुझे आप सभी की तरफ से जोरदार तालियां मिल रही हैं। चाहे मंच हो, दिवाली हो, शिव जयंती हो या कोई भी नाटक-कला का रूप हो, वह इंसान बहुत भाग्यशाली होता है जिसे कोई किरदार निभाने का मौका मिलता है। मुझे यह मौका बचपन में ही मिल गया था। ' उन्होंने आगे कहा, 'जियो स्टूडियोज और ज्योति देशपांडे ने इस प्रोजेक्ट में पूरा जोर लगाया है। मैं उनका बहुत आभारी हूं। संजू सर का भी मैं दिल से शुक्रिया अदा करता हूं। ' अभिनेता संजय दत्त ने भी फिल्म को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'यह फिल्म बहुत खास है। रितेश मेरा छोटा भाई जैसा है। मैं खुश हूं कि हमारे पिता के समय से ही हमारा परिवार एक दूसरे से जुड़ा हुआ है। इस फिल्म में काम करके मुझे बहुत अच्छा लगा। ज्योति और पूरी टीम को बहुत बहुत धन्यवाद। ' अभिनेता अभिषेक बच्चन ने ट्रेलर की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, 'ट्रेलर देखकर मेरे रोंगटे खड़े हो गए। ज्योति, रितेश और पूरी टीम को शानदार फिल्म बनाने के लिए बधाई। इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं बल्कि, एक भावना है।

एक नजर

फायर सर्विस ने त्वरित कार्रवाई से जंगल की आग पर पाया काबू

अल्मोड़ा। रानीखेत क्षेत्र में जंगल में लगी आग को अग्निशमन विभाग की त्वरित कार्रवाई से समय रहते बुझा लिया गया, जिससे एक बड़ी घटना टल गई। मंगलवार रात हल्द्वानी रोड स्थित शिवानी होटल के समीप जंगल में आग लगने की सूचना अग्निशमन केंद्र रानीखेत को मिली। आग तेजी से फैलते हुए नजदीकी गांव और रिसोर्ट की ओर बढ़ रही थी। सूचना मिलते ही फायर सर्विस की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति का आकलन करते हुए स्थानीय लोगों के सहयोग से आग बुझाने का कार्य शुरू किया। फायर कर्मियों ने छह होज लाइन बिछाकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। आग की तीव्रता अधिक होने के कारण समीप स्थित रिसोर्ट से भी पाइप के माध्यम से पानी की व्यवस्था कर लगातार बुझाने का कार्य जारी रखा गया। फायर सर्विस कर्मियों की तत्परता और मेहनत के चलते आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि या संपत्ति को नुकसान नहीं हुआ।

जंगल में लापता महिला गुफा से सकुशल बरामद

अल्मोड़ा। जंगल में चारा लेने गई एक महिला के लापता होने के बाद वन विभाग की टीम ने खोजबीन कर उसे सकुशल बरामद कर लिया। घटना से क्षेत्र में कुछ समय के लिए दहशत का माहौल बन गया था। ग्राम भेटुली, पोस्ट अयारपानी निवासी पूजा मंगलवार शाम को जंगल चारा लेने गई थी, लेकिन देर तक घर नहीं लौटी। बुधवार तड़के ग्रामीणों ने इसकी सूचना दी, जिसके बाद परिजनों ने किसी वन्य जीव के हमले की आशंका जताई। सूचना मिलते ही वन क्षेत्राधिकारी बिन्सर मनोज सनवाल के नेतृत्व में टीम गठित कर खोजबीन शुरू की गई। टीम ने ग्रामीणों द्वारा बताए गए क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान चलाया। खोजबीन के दौरान महिला को उसके घर से करीब एक किलोमीटर दूर बिन्सर वन्यजीव विहार के कफड़खान बीट क्षेत्र में स्थित एक गुफा से सुबह करीब साढ़े छः बजे सकुशल बरामद कर लिया गया। इसके बाद महिला को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। वन विभाग की त्वरित कार्रवाई पर ग्रामीणों ने सराहना व्यक्त की है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने लगाया जागरूकता शिविर

पिथौरागढ़। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से दयानंद इंटर कॉलेज में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान सचिव मंजू देवी ने छात्र–छात्राओं को साइबर क्राइम के बारे में जानकारी दी। इस दौरान सचिव ने छात्र–छात्राओं से कहा कि साइबर अपराध फर्जी ईमेल, मैसेज भेजकर आपकी निजी जानकारी पास–वर्ड, बैंक डिटेल्स चुराना, सोशल मीडिया पर किसी को डरा धमका कर किया जाता है। कहा इससे बचाव के लिए हमें अंजान लिंक पर क्लिक नहीं करना चाहिए।

पुलिस ने गिरा हुआ मोबाइल व डीएल लौटाया

पिथौरागढ़। कनालीछीना पुलिस ने एक व्यक्ति का गिरा हुआ मोबाइल व डीएल लौटाकर उसे राहत पहुंचाई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार कनालीछीना में ड्यूटी के दौरान कांस्टेबल पंकज पंगरिया को रास्ते में एक मोबाइल व डीएल गिरा हुआ मिला। जिसके बाद पंगरिया ने व्यक्ति की ढूंढकर कर मोबाइल व डीएल को उसके वास्तविक स्वामी को लौटा दिया है।

साइबर अपराध को लेकर जागरूक किया

पिथौरागढ़। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से दयानंद इंटर कॉलेज में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान सचिव मंजू देवी ने छात्र–छात्राओं को साइबर क्राइम के बारे में जानकारी दी। इस दौरान सचिव ने छात्र–छात्राओं से कहा कि साइबर अपराध फर्जी ईमेल, मैसेज भेजकर आपकी निजी जानकारी पास–वर्ड, बैंक डिटेल्स चुराना, सोशल मीडिया पर किसी को डरा धमका कर किया जाता है। कहा इससे बचाव के लिए हमें अंजान लिंक पर क्लिक नहीं करना चाहिए।

शुक्रवार को देहरादून में भाजपा करेगी प्रदर्शन

ऋषिकेश। सदन में नारी शक्ति वंदन बिल गिरने पर भाजपा कार्यकर्ताओं में आक्रोश है। उन्होंने इसे कांग्रेस और विपक्षी दलों की महिलाओं की हिस्सेदारी और देश की नीति निर्धारण में भूमिका को रोकने की साजिश करार दिया है। इसको लेकर 24 अप्रैल को देहरादून और प्रदेश के सभी मंडलों में भाजपा कार्यकर्ता प्रदर्शन करेंगे। बुधवार को रेलवे रोड स्थित पार्टी कार्यालय में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने यह जानकारी दी। उन्होंने संसद में नारी शक्ति वंदन बिल गिरने पर कांग्रेस और विपक्षी दलों को जमकर कोसा। उन्होंने कहा कि इनकी नीयत में ही महिला सम्मान नहीं है। ऐसा होता, तो वह इस बिल के समर्थन में खड़े होते। विपक्ष का यह कदम महिलाओं के प्रति उनके असम्मान की भावना का साफ जाहिर करता है। कहा कि देहरादून में प्रदर्शन के बाद कांग्रेस नेताओं का जवाब देना तक मुश्किल जाएगा। नसीहत दी, कि अभी समय है कि कांग्रेस के राज्य के नेता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व दबाव बनाएं। उन्हें यह समझाए कि यह बिल आखिर महिलाओं के लिए कितना फायदेमंद है। भट्ट ने यह भी बताया कि जल्द ही नगर निकायों और पंचायतों में इस बिल के गिरने पर निंदा प्रस्ताव भी पारित होते नजर आएंगे। वहीं, राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने भी इस मामले में कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दलों की भूमिका पर सवाल उठाए।

लोडर की चपेट में आने से ढाई साल के बच्चे की मौत

हरिद्वार। भगवती विहार कॉलोनी में मंगलवार शाम दर्दनाक हादसे में ढाई साल के मासूम की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में कोहराम मच गया। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार को कॉलोनी में एक शादी समारोह चल रहा था, जहां टेंट हाउस का सामान उतारने के लिए लोडर वाहन आया हुआ था। आरोप है कि इसी दौरान चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए घर से बाहर खेल रहे भगवती विहार निवासी नवीन चंद्र गौड़ के पुत्र विनायक उर्फ गोली को टक्कर मार दी। घटना के बाद घायल बच्चे को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मासूम की मौत से परिवार में मातम छा गया है।

श्रद्धालुओं को सहज एवं सुगम यात्रा अनुभव प्रदान करना प्रशासन की प्राथमिकता

बदरीनाथ धाम की यात्रा को लेकर डीएम एवं एसपी ने किया पुलिस अधिकारियों और जवानों को ब्रीफ

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : बद्रीनाथ धाम के कपाट 23 अप्रैल 2026 को प्रातः 6 बजकर 15 मिनट पर श्रद्धालुओं के लिए दर्शनार्थ हेतु खोल दिए जायेंगें। श्री बद्रीनाथ धाम में दर्शन हेतु आने वाले श्रद्धालुओं/पर्यटकों की सुरक्षा एवं सुरक्षित यात्रा हेतु जिला प्रशासन और पुलिस की ओर से सभी व्यवस्थाएं चाक चौबंद कर दी गई हैं। यात्रा तैयारियों को अन्तिम रूप देते हुए बुधवार को जिलाधिकारी गौरव कुमार एवं पुलिस अधीक्षक चमोली सुरजीत सिंह पंवार ने चारधाम यात्रा ड्यूटी में नियुक्त समस्त पुलिस बल की श्री बद्रीनाथ धाम स्थित कृष्ण प्रणामी हॉल में ब्रीफिंग की गई।

इस दौरान जिलाधिकारी चमोली गौरव कुमार ने ड्यूटी का निर्वहन ईमानदारी से करने की बात कही। ताकि धाम पहुंचने वाले तीर्थयात्री एक सुखद

अनुभव लेकर धाम से लौटें। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को सहज एवं सुगम यात्रा अनुभव प्रदान करना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी को यात्रियों के साथ विनम्र एवं मृदु व्यवहार रखने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक चमोली ने अपने संबोधन में स्पष्ट निर्देश दिए कि चारधाम यात्रा पर आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु के लिए ऐसी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए, जिससे उनकी यात्रा सरल, सुगम एवं सुरक्षित हो। उन्होंने कहा कि भीड़ नियंत्रण के साथ-साथ यात्रियों के साथ ह्नअतिथि देवो भवःह्व एवं उत्तराखंड पुलिस की थीम ह्नमित्रता, सेवा, सुरक्षाह्व की भावना के अनुरूप व्यवहार किया जाए, ताकि श्रद्धालु उत्तराखंड से सकारात्मक अनुभव लेकर लौटें। इस दौरान पुलिस उपाधीक्षक चमोली मदन सिंह बिष्ट द्वारा बाहरी जनपदों से आए पुलिस बल को जनपद की भौगोलिक परिस्थितियों और चारधाम यात्रा हेतु तैयार किए गए विस्तृत यातायात प्लान की विस्तृत जानकारी दी।

गोल्ज्यू यात्रा का पुष्प वर्ष से साथ किया भव्य स्वागत

उत्तरकाशी। बड़ेथी में गोल्ज्यू यात्रा के आगमन पर श्रद्धा और उत्साह का माहौल देखने को मिला। विभिन्न धार्मिक व सामाजिक संगठनों ने पुष्प वर्षा के साथ यात्रा का भव्य स्वागत किया। वहीं, जयकारों के साथ श्रद्धालुओं ने गोल्ज्यू के रथ में देव डांगरों का पूजन वंदन किया। बुधवार को गोल्ज्यू यात्रा बड़ेथी राजराजेश्वरी मंदिर में पहुंची। श्रद्धालुओं और जनप्रतिनिधियों ने जयकारों के साथ रथ यात्रा का स्वागत किया। इस मौके पर यात्रा के संरक्षक पूर्व मंत्री लाखीराम जोशी ने बताया कि अपनी धरोहर न्यास के सहयोग से तीसरी बार यात्रा उत्तराखंड भ्रमण पर है। 19 अप्रैल से 9 मई तक 3500 किमी लंबी यात्रा का उद्देश्य उत्तराखंड की अपनी सांस्कृतिक विरासत आगे संरक्षण और संवर्धन के साथ आम लोगों से रूबरू कराया जाना है। गोल्ज्यू यात्रा राजराजेश्वरी मंदिर बड़ेथी से बौखनाग मंदिर सिलक्यारा, शिव गुफा, मातली के लिए रवाना हुई जो रात्रि विश्राम सुदामा कुटिया बड़ेथी में करेगी। इस मौके पर महामंडलेश्वर स्वामी रामकिशोर दास त्यागी, यमुनोत्री के पूर्व विधायक केदार सिंह रावत, पूर्व मंत्री ज्ञानचंद, विजय भट्ट, कमल सिंह जीना, दीपचंद पांडेय, पूर्व सभासद प्रियंका बडोनी मौजूद रहे।

लमगड़ा की किरण बिष्ट ने स्वरोजगार से बनाई पहचान

अल्मोड़ा। लमगड़ा क्षेत्र की निवासी किरण बिष्ट स्वरोजगार के जरिए महिला सशक्तिकरण की मिसाल बनकर उभरी हैं। उन्होंने अपने प्रयासों से न केवल खुद को आत्मनिर्भर बनाया, बल्कि क्षेत्र की अन्य महिलाओं को भी रोजगार से जोड़ने का कार्य किया है। किरण बिष्ट ने वर्ष 2021 में सिलाई कार्य से शुरुआत की और धीरे–धीरे अपने कार्य का विस्तार करते हुए लमगड़ा बाजार में सिलाई, बुनाई और कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया। इस केंद्र के माध्यम से क्षेत्र की महिलाओं और युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे उन्हें स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर मिल रहे हैं।

फाउंड्री गेट के पास युवकों पर हमला, फायरिंग में एक घायल

हरिद्वार। रानीपुर क्षेत्र स्थित फाउंड्री गेट के पास मंगलवार देर रात ड्यूटी पर जा रहे दो युवकों पर हथियारबंद युवकों ने हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने मारपीट के साथ फायरिंग भी की, जिसमें एक युवक के हाथ में गोली लग गई। घायल को गंभीर हालत में एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया है। पुलिस ने नौ नामजद और एक अज्ञात आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है, जबकि एक युवक को हिरासत में लिया गया है। ज्वालापुर के आर्यनगर निवासी हन्नी ने तहरीर देकर बताया कि वह 21 अप्रैल की रात दोस्त वंशु के साथ स्कूटी से सिडकुल स्थित कंपनी में ड्यूटी पर जा रहे थे। रात करीब 10:30 बजे फाउंड्री गेट के पास उन्हें नोमान कुरैशी, सत्यम, वेदांत, उमर गुर्जर, अनमोल बक्शी, नितिश, मुकुल, फरहान, भानु प्रताप गोयल समेत अन्य युवक मिल गए। आरोप है कि उनके हाथों में तमंचे, चाकू और लाठियां थी। हन्नी का आरोप है कि सभी आरोपियों ने दोनों को रोककर गाली–गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी।

गंगोत्री हाईवे पर ज्ञानसू, नेताला में धूल के गुबार से राहगीर परेशान

उत्तरकाशी। गंगोत्री और यमुनोत्री हाईवे पर पर उड़ती धूल से यातायात प्रभावित हो रहा है। यमुनोत्री हाईवे पर पाली गाड से जानकीचट्टी तक चल रहे सड़क चौड़ीकरण कार्य के चलते करीब 25 किलोमीटर हिस्से में कहीं धूल के गुब्बार तो कहीं कीचड़ पसरा है। वहीं गंगोत्री हाईवे पर रतूड़ी सेरा, ज्ञानसू, नेताला, मनेरी, भटवाड़ी आदि जगहों पर उड़ती धूल से राहगीरों के साथ ही व्यापारी भी परेशान हैं। यमुनोत्री हाईवे पर निर्माण कार्य एजेंसी की ओर से अनियंत्रित कटिंग और पानी की निकासी की उचित व्यवस्था न होने से हालात और बिगड़ गए हैं। फूलचट्टी सहित कई स्थानों पर वाहन फंस रहे हैं जिससे यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय वाहन चालकों का कहना है कि सड़क की हालत इतनी खराब है कि गाड़ियों को नुकसान पहुंच रहा है और जोखिम बढ़ गया है। एनएच के ईई मनोज रावत ने बताया कि संबंधित कार्यदाई संस्था को सड़क पर पानी का छिड़काव करने और गड्ढों वाले हिस्सों में आरबीएम डालकर मार्ग को दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला मुख्यालय से लगे ज्ञानसू कस्बे में हाईवे सबसे ज्यादा धूल उड़ रही है जिससे व्यापारी भी परेशान हैं। सभासद मनीष पंवार ने बताया कि ज्ञानसू में यात्रा शुरू होने पर वाहनों का दबाव बढ़ा है। जगह–जगह निर्माण सामग्री की ढेर भी हैं। इसी तरह नेताला भूस्खलन जोन और भटवाड़ी में धूल के गुबार से लोग परेशान हैं।

चारधाम यात्रा के दौरान यात्री क्लाइमेटाईजेशन का रखें ध्यान : महाराज

पर्यटन मंत्री ने श्री केदारनाथ धाम के कपाट खुलने पर दी शुभकामनाएं

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : प्रदेश के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने श्री गंगोत्री एवं श्री यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के बाद बुधवार को वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, सप्तमी तिथि को श्री केदारनाथ धाम के कपाट खुलने पर श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालु क्लाइमेटाईजेशन का ध्यान अवश्य रखें। क्योंकि जल्दबाजी में यात्रा करना स्वास्थ्य पर विपरित प्रभाव डाल सकता है।

प्रदेश के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि गंगोत्री, यमुनोत्री और केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के बाद गुरुवार को श्री बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने के साथ ही देवभूमि उत्तराखंड स्थित चारों धामों की यात्रा विधिवत् रुप से प्रारंभ हो जायेगी। उन्होंने कहा कि श्री केदारनाथ धाम बारह ज्योतिर्लिंग और पंच केदार में सबसे प्रमुख है। मान्यता है कि महाभारत युद्ध के बाद पांडव गोत्र हत्या के पाप से मुक्ति के लिए शिव को खोज रहे थे। शिव

बैल बनकर गुप्तकाशी में छुप गए। भीम ने पहचान लिया तो शिव जमीन में धंसने लगे। भीम ने पीठ पकड़ ली, वही हिस्सा केदारनाथ में प्रकट हुआ। जबकि तुंगनाथ में उनकी बाहें, रुद्रनाथ में मुख, मध्यमहेश्वर में नाभि, कल्पेश्वर में जटा निकली। इसीलिए भगवान केदारनाथ जी के कपाट खुलने के साथ ही पंच केदार यात्रा का भी शुभारंभ हो जाता है। पर्यटन मंत्री ने कहा कि यात्रा मार्ग पर सार्वजनिक शौचालय और पीने के पानी के पर्याप्त इंतजाम के साथ-साथ मेडिकल सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में चारधाम यात्रा पर आने का अनुरोध करते हुए कहा कि श्रद्धालु चारधाम यात्रा के दौरान क्लाइमेटाईजेशन का विशेष ध्यान रखें। क्योंकि जल्दबाजी में यात्रा करना स्वास्थ्य पर विपरित प्रभाव डालता है। धीरे-धीरे ऊंचाई की तरफ बढ़ें, रास्ते में पड़ने वाले प्राकृतिक नजारों का आनंद लेते हुए पौराणिक तीर्थों और मंदिरों के दर्शनों का लाभ उठायें। तभी आपकी यात्रा सफल और यादगार रहेगी। उन्होंने कहा कि चारों धाम दस से बारह हजार फीट की ऊंचाई पर हैं। मैदान से सीधे वहां पहुंचने पर एक्यूट माउंटेन सिकनेस के कारण सिरदर्द, उल्टी, सांस फूलना आदि समस्या हो सकती है। इसलिए हर 2-3 हजार फीट पर 1 दिन अवश्य रुकें। इससे शरीर ऑक्सीजन के लेवल का आदी हो जाएगा और यात्रा सुगम एवं सुरक्षित रहेगी।

ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए बनाए गये है 70 काउंटर

पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सरकार ने चारधाम यात्रा के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही तरह से रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था की है।

ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए कुल 70 काउंटर बनाने गये हैं। ये सभी काउंटर दिन-रात यानी पूरे 24 घंटे काम कर रहे हैं, ताकि किसी भी यात्री को परेशानी न हो। रजिस्ट्रेशन स्थलों पर श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए सरकार ने पर्याप्त इंतजाम किए हैं।

श्री महाराज ने कहा कि श्रृद्धालु यात्रा के दौरान होम स्टे में रुक कर उत्तराखण्ड के भोजन मंडुए की रोटी, गहत की दाल, चौसा, फाणू, पहाड़ी सब्जी, हल्के और सुपाच्य भोजन का लाभ भी उठा सकते हैं।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

रोबर्स रेंजर का प्रशिक्षण शिविर में दी विभिन्न जानकारियां

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में चल रहे तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन के प्रथम सत्र में जिला आयुक्त पौड़ी श्रीमती शांति रतूड़ी द्वारा रोबर्स/रेंजर्स को बेडन पावेल के 6 व्यायाम करवाये गये ध्वज शिष्टाचार के साथ प्रशिक्षण आगे बढ़या गया । डॉ अनुपम कोठरी द्वारा मेंटल और फिजिकल बैलेस के लिये बिभिन्न आसन जिसमे तड़ासन वृक्षासन गरुड़ासन मंडूकासन ब्रजआसन आदि रोबर्स रेंजर्स को सिखाये गये साथ ही मानसिक सामाजिक आध्यात्मिक प्रभाओं के बारे में भी जानकारी दी गयी । तद पश्चात् जल पान के बाद शिक्षण कार्य प्रारम्भ किया गया जिसमे संगठन के बारे में जानकारी दी गयी। झंडा प्रार्थना नियम प्रतिज्ञा बयां हाथ मिलाना सेल्यूट तथा झंडे के प्रकार बताये गये द्वितीय सत्र में रोबर्स / रेंजर्स को जिला आयुक्त रोबर्स रेंजर्स शांति रतूड़ी द्वारा प्राथमिक उपचार के बारे में जानकारी दी गयी जिसमे बिभिन्न प्रकार की पट्टीयां स्ट्रेक्चर निर्माण को बताया गया तथा प्रशिक्षक रूप चंद्र लखेड़ा द्वारा विभन्न प्रकार की गांठों की जानकारी दी गयी । प्रशिक्षण के दौरान रोबर्स रेंजर्स को वर्तमान समय में बिगनर्स कोर्स की अहम भूमिका से अवगत कराया । प्रशिक्षण कार्यक्रम में रेंजर्स प्रभारी डॉ सुषमा भट्ट, रोबर्स प्रभारी डॉ जुनिश कुमार, डॉ भगवत सिंह रावत डॉ सुरभि मिश्रा, डॉ जेसी भट्ट, डॉ नंदी गड़िया डॉ मीनाक्षी वर्मा, डॉ सुनीता नौटियाल, डॉ मनोरथ प्रसाद नौगाई,डॉ अजीत सिंह, डॉ संदीप कुमार, डॉ एसके गुप्ता, डॉ प्रीति रानी डॉ अंशिका वंसल , डॉ डीके मौर्य ,अरविन्द दुदपुड़ी ,राकेश कुमार ,समस्त प्रतिभागी छात्र छत्राएं उपस्थित थे।

बिन्दुखत्ता को राजस्व ग्राम घोषित किए जाने की मांग तेज

रुद्रपुर(। बिन्दुखत्ता को राजस्व ग्राम घोषित किए जाने की लंबे समय से उठ रही मांग अब जनांदोलन का रूप लेती नजर आ रही है। वन अधिकार समिति और पूर्व सैनिक संगठन के संयुक्त तत्वावधान में प्रस्तावित तीन दिवसीय कार्यक्रम 'जन–जन की सरकार, कब आएगी बिंदुखत्ता के द्वार' को लेकर क्षेत्र में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है।

संगठन के पदाधिकारी घर–घर जाकर और जनप्रतिनिधियों से संपर्क कर लोगों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक भागीदारी की अपील कर रहे हैं। बिंदुखत्ता ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रदीप बथयाल, लालकुआं नगर पंचायत अध्यक्ष सुरेंद्र लौटनी और पूर्व कैबिनेट मंत्री हरीश चंद्र दुर्गापाल समेत कई जनप्रतिनिधियों से मिलकर समर्थन जुटाया गया।

आयोजकों के अनुसार, कार्यक्रम 4 से 6 मई तक शहीद स्मारक बिंदुखत्ता में होगा। 4 मई को सुबह 8 बजे से क्रमिक अनशन शुरू

होगा, जो 6 मई को विशाल जनसभा के साथ समाप्त होगा। इस दौरान प्रतिदिन सुबह–शाम सत्र आयोजित कर सरकार और प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाएगा, ताकि राजस्व ग्राम घोषित करने और वन अधिकार कानून 2006 जैसे मुद्दों पर चर्चा हो सके। जनसंपर्क अभियान में उमेश चंद्र भट्ट, एडवोकेट बलवंत बिष्ट, भुवन शर्मा, बसंत पांडे, भूपेश जोशी, कुंवर सिंह पवार, अर्जुन नाथ गोस्वामी, कैप्टन इंद्र सिंह पनेरी सेनि., कैप्टन प्रताप सिंह बिष्ट सेनि., दीपक नेगी और रणजीत सिंह गाड़िया सहित कई कार्यकर्ता सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। इस बीच, पूर्व कैबिनेट मंत्री हरीश चंद्र दुर्गापाल ने एक वीडियो संदेश जारी कर क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे बड़ी संख्या में कार्यक्रम में पहुंचकर अपनी आवाज को मजबूत करें, ताकि वर्षों से लंबित मांग को निर्णायक दिशा मिल सके।

आईपीएल में आज होगा सीएसके और मुम्बई इंडियंस में मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग के इस 19 वे सत्र में दो पूर्व चैम्पियनों चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और मुम्बई इंडियंस के बीच गुरुवार को यहां के वानखेड़े स्टेडियम में मुकाबला होगा। इस सत्र में इन दोनो ही टीमों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। ऐसे में दोनो का ही लक्ष्य ये मैच जीतना रहेगा। मुम्बई की टीम अपने घरेलू मैदान पर उतरेगी। ऐसे में उसे प्रबल दावेदार माना जा रहा है। इस सत्र में दोनो ही टीमों ने अब तक छह में से केवल दो-दो मुकाबले ही जीते है। मुंबई इंडियंस को तीन मैचों में उन्हें लगातार हार का सामना करना पड़ा है हालांकि गुजरात टाइटंस के खिलाफ पिछले मैच में तिलक वर्मा के शानदार शतक से उसे जीत मिली थी जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। इससे टीम अंक तालिका में 7वें स्थान पर है। वहीं सीएसके 8वें स्थान पर है। मुम्बई की बल्लेबाजी तिलक के अलाव सूर्यकुमार यादव और कप्तान हार्दिक पंड्या पर आधारित रहेगी। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा फिट नहीं होने के कारण इस मैच में भी नहीं खेलेंगे जिससे भी टीम को झटका लगा है। टीम की गेंदबाजी भी इसबार प्रभावी नहीं रही है। मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी इस बार असफल रहे हैं, इससे भी टीम की चिन्ताएं बढ़ी हैं। वहीं सीएसक की बात करें तो उसकी बल्लेबाजी ओर गेंदबाजी भी अच्छी नहीं रही है हालांकि इस मैच में अनुभवी पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की वापसी की संभावनाओं को लेकर टीम में उत्साह है। कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के खराब फार्म से टीम की परेशानी बढ़ी है। अब तक उसकी ओर से केवल संजू सैमसान ने दो अर्धशतक लगा पाये हैं। ऐसे में उनसे इस मैच में भी अच्छी बल्लेबाजी की उम्मीद रहेगी। गेंदबाजी की कमान अंशुल कंबोज के पास रहेगी। कंबोल ने इस सत्र में सबसे अधिक 13 विकेट लेकर पर्पल कैप की दौड़ में शीर्ष स्थान हासिल

किया है। ऐसे में मुम्बई के बल्लेबाजों को उनसे सावधान रहना होगा। दोनो टीमों के आंकड़ों पर नजर डालें तो इनमें कुल 39 मुकाबले हुए हैं जिसमें से मुम्बई ने 21 मैच जीते हैं, जबकि सीएसके ने 18 जीते हैं। इस प्रकार देखा जाये तो मुकाबला करीबी रहा है। मुम्बई की पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल है, ऐसे में यहां बड़े स्कोर बनना तय है।

टीम इस प्रकार है

चेन्नई सुपर किंग्सः रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), उर्विल पटेल, डेवाल्ड ब्रेविस, सरफराज खान, शिवम दुबे, एमएस धोनी, जेमी ओवरटन, अकील होसेन, अंशुल कंबोज, नूर अहमद।

इम्पैक्ट प्लेयरः गुरजापनीत सिंह

मुंबई इंडियंसः हार्दिक पंड्या (कप्तान), दानिश मालेवार, क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), नमन धीर, सूर्यकुमार यादव,तिलक वर्मा, शेरफेन रदरफोर्ड, मिशेल सेंटनर, कृष भगत, जसप्रीत बुमराह, एएम गजनफर।

इम्पैक्ट प्लेयरः अश्वनी कुमार

धोनी वापसी के लिए तैयार नजर आ रहे, बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग का किया अभ्यास

मुम्बई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी अब गुरुवार को यहां मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मैच में वापसी कर सकते हैं। इसका संकेत इससे मिलता है कि धोनी ने गत दिवस वानखेड़े स्टेडियम में जमकर विकेटकीपिंग का अभ्यास किया। इसके बाद उन्होंने नेट्स में बल्लेबाजी की। धोनी के अलावा सरफराज खान और उर्विल पटेल ने भी अभ्यास किया। आयुष म्हात्रे के टूर्नामेंट से बाहर होने के कारण इस मैच में युवा उर्विल को भी अवसर मिल सकता है। धोनी ने अब तक इस सत्र में एक भी मैच नहीं खेला है। जिससे सीएसके का प्रदर्शन बेहद खराब हुआ है। अभी टीम अंक तालिका में आठवें स्थान पर है और उनका नेट रन रेट भी निगेटिव है। ऐसे में अगर धोनी को टीम में जगह मिलती है तो ये टीम के लिए फायदेमंद होगा। धोनी निचले क्रम में छोटी-छोटी पारियां खेलते हैं, तो यह सीएसके के लिए बड़ा फायदमंद होगा क्योंकि इस सत्र में सीएसके की बल्लेबाज काफी कमजोर रही है। .वहीं मुंबई इंडियंस की ओरे इंग्लैंड के विल जैक्स भी टीम में वापसी करेंगे। जैक्स ने निजी कारणों से अब तक के मैच नहीं खेले थे। इस खिलाड़ी के आने से मुंबई इंडियंस को लाभ होगा। इस मैच में अगर रोहित शर्मा नहीं खेलते हैं, तो जैक्स को क्विंटन डिकॉक के साथ पारी शुरु करने का अवसर मिल सकता है।

अब तक खेलने का अवसर नहीं मिलने से निराश नहीं हैं होल्डर

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल में गुजरात टाइटंस टीम में शामिल वेस्टइंडीज के अनुभवी ऑलराउंडर जेसन होल्डर ने कहा है कि अब तक अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिलने से निराश नहीं हैं। होल्डर ने कहा है कि वह अपनी ओर से पूरी तरह तैयार हैं और जो भी अवसर मिलेगा उसमें बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करेंगे। होल्डर के अनुसार उनका मुख्य काम केवल अपने को तैयार रखना है। अंतिम ग्यारह में किसे अवसर मिलता है ये उसका काम नहीं है।

वहीं होल्डर को अब तक अवसर नहीं मिलने से सभी हैरान हैं। इस सत्र में वह अब तक एक भी मैच नहीं खेल पाये हैं। इस क्रिकेटर ने कहा , कब खेलना है, कौन खेलेगा इन बातों में वह नहीं पड़ते। उन्होंने जोर देकर कहा कि टीम की जरूरतें उनके लिए सबसे ऊपर हैं और वह किसी भी भूमिका के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। चाहे वह बल्लेबाजी क्रम में कोई भी स्थान हो या गेंदबाजी में , होल्डर का कहना है कि अब उनका ध्यान हालातों के अनुसार अपेन को ढालने पर है। टीम जहाँ भी उन्हें इस्तेमाल करेगी, वही उनके लिए सही भूमिका होगी।

टाइटंस ने अब तक के मैचों में अन्य विदेशी खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी है पर इस ऑलराउंडर को अवसर नहीं दिया है। हाल ही में मुंबई इंडियंस के खिलाफ मिली हार के बाद टीम संयोजन में बदलाव की संभावना प्रबल हो गई है, जिससे होल्डर जैसे खिलाड़ियों को मौका मिलने की उम्मीद बढ़ गई है। होल्डर ने बताया, हारना हमेशा कठिनहोता है, लेकिन हमने ड्रेसिंग रूम में बैठकर सुधार के रास्तों पर चर्चा की है। उन्होंने टीम के साथियों में भरोसा जताते हुए कहा कि वे अगले मैचों में निश्चित रूप से बेहतर प्रदर्शन करेंगे और उनका पूरा ध्यान अब मजबूत वापसी पर केंद्रित है।

खतरनाक पिच के कारण रद्द हुआ मैच, सील्स नहीं बना पाये रिकार्ड

जमैका (एजेंसी)। वेस्टइंडीज में पारी प्रथम श्रेणी क्रिकेट लीग में त्रिनिदाद एंड टोबैगो के युवा तेज गेंदबाज जेडन सील्स के पास 10 विकेट लेने का अवसर था पर वह ये उपलब्धि हासिल नहीं कर पाये। सील्स लीवार्ड आइलैंड की पूरी टीम को अकेले ऑलआउट करने जा रहे थे पर इस मैच को बीच में ही रोकने के बाद रद्द कर दिया गया। इससे सील्स एक ऐतिहासिक रिकार्ड बनाने से रह गया। मैच रद्द होने का कारण पिच का खतरनाक और अप्रत्याशित व्यवहार था, जिसने खिलाड़ियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए।

यह वाकया लीवार्ड आइलैंड और त्रिनिदाद एंड टोबैगो के बीच खेला जा रहा था। इसमें लीवार्ड आइलैंड ने अपनी पहली पारी में 131 रन बनाए थे, जिसके जवाब में त्रिनिदाद एंड टोबैगो ने 175 रन बनाकर बढ़त हासिल की। जब लीवार्ड आइलैंड दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए उतरी, तो पिच काफी अजीब व्यवहार कर रही थी। गेंद कभी बेहद नीची रहती, तो कभी असामान्य उछाल लेती, जिससे बल्लेबाजों के लिए खेलना बेहद कठिन हो गया था। इस चुनौतीपूर्ण माहौल में, त्रिनिदाद एंड टोबैगो के पेसर जेडन सील्स ने कहर बरपाना शुरू कर दिया। पहली पारी में तीन विकेट लेने वाले सील्स ने दूसरी पारी में अपनी रफ्तार और सटीकता से विरोधी टीम के शुरुआती सात बल्लेबाजों को पवेलियन भेज दिया था। वे अकेले ही पूरी पूरी टीम

को आउट करने की ओर बढ़ रहे थे तभी खेल को अचानक रोक दिया गया।

मैच के बीच में रुकने का तात्कालिक कारण एक शॉर्ट पिच गेंद थी, जो लीवार्ड आइलैंड के बल्लेबाज जेरेमिया लुईस के हेलमेट पर जा लगी। गेंद की अप्रत्याशित उछाल ने लुईस को गंभीर रूप से हैरान किया। उन्होंने हेलमेट उतारा और मैदान पर ही गिर गए। इसके बाद उन्होंने निराशा में अपने हेलमेट को पैर से भी मारा, जो पिच की खतरनाक प्रकृति को स्पष्ट रूप से दिखाता था। इससे पहले भी पूरे दिन पिच पर असामान्य उछाल देखने को मिल रहा था, जिसे क्रिकेट में खतरनाक पिच की श्रेणी में रखा गया। ऐसी पिच पर खिलाड़ियों के गंभीर रूप से चोटिल होने का खतरा बहुत अधिक होता है। इस स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, मैच के तीसरे दिन ही खेल को रोकने के बाद रद्द कर दिया गया। इस फैसले से सील्स फर्स्ट क्लास क्रिकेट में पूरी टीम के दस विकेट लेने का रिकार्ड अपने नाम नहीं कर पाये।

भारतीय मूल के यूएई के क्रिकेटर यशराज ने डेब्यू मैच में किया प्रभावित

नई दिल्ली । आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेल रहे भारतीय मूल के यूएई के क्रिकेटर यश राज पुंजा ने पहले ही मैच में अपने अच्छे प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है । यश राज को 30 लाख रुपये के बेस प्राइस पर राजस्थान रॉयल्स ने खरीदा था। यश राज ने अपने डेब्यू मैच में कोलकाता नाइटराइडराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ उन्होंने चार ओवरों में एक विकेट लिया। यश राज के भाई योधिन ने भी यूएई की ओर से सबसे कम उम्र में जूनियर स्तर पर खेला है पर उसे चोटिल होने के कारण खेल छोड़ना पड़ा था। ऐसे में यश के माता-पिता नहीं चाहते थे कि वह क्रिकेट खेलें पर अपनी जिद से यश ने आईपीएल तक का सफर तय किया है। यश ने अबु धाबी में क्रिकेट खेलने की शुरुआत की थी। वह पहले तेज गेंदबाज थे पर बाद में भाई की सलाह के बाद लेग-स्पिनर बन गये। इससे उन्हें काफी फायदा हुआ। उनकी गेंदों में उछाल ओर विविधता है जिसका सामना करना किसी भी बल्लेबाज के लिए परेशानी भरा है। यश साल 2023 में क्रिकेट में कैरियर बनाने भारत आ गये। इसके बाद उन्होंने बेंगलुरु स्थित राहुल द्रविड़ एकेडमी में प्रवेश ले लिया। दो साल के बाद ही साल 2025 में हुए महाराजा टी-20 ट्रॉफी में इस क्रिकेटर ने 10 मैच में 7.45 की इकॉनमी रेट से 23 विकेट लिए और दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गये। इसके बाद यश राज को नेट गेंदबाज के तौर पर आईपीएल में अवसर मिल गया। .जिस प्रकार से ये खिलाड़ी निखर रहा है उससे भविष्य में इसके स्टार खिलाड़ी के तौर पर उभरने की संभावना है।

कप्तान के तौर पर धोनी और रोहित को टक्कर देते नजर आ रहे श्रेयस

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कप्तानी के आंकड़ों की बात करें तो चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी और मुम्बई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का रिकार्ड सबसे बेहतर माना जाता है। इन दोनों दिग्गजों ने अपनी-अपनी टीमों को पांच-पांच बार खिताब जिताया है। वहीं अब पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर इन दोनो ही दिग्गजों को टक्कर देते हुए नजर आ रहे हैं। श्रेयस ने अपनी कप्तानी में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को जीत दिलायी थी जबकि पिछली बार उनकी कप्तानी में पंजाब उपविजेता रही थी। हाल के आंकड़ों को देखें तो अय्यर कप्तानी के मामले में तेजी से आगे आये है। उन्होंने अब तक कुल 93 आईपीएल मैचों में कप्तानी की है, जिसमें उनकी टीम ने 55 मुकाबलों में जीत हासिल की है, जबकि उसे केवल 35 में ही हार मिली है। इस प्रकार उनका जीत का प्रतिशत 59.13 है, जो उन्हें आईपीएल इतिहास के सबसे सफल कप्तानों की सूची में शीर्ष स्तर पर पहुंचा रहा है। उन्होंने केकेआर और पंजाब के अलावा दिल्ली कैपिल्स की भी कप्तानी की है। धोनी ने चेन्नई सुपर किंग्स को जबकि रोहित शर्मा ने मुंबई इंडियंस को चैम्पियन बनाया पर जीत के प्रतिशत के मामले में श्रेयस इन दोनो के करीब पहुंच गये हैं। धोनी और रोहित ने जहां कई साल तक कप्तानी वहीं अय्यर कम समय में ही तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। श्रेयस एक एक परिपक्व कप्तान नजर आते है। जिस प्रकार उन्होंने साल 2024 में केकेआर की युवा टीम को एकजुट कर विजेता बनाया था उससे पता चलता है कि वह रणनीत बनाने में भी माहिर हैं। जिस प्रकार से वह आगे बढ़ रहे है उससे तय है कि आने वाले समय में वह काफी आगे निकल जाएंगे।

ला लीगा फुटबॉल में रियल मैड्रिड, बेटिस और एथलेटिक ने अपने-अपने मुकाबले जीते

मैड्रिड (एजेंसी)। यहां जारी स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा में रियल मैड्रिड, रियल बेटिस और एथलेटिक क्लब ने जीत के साथ ही खिताबी मुकाबले के लिए अपने-अपने कदम बढ़ाये हैं। रियल मैड्रिड ने जहां अलावेस को 2-1 से हराकर, वहीं रियल बेटिस ने गिरोना को 3-2 से और एथलेटिक क्लब ने ओसासुना को 1-0 से हराया। अब रियल मैड्रिड और नंबर पर चल रही बार्सिलोना के बीच अंतर कम होकर 6 अंक ही रह गया है। इससे खिताबी दौड़ और कड़े होने के संकेत मिले हैं। अब बार्सिलोना का सामना सेल्टा विगो से होगा और एटलेटिको मैड्रिड एल्चे का सामना करेगा।

मैड्रिड की टीम ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। खेल के 29वें मिनट में ही स्टार खिलाड़ी किलियन एम्बाप्पे ने एक गोल दागकर टी को 1-0 से बढ़त दिलाई। दूसरे हाफ में भी मैड्रिड हावी रही

और विनिसियस जूनियर ने एक गोल कर टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया। अलावेस के लिए टोनी मार्टिनेज ने इंजरी टाइम में एक गोल जरूर किया पर तब तक काफी देर हो गयी थी।

वहीं एक अन्य मुकाबले में, रियल बेटिस ने गिरोना को 3-2 से हराकर सात मैचों के बी पहली जीत दर्ज की। इस मैच में शुरुआती गोल गिरोना के विक्टर त्सिगांकोव ने किया पर बेटिस की ओर से मार्क रोका और अब्दे एजालजौली ने गोल दागकर अपनी टीम को जीत दिला दी। इस जीत से बेटिस की लीग में स्थिति मजबूत हुई है।

एक अन्य मैच में एथलेटिक क्लब ने भी ओसासुना के खिलाफ 1-0 से जीत हासिल की। इस जीत उसे उसपर लटक रहा रेलीगेशन का खतरा टल गया। इससे टीम ने तालिका में अपनी स्थिति को और बेहतर की है। टीम के लिए एकमात्र और निर्णायक गोल गोर्का गुरुजेटा ने किया। वहीं, टीम के गोलकीपर उनाई साइमन ने शानदार बचाव करते हुए टीम की जीत पक्की की। की, जिसने मैच का रुख बदलने में अहम भूमिका निभाई। दूसरी ओर, मैलोर्का और वालेंसिया के बीच खेला गया मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा। इससे दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला। ।

डिविलियर्स ने किया था ताजमहल के सामने प्रपोज

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एबी एबी डिविलियर्स अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण क्रिकेट जगत में छाये रहे हैं। मैदान पर चारों ओर शॉट खेलने के कारण वह मिस्टर 360 के नाम से भी लोकप्रिय रहे हैं। डिविलियर्स ने 2018 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से ये कहते हुए संन्यास ले लिया था कि उन्हें अपने परिवार के साथ समय बिताना है। उन्होंने अपने 14 साल के शानदार करियर में सबसे तेज शतक सहित कई रिकार्ड अपने नाम किये हैं। खेल के साथ ही मैदान के बाहर भी अपने अफेयर ओर शादी के लिए वह चर्चाओं में रहे हैं। इस दौरान भारत से भी उनका जुड़ाव इस कारण रहा कि उन्होंने शादी के लिए आगरा के ताजमहल के सामने प्रपोज किया था1 डिविलियर्स की पत्नी डेनियल डिविलियर्स भी एक सफल उद्यमी और सामाजिक कार्यकर्ता रही हैं। वह प्रिटोरिया में एक इंडोर प्लेग्राउंड और कैफे चलाती हैं। डेनियल अक्सर चैरिटी के कामों में सक्रिय रहती हैं; आईपीएल 2016 के दौरान उन्होंने बच्चों के लिए धन जुटाने के उद्देश्य से शेन वॉटसन के साथ एक गाना भी गाया था, जिससे पता चलता है कि वह सामाजिक जिम्मेदारियों को भी निभाती हैं। डिविलियर्स और डेनियल का अफेयर साल 2007 में हुई, जब डिविलियर्स डेनियल के माता-पिता के होटल में दोपहर के भोजन के लिए गए थे। यहीं पहली बार डिविलियर्स ने डेनियल को देखा और प्रभावित हो गये। कुछ साल बाद, डिविलियर्स के भाई की शादी में दोनों की फिर मुलाकात हुई। इस बार डेनियल की सुरीली आवाज से डिविलियर्स मुग्ध हो गये। इसके बाद दोनों के बीच दोस्ती बढ़ी और धीरे-धीरे प्यार हुआ। पांच साल तक डेटिंग के बाद इस क्रिकेटर ने डेनियल को प्रपोज कर दिया। डिविलियर्स ने साल 2012 में भारत दौरे के समय आगरा के ताजमहल के सामने घुटनों पर बैठकर डेनियल को शादी के लिए प्रपोज किया था। इस यादगार प्रस्ताव के ठीक एक साल बाद, 30 मार्च 2013 को, दोनों ने उसी होटल में शादी की, जहां उनकी पहली मुलाकात हुई थी। आज इन दोनो के तीन बच्चे अब्राहम डिविलियर्स, जॉन रिचर्ड डिविलियर्स और बेटी येंटे डिविलियर्स हैं। ये जोड़ सुखी जीवन जीत रहा है।

तिलक वर्मा ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ शतकीय पारी का राज खोला, रोहित शर्मा को दिया श्रेय

मुंबई । तिलक वर्मा ने IPL में शतक लगाकर अपनी फॉर्म में लौटने में मदद के लिए रोहित शर्मा को धन्यवाद दिया जिन्होंने मैच की स्थिति के बारे में ज्यादा सोचे बिना पहली 15-20 गेंदें खेलने के लिए कहा था। तिलक ने 101 रन बनाकर मुंबई इंडियंस को 99 रनों की बड़ी जीत दिलाई जिससे मुंबई इंडियंस ने अपने पिछले मैच में गुजरात टाइटंस को हराकर लगातार चार मैच हारने का सिलसिला तोड़ दिया। तिलक का 45 गेंदों पर बनाया गया नाबाद शतक, जिसमें आठ चौके और सात छक्के शामिल थे, एक धीमी शुरुआत के बाद आया जो एक समय 22 गेंदों पर 19 रन बनाकर खेल रहे थे। तिलक ने कहा, 'मैं खास तौर पर रोहित भाई से बात कर रहा था। उन्होंने मुझसे कहा, '15-20 गेंदें खेलो' और 'तुम जानते हो कि तुम क्या कर सकते हो।' (रोहित ने कहा) अगर तुम 15 गेंदें खेल लेते हो, तो हर कोई जानता है कि उसके बाद तुम क्या करोगे। बस स्थिति या किसी और चीज पर ध्यान मत दो, 15 गेंदें खेलो और हम देखेंगे कि नतीजा क्या होता है। इससे मुझे आत्मविश्वास मिला और मैंने अपने मन में ठान लिया कि मैं 15 गेंदें खेलूंगा और उसके बाद बाकी चीजें देखूंगा। जब मैंने वे 15 गेंदें खेल लीं, तो अपने आप ही वह सहज-ज्ञान आ गया कि अब मुझे मारना है।' तिलक ने कहा कि IPL की खराब शुरुआत के बाद उन्होंने खुद पर कोई दबाव नहीं लिया जिसमें इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 20, 0, 14, 1 और 8 रन बनाए थे। तिलक ने कहा, '(कुछ मैचों में) मुझे विकेट पर ज्यादा समय नहीं मिला और मुझे शुरू से ही तेजी से खेलना पड़ा। कभी-कभी यह मेरे पक्ष में जाता है और कभी-कभी मैं आउट हो जाता हूं, इसलिए मैंने खुद पर ज्यादा (दबाव) नहीं लिया कि मैं अच्छी फॉर्म में नहीं हूं।'

इटालियन ओपन में भी नहीं खेलेंगे ड्रेपर , फ्रेंच ओपन से कर सकते हैं वापसी

लंदन। इंग्लैंड के टेनिस स्टार जैक ड्रेपर चोटिल हो गये हैं। इस कारण वह इटली की राजधानी रोम में इसी माह के अंत में शुरु होने वाले इटालियन ओपन में भी नहीं खेलेंगे। ड्रेपर के घुटने में चोट लगी है। इसी कारण वह मैड्रिड ओपन से भी बाहर हैं। ड्रेपर के नहीं खेलने से उनके प्रशंसकों को निराशा हुई है। ड्रेपर कुछ समय पहले ही हड्डी में चोट से उबरे थे । उस चोट के कारण वही व विंबलडन से भी बाहर रहे थे। अब मैड्रिड के बाद रोम से उनके नाम वापस लेने से उनकी फिटनेस को लेकर चिन्ता जतायी जा रही है हालांकि ये भी कहा जा रहा है कि वह 18 मई से शुरु हो रहे फ्रेंच ओपन में खेल सकते हैं। घुटने की समस्या से वह पहले भी परेशान रहे है। इसी के कारण वह मोंटे कार्लो मास्टर्स में भी नहीं खेल पाये थे। इसके अलावा बार्सिलोना में भी क्ले कोर्ट मैच के बीच में ही उन्हें हटना पड़ा था। इससे साफ है कि घुटने की चोट उनके लिए बड़ी परेशानी बन रही है। ड्रेपर ने रोम ओपन से बाहर होने की घोषणा करते हुए कहा, मेरे घुटने की नस में चोट बढ़ जाने के कारण मैं रोम में नहीं खेल पाऊंगा। साथ ही कहा कि मैं इस बार से राहत का अनुभव कर रहा हूं कि मुझे कोई बहुत गंभीर चोट नहीं है और तेजी से सुधार हो रहा है। ऐसे में मुझे उम्मीद है कि मैं फ्रेंच ओपन तक ठीक हो जाउंगा। जिससे मेरा वापसी का इरादा है।

एकादश से बाहर बैठने का आदी नहीं लेकिन टीम माहौल के मुताबिक ढलना मेरी जिम्मेदारी : वेंकटेश

बेंगलुरु(एजेंसी)। वेंकटेश अय्यर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) की एकादश में नियमित तौर पर जगह बनाना चाहते हैं, लेकिन यह हरफनमौला खिलाड़ी टीम की उन परिस्थितियों को भली-भांति समझता है जिनकी वजह से उन्हें बेंच पर बैठना पड़ रहा है। वह टीम मैनेजमेंट द्वारा दी गई भूमिका की स्पष्टता से संतुष्ट हैं। IPL 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स के विजयी अभियान का हिस्सा रहे वेंकटेश IPL 2026 से पहले RCB से जुड़े, लेकिन अब तक उन्हें केवल एक ही मैच खेलने का मौका मिला है, क्योंकि बेंगलुरु टीम के शीर्ष और मध्यक्रम में कड़ी प्रतिस्पर्धा है।

वेंकटेश ने यहां चुनिंदा मीडिया से बातचीत में कहा, 'मुझे बाहर बैठने की आदत नहीं है, लेकिन यह एक टीम का माहौल है। एक ऐसे खिलाड़ी के रूप में जो टीम को सबसे ऊपर रखता है, मेरा कर्तव्य है कि मैं इस माहौल का पालन करूं।' वेंकटेश इस बात से अच्छी तरह वाकिफ हैं कि आरसीबी उस संयोजन में बदलाव करने से हिचकेगी जिसने एक साल पहले उन्हें उनका पहला आईपीएल खिताब दिलाया था। उन्होंने कहा, 'हम गत चैंपियन हैं। खिताब दिलाने वाले संयोजन में बदलाव करना मुश्किल होता है। यह समझदारी भरा कदम नहीं होता। ऐसे में टीम से जुड़े नये खिलाड़ी के तौर पर मेरा कर्तव्य है यह समझना कि मैं किस भूमिका में योगदान दे सकता हूं। इसका श्रेय मो (बोबाट), एंडी (फ्लावर) और डीके (दिनेश कार्तिक) को जाता है।'

उन्होंने कहा, 'उन्होंने टीम में मेरी भूमिका को लेकर बातचीत में शानदार स्पष्टता दी है। ईमानदारी से कहूं तो बाहर बैठना मुश्किल है। यह ऐसी चीज है जिसके लिए आप तैयारी नहीं कर सकते। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं उनकी योजनाओं का हिस्सा नहीं हूं। यह 'अगर' नहीं बल्कि 'कब' का सवाल है।' RCB ने IPL 2025 से पहले हुई नीलामी में 31 वर्षीय वेंकटेश को सात करोड़ रुपए में खरीदा था, जो इससे पहले चयक्रसे मिले 23.75 करोड़ रुपए की तुलना में काफी कम है। उनकी कीमत में आई गिरावट की तरह उनके लिए ऋष्टक्रमें खेलने के मौके भी कम हुए हैं, लेकिन वेंकटेश का मानना है कि इससे उनकी प्रेरणा पर कोई असर नहीं पड़ा है। उन्होंने कहा, 'यह आसान नहीं है, लेकिन प्रेरित रहना बेहद जरूरी है क्योंकि आप आसानी से हताश हो

सकते हैं और अपनी कार्यशैली को पीछे छोड़ सकते हैं। इसलिए मैं अपने मन को इस तरह तैयार करता हूं कि मैं हर मैच खेलने वाला हूं। 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम के साथ कुछ भी हो सकता है।'